रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 135

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.7	27.2
जमशेदपुर	33.8	25.2
डालटनगंज	33.4	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

पेज 09

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,500
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

जीडीपी का वृद्धि दर 6% रहने का अनुमान

नयी दिल्ली। सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी से भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है. वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में जीडीपी दर 7.8 प्रतिशत थी. रेटिंग एजेंसी इक्रा ने गुरुवार को बताया कि संपूर्ण वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की दर 6.8% रहने उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2% से कम है.

किसानों की समस्या के हल को समिति बनेगी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसानों की शिकायतों का हमेशा के लिए सौहार्द्रपूर्ण समाधान करने के लिए जल्द ही एक बहुसदस्यीय समिति का गठन करेगा. न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने अगली सुनवाई के लिए दो सितंबर की तारीख मुकर्रर की. साथ ही पंजाब एवं हरियाणा की सरकारों से किसानों के संभावित मुद्दों की जानकारी समिति को देने को कहा.

विमान में बम की धमकी अफवाह साबित

तिरुवनंतपुरम। मुंबई से आ रहे एअर इंडिया के एक विमान के शौचालय में बम की धमकी वाला संदेश जांच में अफवाह साबित हुई. बम की धमकी के बाद गुरुवार को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पूर्ण इमरजेंसी घोषित कर दिया गया था. सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सघन तलाशी किये जाने के दौरान विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला. हवाई अड्डे पर सुबह घोषित की गयी इमरजेंसी अपराह्न 12 बजकर 10 मिनट पर हटा ली गयी.

संयुक्त राष्ट्र की टीम बांग्लादेश में जांच करेगी

ढाका। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की एक टीम बांग्लादेश में 650 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने के मामले की जांच के लिए बांग्लादेश आएगी. यह टीम एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच मानवाधिकार उल्लंघन की सभी घटनाओं की जांच के लिए विस्तृत चर्चा करेगी. एक सप्ताह तक टीम नागरिक समाज समूहों, मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों, छात्रों और सरकारी अधिकारियों तथा अन्य संबंधित लोगों से मुलाकात करेगी.

त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ में 10 की मौत

अगरतला। त्रिपुरा में रविवार से भूस्खलन और बाढ़ संबंधी घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है. भारी बारिश के कारण 32,750 लोगों ने 330 राहत शिविरों में शरण ली है. मुख्यमंत्री माणिक साहा द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध के बाद बचाव कार्यों में सहायता के लिए एनडीआरएफ की चार अतिरिक्त टीमें तैनात की गई हैं. राज्य की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

सफलता : झारखंड, यूपी व राजस्थान में 15 जगहों पर छापेमारी

आठ आतंकी गिरफ्तार

लोहरदगा से गिरफ्तार आतंकी के पास से हथियार भी बरामद

सौरव सिंह। रांची

दिल्ली पुलिस व झारखंड पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाय (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है. टीम ने यूपी, राजस्थान व झारखंड में 14 जगहों पर छापेमारी कर अलकायदा इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआईएस) नामक आतंकी संगठन के सात आतंकियों को गिरफ्तार किया है. झारखंड में लोहरदगा और लातेहार सीमा पर स्थित हिंजला गांव और हजारीबाग के पेलावल समेत अन्य जिलों में छापामारी की गई है. सूचना है कि लोहरदगा से गिरफ्तार एक आतंकी के पास से हथियार भी मिला है. अज्ञात स्थान पर रखकर गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ की जा रही है. हालांकि झारखंड पुलिस के किसी अधिकारी ने अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं की है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवकों ने पुलिस को बताया है कि वे संगठन के लिए काम करते हैं और उनका उद्देश्य क्षेत्र में आतंक का प्रचार करना, युवाओं को कट्टरपंथी बनाना, भारत में शरिया कानून स्थापित करने के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ युद्ध छेड़ना है.

बुधवार की रात ही ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया : जानकारी के मुताबिक, अलकायदा के इस नए मॉडल की जानकारी सबसे पहले दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को मिली थी. स्पेशल सेल ने जब मामले की पड़ताल शुरू की तो सबसे पहले राजस्थान से झारखंड के एक आतंकी को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ के दौरान स्पेशल सेल को अलकायदा के नए मॉड्यूल की जानकारी मिली, जो देश में अशांति और हिंसा फैलाने के लिए बड़ी तैयारी कर रहा था. सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के एटीएस से संपर्क कर बुधवार की रात ही ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया.

रांची का डॉ इश्तियाक है मॉडयूल का लीडर : सूत्रों ने जानकारी दी है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम और झारखंड एटीएस ने रांची निवासी डॉ इश्तियाक को गिरफ्तार किया है. इश्तियाक ही एक्यूआईएस मॉडयूल का लीडर है. उससे पूछताछ की जा रही है. हालांकि अब तक यह नहीं पता चल पाया है कि डॉ इश्तियाक रांची में कहां का रहने वाला है और वह क्या करता है?

- गिरफ्तार सभी आतंकी एक्यूआईएस के
- अलकायदा से प्रेरित है संगठन
- बांग्लादेश से तार जुड़े होने की आशंका

2014 से सक्रिय है एक्यूआईएस

जानकारी के मुताबिक, अलकायदा इंडियन सबकांटिनेंट का संबंध अंसारुल्लाह बांग्ला टीम नामक आतंकी संगठन के साथ है. वर्ष 2014 में स्थापित प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-कायदा की एक शाखा एक्यूआईएस कथित तौर पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, बर्मा और बांग्लादेश में सक्रिय है. समूह का काम इस्लामिक राज्य स्थापित करने के लिए जिहाद करना है. इस आतंकी संगठन से जुड़े लोगों का उद्देश्य झारखंड में संगठन का प्रचार करना, समान विचारधारा वाले युवाओं को कट्टरपंथी रास्ते पर ले जाना और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भर्ती करना है. ताकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी सरकार को 'नियम' स्थापित करके उखाड़ फेंका जा सके और भारत में गजवा-ए-हिंद' को लागू किया जा सके. गिरफ्तार सभी आतंकवादी इसके प्रचार प्रसार करने में ही जुटे थे.

सात जिलों में है स्लीपर सेल

राज्य के सात जिलों में आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल है. इन सात जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह जिला शामिल है. स्लीपर सेल के सदस्य बाहर से आने वाले आतंकी संगठनों के सदस्यों को रुकवाना और उनके काम में सहयोग करना है. साथ ही जरुरी संसाधन उपलब्ध कराना है. पिछले 13 साल के दौरान इन सातों जिलों से आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल में शामिल 26 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. वर्ष 1999 में दिल्ली पुलिस ने हजारीबाग के खिरगांव में मुठभेड़ कर दो आतंकियों को मार गिराया था. मारे गए आतंकी कोलकाता के अमेरिकन सेंटर पर हुए हमले में शामिल था. 2014 में जब नरेंद्र मोदी पटना में रैली कर रहे थे, तब पटना जंक्शन और गांधी मैदान में सीरियल ब्लास्ट किया गया था. इस घटना में शामिल आतंकी रांची के धुर्वा इलाके के रहने वाले थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को पलामू पहुंचे, वहां उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को सम्मान राशि दी. कार्यस्थल पर रैंप पर चलकर सीएम ने महिलाओं का अभिवादन किया. उनके साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, दीपिका पांडेय सिंह समेत कई लोग कार्यक्रम में शामिल रहे. (विस्तृत रिपोर्ट पेज 3 पर)

कोलकाता कांड में सुनावाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

काम पर लौटें चिकित्सक

कोलकाता कांड में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कई सवाल खड़े किए हैं. अदालत ने पूछा कि पश्चिम बंगाल सरकार और वहां की पुलिस से पूछा कि मामले में 14 घंटे बाद एफआईआर क्यों दर्ज की गई? अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि जब प्रिंसिपल को उस कॉलेज से हटाया गया, तो दूसरी जगह प्रिंसिपल क्यों बना दिया गया? सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि 14 घंटे की देरी के बाद एफआईआर दर्ज करने का क्या कारण है? सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कोलकाता पुलिस की भूमिका पर संदेह जाहिर किया. कहा, जांच में ऐसी लापरवाही अपने 30 साल के कॅरियर में नहीं देखी. वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की. अदालत पर एम्स के डॉक्टरों ने 11 दिन से चल रही हड़ताल वापस ले ली.

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने में कोलकाता पुलिस की देरी को काफी परेशानी वाली बात बताया. अदालत ने इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने को कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पुलिस द्वारा की गई कानूनी औपचारिकताओं के क्रम और समय पर सवाल उठाया.

पीठ ने कहा कि यह बहुत ही आश्चर्यजनक है कि मृत पीड़िता का पोस्टमार्टम, अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने से पहले ही नौ अगस्त की शाम छह बज कर 10 मिनट से सात बज कर 10 मिनट के बीच कर दिया गया. ऐसा कैसे हुआ कि पोस्टमार्टम नौ अगस्त को शाम छह बजकर 10 मिनट पर किया गया, लेकिन अप्राकृतिक मौत की सूचना ताला पुलिस थाने को नौ अगस्त को रात साढ़े 11 बजे भेजी गई. यह बेहद परेशान करने वाली बात है. सीजेआई ने कहा, शव बरामदगी के 14 घंटे बाद रात 11:30 बजे एफआईआर दर्ज करना कहां तक उचित है? प्रिंसिपल की तुरंत दूसरी जगह नियुक्ति क्यों कर दी गयी? सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी.

डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र व राज्य : अदालत ने चिकित्सक संगठनों को आश्वासन दिया कि नेशनल टास्क फोर्स सभी हितधारकों की बात सुनेगा. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि राज्य सरकारें डॉक्टरों के लिए कुछ सुरक्षा इंतजाम करें. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे राज्य के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ मिल कर डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें. पीठ ने कहा कि यह कवायद एक हफ्ते में पूरी हो जानी चाहिए. वहीं, राज्य को दो हफ्ते के अंदर इसे लागू करने को कहा गया है.

डॉ संदीप घोष जांच के घेरे में, पॉलीग्राफ टेस्ट होगा : सीबीआई को अब तक की जांच में मिले सुराग और सबूत गैंग रेप की पुष्टि नहीं कर रहे हैं. अब तक सिर्फ आरोपी संजय रॉय की संलिप्तता की पुष्टि हुई है.

- 14 घंटे देरी से एफआईआर दर्ज क्यों की, इसे कैसे जस्टिफाई करेंगे?
- एफआईआर दर्ज करने में देरी बेहद परेशान करनेवाली बात है?
- प्रिंसिपल को केस दर्ज करानी चाहिए थी, वह किसका बचाव कर रहे हैं?
- जस्टिस पारदीवाला बोले- ऐसी लापरवाही 30 साल के कॅरियर में नहीं देखी.

स्टेटस रिपोर्ट | क्राइम सीन पर छेड़छाड़ की गयी

कोलकाता कांड में सीबीआई ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है. इस रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि किसने पूरे घटनाक्रम में लापरवाही बरती है और कौन-कौन जांच के दायरे में है. सीबीआई ने शुरुआती स्टेटस रिपोर्ट में अस्पताल प्रशासन को सीधे कठघरे में खड़ा किया है. कहा है कि जांच में अब तक मिले सुराग और सबूत से जाहिर होता है कि क्राइम सीन पर छेड़छाड़ की गयी. सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट और पुलिस की केस डायरी को देखने के बाद पीठ ने पाया कि शव को कई घंटों तक यूं ही पड़े रहने दिया.

लड़कियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : बंबई हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट ने ठाणे जिले के एक स्कूल के शौचालय में पुरुष सहायक द्वारा 12 और 13 अगस्त को चार साल की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है. हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना को स्तब्धकारी करार दिया है. अदालत ने कहा कि लड़कियों की रक्षा और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता. न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने गुरुवार को कहा कि घटना की जानकारी होने के बावजूद मामला दर्ज न करने के लिए स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने में देरी के लिए पुलिस की भी आलोचना की. पीठ ने कहा कि जब तक जनता ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन नहीं किया, तब तक पुलिस तंत्र आगे नहीं बढ़ा. अदालत ने सवाल किया, जहां तीन से चार साल की छोटी बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया गया हो, वैसे गंभीर मामले को पुलिस इतने हल्के में कैसे ले सकती है? अदालत ने कहा, अगर स्कूल सुरक्षित जगह नहीं हैं, तो बच्चे क्या करें?

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में केंद्र को हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

ट्राइबल आबादी कम होती जा रही और केंद्र सरकार चुप है

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की है. अदालत ने आईबी, यूआईएडीआई और बीएसएफ की ओर से अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल किए जाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगे जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि झारखंड में ट्राइबल की आबादी कम होती जा रही है और केंद्र सरकार चुप है. झारखंड का निर्माण आदिवासियों को हितों की रक्षा के लिए किया गया था. लगता है केंद्र सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों के झारखंड में प्रवेश को रोकने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है.

चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने गुरुवार को संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई की.अदालत ने कहा कि आईबी हर सप्ताह 24 घंटे काम करती है, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल नहीं कर रही है. बीएसएफ की भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका है. लेकिन प्रतीत होता है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के मामले में केंद्र सरकार का सकारात्मक रुख नहीं है. अब इस मामले की अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी.

अदालत ने केंद्र सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा : बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में राज्य सरकार की ओर से भी जवाब दाखिल किया जा चुका है, लेकिन केंद्र सरकार जवाब के लिए चार से छह सप्ताह का समय मांग रही है. कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा चार सप्ताह मांगे जाने संबंधी हस्तक्षेप याचिका (आईए) को खारिज करते हुए केंद्र सरकार को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इससे पहले राज्य सरकार की ओर से छह जिलों के डीसी एवं एसपी की ओर से जवाब दाखिल किया गया. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए सभी प्रतिवादियों को समय से जवाब दाखिल करना होगा.

याचिकाकर्ता ने क्या कहा है?

याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं. इससे इन जिलों में जनसंख्या पर कुप्रभाव पड़ रहा है. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किए जा रहे हैं. साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाए जा रहे हैं. याचिकाकर्ता ने मांग की है कि इस मामले में भारत सरकार का गृह मंत्रालय रिपोर्ट दाखिल करे और बताए कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं और उनके द्वारा झारखंड में कैसे लोगों को गुमराह कर वैवाहिक संबंध स्थापित किए जा रहे हैं.

जम्मू-कश्मीर: सभी सीटों पर कांग्रेस-नेकां में गठबंधन

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सभी 90 सीट पर कांग्रेस के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा अब्दुल्ला के आवास पर बैठक के बाद यह घोषणा की गई है.

- कश्मीर के लिए राज्य के दर्जा को बहाल करना : राहुल
- गठबंधन सही रास्ते पर, इसे अंतिम रूप दे दिया : अब्दुल्ला

बैठक को लेकर अब्दुल्ला ने बताया कि, हमारी बैठक सौहार्द्रपूर्ण माहौल में काफी अच्छी रही. गठबंधन सही रास्ते पर है और अल्लाह ने चाहा तो यह सुचारू रूप से चलेगा. गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है. गठबंधन सभी 90 सीट के लिए है.

बता दें कि जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरण में 18 व 25 सितंबर और एक अक्टूबर को मतदान होगा. चार अक्टूबर को नतीजे आयेंगे. अब्दुल्ला ने कहा, माकपा के एमवाई तारिगामी भी हमारे साथ हैं. राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य के दर्जा को बहाल करना कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की प्राथमिकता है. गांधी के इस आश्वासन के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि सभी शक्तियों के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा.

यूक्रेन के लिए रवाना हो गये मोदी, राष्ट्रपति जेलेंस्की से वार्ता आज

शांति बहाली को हर संभव सहयोग : मोदी

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के मिलते पीएम नरेंद्र मोदी.

एजेंसी। वारसॉ

यूक्रेन की अपनी यात्रा से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का दृढ़ता से मानना है कि किसी भी संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकाला जा सकता. भारत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है. मोदी ने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद ये बातें कहीं. बैठक में, दोनों नेताओं ने भारत-पोलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने का निर्णय लिया. दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में, मोदी करीब सात घंटे के लिए कीव में होंगे. वह यूक्रेन की राजधानी के लिए शाम में ट्रेन से रवाना हो गये.

संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरुरत

पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत और पोलैंड के बीच संबंधों के लिए विशेष महत्व का है. मोदी ने कहा कि इस साल हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं. उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार, वक्त की दरकार है.

गिद्धों की चाहत से गाय नहीं मरती

बैजनाथ मिश्र

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया. प्रधानमंत्री शेख हसीना की चुनी हुई सरकार बेदखल कर दी गयी. वह जान बचाकर भारत आ गयी हैं. उनके मंत्री बर्खास्त कर दिये गये हैं. गिरफ्तार कर लिये गये हैं. पुलिस के हथियार छीन लिये गये हैं. थाने बंद हो गये हैं. प्रधानमंत्री आवास से लेकर लगभग सभी सरकारी कार्यालयों, आवासों में तोड़-फोड़ और आगजनी की गयी है. उनमें लूटपाट हुई है. वहां के अल्पसंख्यकों खासतौर से हिंदुओं पर कहर बरपाया गया है. भीषण रक्तपात हुआ है. यह सब कुछ हुआ है बाहरी खुटचाल और भीतरी अतिवाद की सांठगांठ से.

शेख हसीना ने साफ-साफ कहा है कि यह सब किया कराया अमेरिका का है. उसे अपनी सेना का अड्डा बनाने के लिए एक द्वीप चाहिए था. नहीं देने पर उसने यह शैतानी हरकत करायी है. चीन भी हसीना से खुश नहीं था, क्योंकि उनकी हमदर्दी हमेशा भारत के साथ थी. पाकिस्तान तो चाहता ही था कि बांग्लादेश बर्बाद हो जाय. बांग्लादेश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा था. उसकी टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने दुनिया के बड़े बाजार पर कब्जा कर रखा है. वह विकसित हो रहा था. यह दुनिया के स्वघोषित थानेदार देशों को मंजूर नहीं था. अमेरिका तो 1971 से ही बांग्लादेश के खिलाफ है. तब पाकिस्तान उसकी सैन्य छावनी थी. बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के विरुद्ध उसने पाकिस्तान की भरपूर मदद की थी. यहां तक कि भारत के साथ युद्ध के दौरान उसने अपना सातवां बेड़ा समुद्र में भेज दिया था. तब भारत के पक्ष में सोवियत संघ ने अपनी परमाणु संपन्न पनडुब्बियां सागर में उतार दी थीं. यह भिड़ंत हुई नहीं, क्योंकि उनके सामना होने से पहले ही भारतीय सेना ने ढाका पर कब्जा कर लिया था. हमारे जनरल जेएस अरोड़ा ने 90 हजार पाकिस्तानी फौजियों के साथ जनरल नियाजी को सरेंडर करा दिया था. यह टीस तो पाकिस्तान को कचोटती ही रहती है, अमेरिका भी यदा-कदा खिन्न हो उठता है.

उस समय एक गाना बहुत चर्चित था-मुक्तिवाहिनी ने ललकारा, हमने दिया सहारा, बांग्ला हो गया आजाद. वह आंदोलन पूर्वी पाकिस्तान के कुलीन वर्ग का नहीं था. उस समय बड़े हाकिम, हुक्मरान, जमींदार और अधिकतर बड़े सैन्य अधिकारी पाक परस्त थे. लेकिन जनआंदोलन और भारत की मदद ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया. इसलिए उनकी कसक उभरती रहती है. इसी का परिणाम था कि 15 अगस्त 1975 को बांग्लादेश के निर्माता राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान को उनके सरकारी आवास पर सेना के अधिकारियों ने परिवार सहित गोलियों से छलनी कर दिया था. बची केवल उनकी पत्नी शेख हसीना और एक बेटा. उस समय के हमारे रॉ प्रमुख आरएन काव मुजीब साहब को साल भर से ताकीद कर रहे थे कि सतर्क रहें, आपके लोग ही आपको मार डालेंगे. लेकिन उन्हें इस संदेह पर विश्वास ही नहीं हुआ. इस बार भी शेख हसीना को भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सतर्क किया था और हसीना ने आरक्षण के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल भी दिया था. उन्हें भी लग रहा था कि जारी धरना-प्रदर्शन हिंसक होते हुए भी उनकी हत्या की कोशिश तक नहीं पहुंचेगा. लेकिन उनका आकलन गलत था.

बहरहाल बांग्लादेश की घटना से उत्साहित कुछ भारतीय गिद्ध भी चाहते हैं कि यहां भी ऐसा हो जाय. कुछ तो भविष्यवाणी कर रहे हैं कि भारत में भी ऐसा ही होगा. -शेष पेज 7 पर

ब्रीफ खबरें

चंपाई सोरेन को लोजपा का न्यौता

रांची। चंपाई सोरेन को लोजपा ने पार्टी में शामिल होने का न्यौता दिया है. लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने कहा कि लोजपा में आएं चंपाई सोरेन, पूरा सम्मान मिलेगा. उन्होंने कहा कि झामुमो ने चंपाई सोरेन को अपमानित किया है. उन्होंने आगे कहा कि चंपाई सोरेन के लिए लोजपा का दरवाजा खुला है.

अर्जुन मुंडा ने की कड़िया मुंडा से मुलाकात

रांची। गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी पत्नी मीरा मुंडा संग कड़िया मुंडा से मुलाकात की. अर्जुन मुंडा ने इस बात की जानकारी ट्वीट कर दी है. इसमें लिखा है कि खूंटी के पूर्व सांसद मेरे अभिभावक पद्म भूषण कड़िया मुंडा जी से उनके घर जाकर मिला. सम सामयिक विषयों पर चर्चा हुई. इससे पहले उन्होंने खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों से भी मिले.

केशव महतो कमलेश ने दिया इस्तीफा

रांची। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को सौंप दिया है. जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद केशव महतो कमलेश ने नैतिकता के आधार पर पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य का पद छोड़ दिया है.

राज्यपाल से मिलीं अन्नपूर्णा देवी

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राजभवन में गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की. इसके बाद पूर्व लोकसभा सांसद रामटहल चौधरी झारखंड लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा ,सेवानिवृत आइपीएस निर्मल कौर और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमार ने भी राज्यपाल से भेंट की. कुड़माली छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबलू कुमार महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की.

खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 से

रांची। खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 अगस्त से मेरठ में आयोजित होगा. यह लीग 24 से 27 अगस्त तक मेरठ के गॉडविन पब्लिक स्कूल में आयोजित होनी है. पूरे भारत में महिलाओं के बीच वुशु खेल को ग्रासरूट लेवल तक विकसित करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा इस अस्मिता योजना की शुरुआत की गयी है. प्रतियोगिता में तकरीबन 500 खिलाड़ी 7.20 लाख इनामी राशि के लिए जोर लगाएंगे.

चौहान हेंब्रम के परिजनों से मिलीं कल्पना सोरेन

रांची। हवलदार स्व. चौहान हेंब्रम के परिजनों से विधायक कल्पना सोरेन ने गुरुवार को मुलाकात की. मालूम हो कि गिरिडीह जिला के ग्राम पिंडाटाड़ निवासी चौहान हेंब्रम हजारीबाग जिलाबल में हवलदार के पद पर कार्यरत थे. ड्यूटी के दौरान गत 12 अगस्त को एक अपराधी द्वारा उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी. कल्पना सोरेन ने उनके परिजनों से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया.

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल और बालू की किल्लत की वजह से भी आवास निर्माण में देरी

अबुआ अवास :1430 लाभुकों को मिली तीसरी किस्त

ब्यूरो प्रमुख ।रांची

अबुआ आवास के लाभुकों को दूसरी किस्त जारी करने का काम शुरू हो गया है. योजना के 66 प्रतिशत लाभुकों को दूसरी किस्त के 50 हजार रुपये दे दिये गये हैं. वहीं तेजी से आवास बनाने वाले करीब 1430 लाभुकों को तीसरी किस्त के रूप में एक लाख रुपये दिए गये हैं. राज्य सरकार ने दूसरी किस्त की राशि लोकसभा चुनाव के पहले ही जिलों को भेज दी थी. लेकिन आवास योजना में मनरेगाकर्मियों की हड़ताल की वजह से जियोटैगिग का काम प्रभावित हो रहा है. इसके साथ ही बालू की कमी की वजह से आवास निर्माण कार्य रुक सा गया है.

खास बातें

- योजना के तहत 66 प्रतिशत लाभुकों को मिली है दूसरी किस्त
- मनरेगाकर्मियों की हड़ताल के कारण नहीं हो रहा जियोटैंगिग

जानकारी के अनुसार करीब 30 हजार लाभुकों के आवास का निर्माण उस स्तर पर पहुंच गया है, जिस स्तर पर उन्हें तीसरी किस्त की एक लाख रुपये दिया जाये, लेकिन मनरेगाकर्मियों की हड़ताल के कारण जियोटैंगिग का कार्य नहीं पूरा होने के कारण उनके खाते में रुपये नहीं भेजे गए हैं. उल्लेखनीय है कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों को घर बनाने के लिए सरकार दो लाख रुपये की सहायता देती है. हेमंत सरकार ने इसी साल इस योजना की शुरुआत की थी.

1,30,831 लाभुकों को मिला दूसरी किस्तः हेमंत सरकार ने पहले चरण में दो लाख लोगों को अबुआ आवास देने का लक्ष्य रखा था. इनमें से 1,99,715 लोगों को अबुआ आवास स्वीकृत किए गए. 1,91,877 लोगों को पहली किस्त की राशि लोकसभा चुनाव से पहले उपलब्ध कराया गया था. पहली किस्त में लाभुकों को 30 हजार रुपये दिए गये थे. दूसरी किस्त की राशि के रूप में 50 हजार रुपये 1,30,831 लाभुकों को दिये गये है. यह कुल लाभुक का करीब 66 प्रतिशत है. कुल 1,42,144 आवासों का जियोटैगिंग का काम किया जा चुका है.

किस्त जारी करने से पहले भौतिक निरीक्षणः योजना के लाभुकों को दूसरी किस्त जारी करने से पहले आवास निर्माण का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके.

पुलिस की मौजूदगी में मारपीट की घटना पर बाउरी ने कहा

झारखंड में हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं

संवाददाता।रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा है कि हेमंत राज में झारखंड के हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं है. ट्वीट कर सवाल किया है कि क्या रक्षाबंधन में बहने मेहंदी भी नहीं लगा सकती. हेमंत सरकार ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पूरे प्रदेश का सत्यानाश कर दिया है, इसीलिए हेमंत हटाओ और सुशासन लाना जरूरी है. जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है. ट्वीट में आगे लिखा है कि पहले रामनवमी फिर मोहर्रम और अब मनसा पूजा में प्रशासन के नाक के नीचे हिंदुओं पर हमला हुआ. धनबाद के कालूबथान में मनसा देवी की प्रतिमा विसर्जित करने जा रहे लोगों से पुलिस की मौजूदगी में मारपीट हुई. महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ. मुकुंदडीह गांव के मुस्लिम टोला से होकर प्रतिमा को जाने से रोकने पर बवाल हुआ. जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है.

जेपीएसएसी, नियामक आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग में अध्यक्ष नहीं

दर्जनभर बोर्ड, निगम व आयोग अध्यक्षविहीन

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में भ्रष्टाचार की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. लगभग चार साल से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई. लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य सरकार करती है. लगभग चार साल गुजर जाने के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं हो पाई है. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल आठ मई 2020 को पूरा हो गया था. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान है. सभी छह पद मई 2020 से ही खाली पड़े हैं. अब एक बार फिर से सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है. आवेदन मांगे गये हैं.

जेपीएससी भी अध्यक्षविहीनः झारखंड लोक सेवा आयोग भी अध्यक्ष विहीन हो गया है. बुधवार को ही आयोग की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा का कार्यकाल समाप्त हो गया. इनकी जगह किसी को अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया गया है. जेपीएससी मुख्य परीक्षा का भी परिणाम जारी होना है. संभावना जताई जा रही है कि 29 अगस्त को होने वाली कैबिनेट की बैठक में अध्यक्ष की नियुक्ति पर फैसला लिया जा सकता है.

बिजली उपभोक्ताओं की कौन सुनें: राज्यभर के 54 लाख बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग भी अध्यक्ष विहीन है. आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अमिताभ गुप्ता का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो गया. अब आयोग में सिर्फ मेंबर तकनीक अतुल कुमार और मेंबर लॉ महेंद्र प्रसाद ही बचे हैं.

बोर्ड-निगम व आयोग जिनका हुआ है गठनः झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड गो सेवा आयोग, झारखंड राज्य आवास बोर्ड, झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद, झारखंड राज्य युवा आयोग, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग, झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग.

इन बोर्ड, निगमों व आयोग में अध्यक्ष नहीं

झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग, झारखंड राज्य सूचना आयोग, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, झारखंड राज्य महिला आयोग, झालको, आरआरडीए, झारखंड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड, झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण, लोकायुक्त, नि:सशक्तता आयुक्त.

यहां आईएएस-आईएफएस काबिज

जेएसएमडीसी, टीवीएनएल, झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग, झारखंड राज्य वित्त आयोग, झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम.

महिला पुलिस अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आज से

संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व व दिशा-निर्देश पर शुक्रवार से दो दिवसीय महिला पुलिस अधिकारियों-कर्मियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित होगा. यह सम्मेलन डोरंडा के जैप-1 स्थित शौर्य सभागार में यह आयोजन होगा. उद्घाटन के दौरान मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहेंगे. इसके झारखंड पुलिस के सभी जिला-इकाइयों में सिपाही, हवलदार, एएसआई, एसआई, इंस्पेक्टर व डीएसपी स्तर की 200 महिला प्रतिनिधि शामिल होंगी. राज्य में पहली बार यह आयोजन हो रहा है.

एडीजी सुमन गुप्ता ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी. इसमें पुलिस और कल्याण मामले में महिलाओं के लिए न्यूनतम सुविधा, प्रशिक्षण की आवश्यकताएं और दृष्टिकोण में परिवर्तन, पुलिस बल में महिलाओं की उन्नति का समर्थन करने वाली नीतियां, पुलिस में महिलाओं के लिए जीवन शैली प्रबंधन, पुलिस में महिलाओं के लिए फोरम, समाज में योगदान मुद्दों पर चर्चा होगी.इस सम्मेलन का थीम है महिला पुलिस, सेवा, सुरक्षा व सम्मान.

सीएम को निमंत्रण पत्र देते डीजीपी अनुराग गुप्ता व एडीजी सुमन गुप्ता.

सम्मेलन में शामिल होने का दिया निमंत्रण

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को सीएम आवासीय कार्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता और एडीजी सुमन गुप्ता ने मुलाकात की. इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रथम दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन- 2024 में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने को लेकर निमंत्रण पत्र सौंपा. सम्मेलन के समापन के दौरान सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन शामिल होंगे. 23 अगस्त को यह सम्मेलन 12.15 से शुरू होगी और पांच बजे शाम तक चलेगी. वहीं दूसरे दिन यानि 24 अगस्त को यह सम्मेलन सुबह के 9.30 बजे से शुरू होगी और दोपहर 2.30 बजे समापन होगा.

थाना प्रभारियों की पोस्टिंग में नियमों की अनदेखी

सौरव सिंह ।रांची

राज्य के कई जिलों में थाना प्रभारियों के तबादले में नियमों की अनदेखी की जा रही है. जिलों के एसपी पांच-छह माह में थाना प्रभारी का तबादला कर दे रहे हैं. जबकि नियम के अनुसार, थाना प्रभारी तबादला का कम से कम दो वर्ष के बाद होनी चाहिए. अगर किसी थाना प्रभारी के खिलाफ कोई आरोप है या जो काम में लापरवाह या अक्षम है, तो उनका तबादला रेंज डीआईजी के अनुमोदन के बाद किया जा सकता है. लेकिन यहां हालात बिल्कुल अलग है. कुछ जिलों के एसपी दूसरे कारणों से तबादला कर देते हैं. कई बार डीआईजी से अनुमति तक नहीं लेते. इन सबके पीछे की वजह तबादला का एक उद्योग बन जाना है.

प्रतिनियुक्ति का भी चल रहा खेल : पुलिस विभाग में प्रतिनियुक्ति का अलग ही खेल तेजी से बढ़ा है. यानी अस्थायी थाना प्रभारी का. एसपी पोस्टिंग के बदले प्रतिनियुक्त कर देते हैं. यानी प्रभारी का पद भरा हुआ भी है और खाली भी. जब तक एसपी की मर्जी तब तक थानेदारी. जब तक एसपी खुश, तब तक अफसर की थानेदारी. प्रतिनियुक्ति के इस खेल में एसपी को डीआईजी से किसी तरह की अनुमति लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती.

बिना अनुमति बदले के कई मामले: हाल के दिनों में अलग-अलग जिलों में डीआईजी की अनुमति लिए बिना एसपी ने थानेदारों का तबादला किया है. चार मार्च को हजारीबाग के एसपी ने गिद्दी और बरकट्ठा के थाना प्रभारी का तबादल डीआईजी से बिना अनुमति लिए कर दिया था. 10 जून को डीआईजी से स्वीकृति लिए बगैर चतरा के एसपी ने चार थानेदारों का तबादला कर दिया था. डीआईजी ने इस पर स्पष्टीकरण भी पूछा था. खबरों के मुताबिक गत 20 अगस्त को रांची डीआईजी की अनुमति के बिना ही एसएसपी ने छह ओपी के प्रभारियों का तबादला कर दिया. झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने इसे लेकर डीजीपी को पत्र लिखा है.

गृह सचिव व एडीजी ने किया महिला थाने का निरीक्षण, जानी समस्याएं

संवाददाता।रांची

गृह सचिव वंदना डाडेल और एडीजी सुमन गुप्ता ने गुरुवार को रांची महिला थाना का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने महिला थाना के सभी पदाधिकारियों और आरक्षियों से परिचय प्राप्त किया, और उनके कार्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली. इस अवसर पर पीड़ित महिलाओं से उनके मामलों के संबंध में बातचीत की गई और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया. साथ ही महिला थाना में उपलब्ध संसाधनों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई.

संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश : एडीजी सुमन गुप्ता ने महिला थाना की आवश्यकताओं और संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए. साथ ही महिला थाना परिसर के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी गृह सचिव और एडीजी द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए. इन दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है. इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के साथ संवाद स्थापित किया और उनकी कार्य परिस्थितियों और चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की. एडीजी ने महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों के सुझाव भी दिए.

सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है : एडीजी सुमन गुप्ता ने कहा कि आयोजित होने वाले महिला पुलिस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा महिलाओं द्वारा और उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है. इस दिशा में महिला थाना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य भी महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाना है.

महिला थाना के पुलिसकर्मियों के साथ गृह सचिव वंदना डाडेल.

युवाओं को मिला धोखा, पेपर लीक व लाठी : बाबूलाल लाल

संवाददाता।रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है. उन्होंने ट्वीट के जरिए हेमंत सोरेन पर फिर निशाना साधा है. लिखा है कि 2019 में हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं को हर महीने 5000 रुपये से लेकर 7000 रुपये तक बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था. बेरोजगार युवाओं को पिछले 5 साल में बेरोजगारी भत्ता के नाम पर एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिली. इन 5 सालों में झारखंड के युवाओं को अगर कुछ मिला है, तो वो सिर्फः धोखा ,पेपर लीक और और लाठियों की मार. मरांडी ने दूसरे ट्वीट में कहा है कि लूट और झूठ की बुनियाद पर बनी ठगबंधन की इस सरकार ने झारखंड के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया. 2019 में हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं से प्रतिवर्ष 5 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था. 5 साल गुजर गए, लेकिन हेमंत सरकार पारदर्शी तरीके से 5 हजार युवाओं को भी सरकारी नौकरी नहीं दे पाई. आज झारखंड का हर युवा इस अंधेर नगरी चौपट राजा के शासन से तंग आ चुका है. हेमंत सोरेन वादे तो बड़े-बड़े करते हैं, लेकिन पूरा एक भी नहीं करते. लूट और झूठ की ये सरकार युवाओं को सिर्फ और सिर्फ ठगने का काम कर रही है.

बांग्लादेशी घुसपैठ : सुनवाई पांच को

संवाददाता।रांची

बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार की एजेंसियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था. लेकिन गुरुवार तक केंद्र सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जा सका. इसके बाद चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच सितंबर की तिथि निर्धारित कर दी. इस संबंध में जमशेदपुर के रहने वाले दानयल दानिश ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है.

गैंगस्टर अमन सिंह हत्याकांडः पिंटू सिंह को ली बेल

रांची। गैंगस्टर अमन सिंह की जेल में हत्या के आरोपी जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है. पिंटू सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के केस में भी आरोपी है. पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस केस में बेल दे दी थी. अमन सिंह हत्याकांड में बेल मिलने के बाद अब वह जेल से बाहर आ सकता है. पिंटू सिंह की बेल पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. पिंटू सिंह की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बहस की. अमन सिंह की हत्या पिछले साल धनबाद जेल में ही कर दी गई थी, इस घटना के बाद जेल की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े हुये थे. घटना को लेकर कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन भी हुआ था.

आरयू : जीई पेपर में शामिल होने का मिलेगा आखरी मौका

रांची। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने कहा है कि छात्र हित में सभी छात्र-छात्राओं को जीई पेपर की परीक्षा के लिए एक और मौका दिया जाएगा. इससे संबंधित कागजात रांची विवि के परीक्षा नियंत्रक को भेज दिया है. परीक्षा नियत्रंक ने कहा के जल्द नया नोटिफिकेशन जारी होगा. जीई पेपर से संबंधित छात्रों की समस्या को लेकर युवा आजसू का प्रतिनिधिमंडल अभिषेक शुक्ला ने कुलपति और परीक्षा नियंत्रक से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा था. कहा गया था कि यूजी सत्र 2017-20 व 2018-21 के बहुत सारे छात्र-छात्राओं की परीक्षा सूचना के अभाव में छूट गयी थी. मांग की गई थी कि दोनों सत्रों के छात्र-छात्राओं को जीई पेपर की परीक्षा में शामिल होने का एक अंतिम मौका मिले. प्रतिनिधिमंडल में विपिन कुमार यादव, प्रियांशु, आकाश नयन, मृणाल, सचिन, संजीव रंजन, शिवम मिश्रा, गंगाधर महतो, कृति, जयंत, सुबोध, के अलावा कोई सदस्य मौजूद थे.

क्लासिफाइड

हड़ताल खत्म, पदों का होगा सृजन, बदलेगा पदनाम, नहीं कटेगा वेतन

संवाददाता ।रांची

अपर मुख्य सचिव से वार्ता व कई मुद्दों पर सहमति के बाद झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) का हड़ताल समाप्त हो गया है. कर्मचारी संघ के सभी सदस्य नौ सूत्री मांगों को लेकर 22 जुलाई से हड़ताल पर थे. बुधवार को मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कार्मिक सचिव और संघ के पदाधिकारियों के बीच वार्ता हुई. इसमें हड़ताल को समाप्त करने पर सहमति बनी. वार्ता सचिवालय भवन में हुई. हड़ताल खत्म करने की घोषणा के बाद गुरुवार से राज्य भर के जिला समाहरणालयों, अनुमंडल, प्रखंड व अंचल कार्यालयों में पहले की तरह काम-काज शुरू हो गया है.

इन मांगों पर बनी सहमति : समाहरणालय संवर्ग के निम्नवर्गीय लिपिक का पदनाम सहायक, उच्चवर्गीय लिपिक का पदनाम वरीय सहायक, प्रधान लिपिक का पदनाम सहायक प्रशासी अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक का पदनाम प्रशासी अधिकारी (ग्रेड-2) और प्रशासी अधिकारी का पदनाम प्रशासी अधिकारी (ग्रेड-1) होगा. कार्मिक विभाग जल्द ही आदेश जारी करेगी.

पदसृजन की कार्रवाई राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा किया जा रहा है. सभी जिलों से प्रस्ताव विभाग को प्राप्त होने के डेढ़ माह के भीतर पद सृजन कर दिया जायेगा.

अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार की अध्यक्षता में एक कमिटी गठित की जाएगी, जिसमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग तथा वित्त विभाग के संयुक्त सचिव से रैंक के पदाधिकारी सदस्य होंगे. यह कमेटी समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों के हितों पर निर्णय लेगी और सरकार से अनुशंसा करेगी.

क्या हैं मांगें

लिपिक का ग्रेड पे 2400 रुपया, उच्चतर पदों पर ग्रेड पे में बढ़ोतरी तथा प्रशासी अधिकारी के पद पर योगदान की तिथि से ही ग्रेड पे 5400 रुपये दें.

चतुर्थवर्गीय कर्मियों के संबंध में बिहार राज्य की तरह बिना परीक्षा के अर्हता एवं योग्यता के आधार पर प्रोन्नति एवं सेवा काल के आधार पर वेतन बढ़ोतरी हो.

आउटसोर्सिंग पर कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं संविदा कर्मियों के वेतन विसंगति को दूर किया जाये और दूसरे राज्यों में लागू आयु सीमा को यहां भी लागू की जाये.

प्रशासी अधिकारी के कार्य व दायित्व निर्धारण हो.

राज्य प्रशासनिक सेवा के सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के लिए ग्रेड पे और उम्र सीमा की बाध्यता को समाप्त किया जाये.

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के आह्वान हड़ताल पर गए कर्मियों को हड़ताल अवधि का वेतन नहीं काटा जाये.

लौटी रौनक, कामकाज शुरू

रांची। समाहरणालय कर्मियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद सभी जिलों के डीसी कार्यालय, अनुमंडलीय कार्यालय, प्रखंड कार्यालय व अंचल कार्यालयों में रौनक लौट आई है. कर्मचारी काम पर लौट आये हैं. अगले एक-दो दिन में काम-काज नियमित हो जाने की उम्मीद है. उल्लेखनीय है कि पिछले एक माह से हड़ताल की वजह से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. जिला स्तर पर होनेवाले काम समय पर नहीं हो पा रहे थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 135 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

जादूगोड़ा में कार व बाइक में टक्कर, एक घायल

जादूगोड़ा । जादूगोड़ा में गुरुवार की शाम को कार व बाइक में टक्कर हो गई. घटना यूसिल रेअर गेट के समक्ष हुई. इस घटना में पोटका के बालीजुड़ी निवासी यदु नाथ मुर्मू घायल हो गया. उसे बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया है. पोटका थाना क्षेत्र के जादूगोड़ा-कालिकापुर मुख्य मार्ग पर स्थित बालीजुड़ी निवासी यदु नाथ मुर्मू (45) जादूगोड़ा से अपने घर जा रहा था.

आज जमशेदपुर आएंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

जमशेदपुर । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को जमशेदपुर के एक दिवसीय दौरे पर आएंगे. वे पूर्व सांसद स्व. सुनील महतो व पूर्व सांसद सुमन महतो की पुत्री अंकिता महतो के असामयिक निधन पर शोक जताने उनके सोनारी स्थित घर जाएंगे. वहां से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपराह्न तीन बजे जमशेदपुर परिसदन पुहंचेंगे. वहां लंच करने और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद रांची रवाना हो जाएंगे.

जमशेदपुर सर्किल में 506 घरों में छापेमारी

जमशेदपुर । झारखंड बिजली वितरण निगम ने बृहस्पतिवार को कोल्हान के तीनों जिलों में 911 जगहों पर छापेमारी की. इस दौरान बिजली चोरी के आरोप में 140 लोगों पर बिजली चोरी का मामला विभिन्न थानों में दर्ज किया गया. बिजली चोरी के आरोपियों पर 26.13 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. जीएम श्रवण कुमार ने बताया कि जमशेदपुर सर्किल में 506 घरों में छापेमारी की गई.

साइक्लोथॉन 4.0 का आयोजन 25 अगस्त को

जमशेदपुर । अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आगामी 25 अगस्त (रविवार) को साइक्लोथॉन 4.0 (साइकिल रेस) का आयोजन किया जा रहा हैं. इसका आयोजन देश भर में 851 से अधिक शाखाएं एक ही दिन और एक ही समय पर करने जा रही हैं. इस आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय खेल दिवस को भव्य तरीके से मनाना है.

गोलमुरी में भाजपाइयों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

जमशेदपुर । भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में युवा आक्रोश रैली की सफलता को लेकर भाजपा गोलमुरी मंडल के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया. भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंडल क्षेत्र अंतर्गत केबुल बस्ती, राजदेव बागान, बजरंग नगर आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर रैली की सफल बनाने की अपील की.

डुमरिया में विधवा को डालसा ने पहुंचाया घर

जमशेदपुर । डूमरिया थानान्तर्गत खाड़िदा पंचायत के पथरासाई गांव के डांडकेघुटु टोला की रहने वाली विधवा महिला सावित्री भगत (65) को गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पीएलवी की मदद एवं पुलिस के सहयोग से उसके घर भिजवाया गया. महिला का आरोप है कि उसकी दतक पुत्री ने घर एवं जमीन का कागजात छीनकर घर से निकाल दिया है. महिला डुमरिया बाजार में मिली थी.

रैली की सफलता के लिए भाजयुमो ने निकाला जुलूस

आदित्यपुर। युवा विरोधी और वादों से मुकरने वाली हेमंत सरकार के विरुद्ध गुरुवार की देर शाम जिला भाजयुमो सरायकेला खरसावा के तत्वावधान में मशाल जुलूस निकाला गया. जिलाध्यक्ष अनुराग जायसवाल ने बताया कि झारखंड प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार युवा मोर्चा एवं भाजपा के अन्य सभी मोर्चा के द्वारा कल 23 अगस्त को राँची में होने वाली "युवा आक्रोश रैली" की सफलता के लिए आज मशाल जुलूस निकाली गई है.

अब लापता विमान को खोजेगी भारतीय नौसेना, एनडीआरएफ की टीम लौटेगी

लापता विमान के प्रशिक्षक व प्रशिक्षु पायलट का मिला शव

संवाददाता । चांडिल

चांडिल डैम में डूबे अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के ट्रेनी विमान के प्रशिक्षक व प्रशिक्षु पायलट का शव गुरुवार को चांडिल डैम से बरामद किया गया. सुबह प्रशिक्षु पायलट शुभ्रोदीप दत्ता का शव किस्टोपुर के सामने से बरामद किया गया था. वहीं प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद का शव चांडिल डैम के किनारे स्थित पियालडीह के निकट बरामद किया गया. प्रशिक्षु पायलट शुभ्रोदीप दत्ता आदित्यपुर के रहने वाले थे, जबकि प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद मीठापुर, पटना, बिहार के रहने वाले थे. आनंद आठ सालों से प्रशिक्षण देने का काम कर रहे थे. दोनों अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के विमान से प्रशिक्षण के लिए मंगलवार को जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरे थे. उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही विमान का संबंध कंट्रोल रूम से कट गया था. इसके बाद पटमदा, दलमा समेत कई स्थानों पर लापता विमान की खोज की जाने लगी थी. लापता होने के बाद से ही विमान की खोज में मंगलवार से ही एविएशन की टीम के साथ-साथ जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन के अलावा वन विभाग के कर्मी भी जुटे रहे. वहीं मंगलवार की रात यह जानकारी मिली कि विमान चांडिल डैम में गिरा है. कुछ प्रत्यदर्शियों ने इसकी जानकारी प्रशासन को दी. इसके बाद बुधवार सुबह से विमान की खोज की जाने लगी थी. चांडिल डैम में तैरते मिले दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेजा गया है.

विमान और लापता प्रशिक्षक पायलट की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाते भारतीय नौसेना के जवान.

चांडिल की एसडीओ को पकड़ कर रोती बिलखती प्रशिक्षु पायलट की मां व उपस्थित अन्य परिजन.

अब भारतीय नौसेना संभालेगी मोर्चा

जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद चांडिल डैम में गिरे विमान की खोज अब भारतीय नौसेना करेगी. इसके लिए शुक्रवार सुबह से ही अभियान चलाया जाएगा. इसकी जानकारी चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने दी. उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह एनडीआरएफ की टीम लौट जाएगी. डैम में विमान गिरने की सूचना मिलने के बाद बुधवार को एनडीआरएफ ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था, जबकि गुरुवार को भारतीय नौसेना की टीम चांडिल डैम पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू की. बुधवार की सुबह रांची से 16 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम चांडिल डैम पहुंची और डैम के अंदर लापता विमान और पायलटों की तलाश शुरू की. पहले दिन टीम को किसी प्रकार की सफलता नहीं मिली. वहीं गुरुवार की सुबह एक पायलट का शव बरामद हुआ. इसके बाद नेवी की 15 सदस्यीय टीम, 4 हाइड्रोसेलर्स मशीन व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ गुरुवार को दिन के 11 बजे चांडिल डैम पहुंची. एनडीआरएफ की टीम से आवश्यक जानकारी लेने के बाद नेवी और एनडीआरएफ की टीम ने विमान और लापता प्रशिक्षक पायलट की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. अब शुक्रवार को लापता विमान की खोज इंडियन नेवी की टीम करेगी. इंडियन नेवी के सहयोग के लिए सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने स्थानीय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को पत्र भेजकर आग्रह किया था.

समिति के सदस्यों का रहा सराहनीय योगदान

पायलटों के शवों को खोजने में चांडिल स्वर्णरेखा बांध विस्थापित मत्स्यजीवी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड और चांडिल डैम विस्थापित मत्स्यजीवी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा है. दोनों ही समिति के सदस्य इंडियन नेवी, एनडीआरएफ की टीम के साथ कदम से कदम मिलाकर काम किया. गुरुवार की सुबह सर्च अभियान के दौरान पहले लापता विमान के प्रशिक्षु पायलट शुभ्रोदीप दत्ता का शव बरामद हुआ. वहीं दोपहर में प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद का शव बरामद हुआ. विदित हो कि चांडिल के पियालडीह निवासी प्रत्यक्षदर्शी तपन मांझी और रुसु मांझी ने अलग-अलग स्थान पर स्नान करने के दौरान डैम के ऊपर विमान को उड़ते देखा था. दोनों ने बताया कि डैम के पानी में विमान नीचे उतरा. इसके बाद विमान दोबारा ऊपर उठा और इसके बाद सीधे डैम के पानी में गिर गया. चांडिल बांध विस्थापित मत्स्यजीवी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड चांडिल के सचिव श्यामल मार्डी ने बताया कि डैम के निकट डीमुडीह के रहने वाले लखन हेम्ब्रम समेत कुछ महिलाओं ने भी विमान को गिरते हुए देखने की बात कही है. वहीं आंडा गांव के लोगों ने भी विमान को गिरते देखने की बात कही थी. इसके बाद से ही चांडिल डैम में लापता विमान और पायलटों की तलाशी अभियान शुरू की गयी थी.

रोते बिलखते रहे परिजन

गुरुवार की सुबह एनडीआरएफ और स्थानीय तैराकों की टीम को लौटते देखकर प्रशिक्षु पायलट की मां शुभ्रा देवी चांडिल की एसडीओ शुभ्रा रानी से बेटे की जानकारी लेने लगीं. एसडीएम ने उन्हें समझाने का प्रयास किया. बेटे के वियोग में एसडीएम से लिपट कर चित्कार मारते हुए रोने लगी. इस दौरान समूचा डैम परिसर का माहौल गमगीन हो गया. जैसे ही लाश को बाहर निकाला गया मृत पायलट के परिजन एंबुलेंस के पास पहुंचे और लाश को देखने की जिद करने लगे. मृत पायलट की मां एंबुलेंस में चढ़ गई और लाश के साथ ही रहने की जिद करने लगी. काफी मुश्किल से उन्हें एंबुलेंस से नीचे उतारा गया. सर्च ऑपरेशन के दौरान प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद के पिता व अन्य परिजन भी चांडिल डैम में मौजूद थे. मृत पायलट जीत शत्रु आनंद के पिता राम बालक प्रसाद रेलवे के सेवानिवृत्त सिक्योरिटी असिस्टेंट कमिश्नर हैं. पायलट का शव डैम से बाहर निकाले जाने के दौरान वहां मौजूद सभी परिजनों की आंखें नम थीं. चांडिल डैम के अंदर सर्च ऑपरेशन में शामिल लोग पायलट के यूनिफॉर्म पर लगे नेम टैग में लिखे नाम के आधार पर शव की पहचान की.

डैम में हुआ राजनीतिक दलों के नेताओं का जमावड़ा

चांडिल | चांडिल डैम में गिरे विमान और पायलटों की खोज के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं का जमावड़ा लगा रहा. वहीं बड़ी संख्या में आम लोग भी डैम पहुंचे. शव निकालने के दौरान भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को काफी मेहनत करनी पड़ी. गुरुवार की सुबह इंडियन नेवी के पहुंचने के बाद भाजपा नेताओं का जमावड़ा लगा. यहां भाजपा के सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंहदेव के अलावा जिला महामंत्री मधुसुदन गोराई, देवाशीष राय, सारथी महतो, प्रभात कुमार पोद्दार, विशाल चौधरी, दिवाकर सिंह, मधु बनर्जी समेत कई नेता चांडिल डैम पहुंचे. ईचागढ़ की विधायक सविता महतो, झामुमो के केंद्रीय सदस्य पप्पू वर्मा समेत कई नेता डैम पहुंचे.

विवेक हत्याकांड का फरार आरोपी दीपू मिश्रा गिरफ्तार

प्रेसवार्ता करते एसपी व उपस्थित अन्य पदाधिकारी.

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्पनापुरी पहाड़ी के पास 19 जून की रात गैंगवार में मारे गए अपराधी विक्की नंदी के सहयोगी विवेक सिंह हत्याकांड के फरार दो आरोपियों को आदित्यपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस की गिरफ्त में आए हत्याकांड के आरोपियो में आदित्यपुर शर्मा बस्ती निवासी दीपू मिश्रा और ऑटो क्लस्टर के पीछे नानूभट्टा निवासी धर्मेंद्र कुमार उर्फ राजमणि कुशवाहा शामिल हैं. पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से दो देसी पिस्तौल, 0.765 एमएम की 5 गोली, 8 एमएम का जिंदा कारतूस भी बरामद किया है. गिरफ्तार दोनों अपराधियों ने पुलिस के समक्ष हत्या में शामिल होने का जुर्म को कबूला है. इसके बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

गमछे के सहारे युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

घाटशिला । गालूडीह थाना क्षेत्र के पाटहुलिया गांव के 32 वर्षीय युवक मृणाल मन्ना ने गुरुवार को अपने घर में गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के संबंध में परिवार वालों ने बताया कि दोपहर का भोजन कर मृणाल अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया. काफी देर जब कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिवार वालों ने दरवाजा खोलने के लिए आवाज लगाई पर किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं होने पर अनहोनी की आशंका हुई. इसकी सूचना पुलिस को दी गई. सूचना पर पहुंची गालूडीह पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो मृणाल गमछे के सहारे फांसी लगाये हुए था. मृणाल को नीचे उतारकर अनुमंडल अस्पताल भेजा गया. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है. परिवार वालों के अनुसार उसकी दो शादी हुई थी. दोनों पत्नी का निधन हो जाने के बाद से उसका मानसिक संतुलन कुछ बिगड़ गया था.

प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों पर करें कार्रवाई : समीर

झारखंड विस की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने परिसदन में की बैठक

- माइनिंग, क्रशर व उद्योग से किसानों को रहा नुकसान

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

परिसदन में बैठक करते समिति के सभापति व उपस्थित अधिकारी.

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति समीर कुमार मोहंती ने गुरुवार को जमशेदपुर परिसदन में जिले के अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में समिति के सदस्य विधायक संजीव सरदार भी मौजूद थे. समिति ने विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों एवं योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की. इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के वैसी कंपनियां, औद्योगिक ईकाइयां जो प्रदूषण फैला रही हैं उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई करें. खासकर माइनिंग एवं क्रशर कार्य से जुड़ी इकाइयों को चिन्हित करने के लिए कहा. समिति के सभापति ने कहा कि ऐसे उद्योग से कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है. उन्होंने कहा कि किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, सभी योग्य किसान के बीच ससमय सहायक उपकरण तथा बीज का वितरण हो यह सुनिश्चित करें. ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माइनिंग से प्रभावित है, वहां सड़कों की मरम्मत तथा सड़कों पर नियमित रुप से पानी का छिड़काव हो यह सुनिश्चित करें. इससे पहले समिति ने विभागों की ओर से प्राप्त अद्यतन कार्रवाई प्रतिवेदन तथा क्रियान्वित योजनाओं के प्रतिवेदन की जानकारी ली. सभापति ने अलग-अलग विभागों के माध्यम से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रतिवेदन का भी अवलोकन किया. बैठक में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, निदेशक एनईपी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नगर निकायों के पदाधिकारी समेत विभिन्न विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं अलग-अलग कार्यकारी एजेंसी के कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे.

घोषणा सीएम का वादा, अगली सरकार बनने पर सालाना एक-एक लाख देंगे

कितना भी जोर लगा लो, हम डरने वाले नहीं : हेमंत सोरेन

विशेष संवाददाता। मेदिनीनगर/रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले की महिला लाभुकों को मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की पहली किस्त की राशि दी. यहां कुल पांच लाख 91 हजार 919 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया गया.

सीएम ने गुरुवार को वीर नीलांबर पीतांबर की धरती पर थे. इस मौके पर सीएम ने कहा कि आज हमने एक-एक हजार रुपये देना शुरू किया है. ये चलता रहेगा. आने वाले पांच सालों के अंदर हम हर घर तक एक-एक लाख पहुंचाने का काम करेंगे. यह हम वादा करते हैं.

मुख्यमंत्री ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए. सोरेन ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में राज्य में चुनाव होने जा रहा है. लोकसभा चुनाव में भी इन लोगों ने इतना हिंदू-मुस्लिम किया कि देश कि जनता ने इनको जबरदस्त तमाचा मारा. इन्हें सरकार बनाने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ा. इनके पास कोई मुद्दा, कोई एजेंडा भी नहीं है. पहले ये लोग हमे भ्रष्टाचारी कहते थे, हमको जेल में डाल दिया, पर हम आज आपके सामने खड़े हैं. जब यहां के नेताओं से इनकी पार्टी नहीं संभल रही, तो ये छत्तीसगढ़, असम और मध्य प्रदेश से नेता लाते हैं. यहां पर झूठी बयानबाजी करते हैं. विधायक और सांसदों को तोड़ने-फोड़ने का काम करते हैं. खैर हम इनसे डरने वाले नहीं है. ऐसे कई लोग आएंगे और जाएंगे. कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, बैजनाथ राम, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह, विधायक रामचंद्र सहित कई गणमान्य व अन्य उपस्थित थे.

पलामू में महिला लाभुक को सांकेतिक चेक सौंपते सीएम हेमंत सोरेन.

केंद्र और भाजपा ने युवाओं को गर्त में ले गए

सीएम ने रांची में भाजपा की होने वाली युवा आक्रोश रैली पर तंज कसा. कहा कि युवाओं का भविष्य तो इन लोगों ने गर्त में डाल दिया. सबसे ज्यादा फौज में भर्ती होती थी, वहां नियुक्ति बंद है. कोल इंडिया में सबसे ज्यादा नियुक्ति होती थी, वो भी बंद हो गयी. बैंक में नियुक्तियों को भी बंद कर दिया गया. अब नियुक्तियों का सारा बोझ राज्य सरकार पर डाल दिया गया है.

हमने हार नहीं मानी, नियुक्ति पर नियुक्ति की

हेमंत ने कहा कि हमने हार नहीं मानी. हम हजारों नियुक्तियां दे रहे हैं. चाहे वह जेपीएससी के माध्यम से हो, पंचायत सचिव, शिक्षक या कृषि विभाग में नियुक्ति हो. हमने अनेक नियुक्तियां की. अभी सिपाही की भी बहाली होनी है, जिसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है. उत्पाद सिपाही की भी नियुक्ति होनी है.

हमारी नीतियों को कोर्ट में उलझा कर रखते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में न कोई नियम बना, न ही कोई नीति. अगर, हम कोई नीति बनाते हैं, तो उसे अंवैधानिक कहते हुए कोर्ट ले जाकर उलझा देते हैं. हमलोग स्थानीय नीति, नियोजन नीति बनाए, तो ये लोग कोर्ट चले गये. ये लोग धर्म के नाम पर समाज में जहर घोलने का काम करते हैं.

हमारी सरकार हेडक्वार्टर से चलने वाली नहीं है

हेमंत ने कहा कि महागठबंधन की सरकार हेडक्वार्टर से चलने वाली सरकार नहीं है. यह गांव-देहात से चलने वाली सरकार है. जहां कभी कोई पदाधिकारी नहीं गया, उस गांव में पदाधिकारियों को पहुंचाया. गांव-गांव सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चला कर योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचाया गया.

सरकार गिराने की साजिश

सीएम ने कहा कि कोरोना के समय में हमारी महिला दीदियों ने गांव-गांव पंचायत-पंचायत में गरीब-गुरबों को खाना खिलाया था. हमने साढ़े चार साल में जो लकीर खींची है, वो ये लोग 20 साल में तो क्या, 50 साल में भी नहीं कर पाएंगे. जब कोरोना का बादल छंटा, तो विपक्ष सरकार गिराने में लग गये.

1 रुपये का टोकन मनी देकर किसान करा सकेंगे फसल बीमा

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते उपायुक्त.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जिले के किसान एक रुपये टोकन मनी जमा करके बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं. इसके लिए 31 अगस्त तक इच्छुक किसान अपना पंजीकरण कृषि अथवा सहकारिता विभाग में करा सकते हैं. किसानों को अगहनी धान के फसल की क्षतिपूर्ति राशि के रुप में प्रति हेक्टेयर 87087 रुपये तथा भदई मकई के लिए 72023 रुपये प्रति हेक्टेयर मिलेंगे. इस संबंध में जागरूकता के बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को एक जागरूरकता रथ जिला समाहरणालय मुख्यालय से रवाना किया गया. उपायुक्त अन्नय मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी, जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो मौजूद रहे. उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता रथ दोनों अनुमंडल क्षेत्र के प्रखंड व पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर किसानों को योजना के लाभ व उद्देश्य के प्रति जागरूक करेगा. उन्होने बताया कि सरकार ने किसानों की आर्थिक सुदढ़ीकरण को लेकर खरीफ वर्ष 2024 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लांच की गई है. योजना का लाभ लेने के लिए 31 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं. जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि किसानों को फसल बीमा के लिए अलग से कोई प्रीमियम नहीं देना होगा.

ब्रीफ खबरें

रास्ता अवरुद्ध करने की थाना में की शिकायत

घाटशिला। सर्कस मैदान के समीप चंद्रशेखर प्रसाद ने घाटशिला थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि उनकी रैयती प्लॉट के आगे कुछ लोग झोपड़ी एवं गुमटी लगाकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है. रास्ता अवरुद्ध होने के कारण काफी परेशानी होती है. उक्त प्लॉट का अद्यतन लगान भी अदा करते आ रहे हैं. उक्त प्लॉट के आगे कई व्यक्तियों ने अवैध रूप से झोपड़ी, गुमटी एवं होटल बनाकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है. कुल 7-8 लोगों के नाम रास्ता अवरोध किए जाने की शिकायत थाना में की गई है. रास्ता खाली कराने का आग्रह किया गया है.

जिला मुख्यालय पर झामुमो का विरोध प्रदर्शन आज

जमशेदपुर। भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा झारखण्ड को उसके हक एवं अधिकार से वंचित किए जाने के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा पूर्वी सिंहभूम जिला समिति की ओर से शुक्रवार को झारखंडी अधिकार मार्च का आयोजन किया गया है. सुबह 11 बजे से सभी कार्यकर्ता साकची आम बगान से पैदल मार्च करते हुए डीसी ऑफिस पहुंचेंगे. जहां विधायक रामदास सोरेन के नेतृत्व में मांग पत्र डीसी को सौंपा जाएगा. प्रदर्शन में पार्टी के सभी पदाधिकारियों के अलावे पार्टी के सभी प्रखंड स्तरीय के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे.

आनंद मार्ग के शिविर में 50 यूनिट रक्त का संग्रह

जमशेदपुर। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के सहयोग से बृहस्पतिवार को 50 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया. इसके लिए जमशेदपुर ब्लड बैंक में शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को पौधे दिए गए. रक्तदाताओं को जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी, वीबीडीए के सुनील मुखर्जी, टाटा वर्कर्स यूनियन के ट्यूब डिवीजन टेक्नोलॉजी सर्विसेज के कमिटी मेंबर ज्ञान रंजन श्रीवास्तव, प्रतीक संघर्ष संस्था के अरिजीत सरकार ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया.

भाजमो पूर्वी विधानसभा का बूथ सम्मेलन 25 को

जमशेदपुर । भारतीय जनतंत्र मोर्चा का जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र का बूथ सम्मेलन 25 अगस्त को सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाऊन हॉल में आयोजित किया गया है. इसको लेकर स्वागत समिति की घोषणा की गई. जिसमें अजय सिन्हा, कुलविंदर सिंह पन्नू, मनोज सिंह उज्जैन, चंद्रशेखर राव, विकास गुप्ता, राजेश कुमार, धर्मेंद्र प्रसाद, शेषनाथ पाठक, हरेराम सिंह, बंदना नमाता, मंजू सिंह, अमित शर्मा, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, काकुली, काशीनाथ को शामिल किया गया है.

रांची में कांग्रेसियों ने केशव महतो का किया स्वागत

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के नगर कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर के नेतृत्व में जिले के कांग्रेसियों ने बृहस्पतिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश नव मनोनीत अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर स्वागत किया. इस दौरान कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की. स्वागत समारोह में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बबलू झा, एबी सिंह, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश साहू, जिला महासचिव अमित दुबे, जिला सचिव गुलाब, समीम गद्दी, आकाश, राहुल, विजय, करण, समेत अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को रांची स्थित ईडी कार्यालय पर प्रदर्शन किया. प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए. जिसमें जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों के अलावे प्रखंड अध्यक्ष, अग्रणी संगठन, विभाग एवं मोर्चा संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं शामिल थे. जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि ईडी को यह हर समय संज्ञान में रखना चाहिए कि वह एक स्वतंत्र संस्था है. उसे किसी केदबाव में जबरन कार्य नहीं करना चाहिए.

9 सूत्री मांगों को लेकर एक माह से की जा रही थी अनिश्चितकालीन हड़ताल

समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त, काम पर लौटे

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के बैनर तले हड़ताल में शामिल समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर दी. हड़ताल समाप्त होने के साथ ही सभी कर्मचारी बृहस्पतिवार से काम पर लौट आए. संघ की पूर्वी सिंहभूम जिला इकाई के अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एवं सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के साथ झारखण्ड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के पदाधिकारियों के साथ 21 अगस्त को वार्ता हुई. जिसमें समाहरणालय संवर्ग के निम्नवर्गीय लिपिक का पदनाम सहायक, उच्चवर्गीय लिपिक का पदनाम वरीय सहायक, प्रधान लिपिक का पदनाम सहायक प्रशासी अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक का पदनाम प्रशासी अधिकारी ग्रेड-2 एवं प्रशासी अधिकारी का पदनाम प्रशासी अधिकारी ग्रेड-1 करने पर सहमति बनी. इस संबंध में सभी जिलों से प्रस्ताव विभाग को प्राप्त होने के बाद पद सृजन करने की कार्रवाई किये जाने पर सहमति बनी.

वार्ता के दौरान अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, की अध्यक्षता में एक कमिटी गठित की जाएगी, जिसमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग तथा वित्त विभाग के संयुक्त सचिव शामिल होंगे. उक्त समिति समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों की मांगों पर विचार करते हुए अपनी अनुशंसा सरकार को तीन माह के अन्दर उपलब्ध कराएगी. जिसपर सरकार निर्णय लेगी. वहीं संघ द्वारा वेतनमान में संशोधन यथा निम्नवर्गीय लिपिक के ग्रेड पे 2400 करने एवं उसके अनुरूप उच्चतर पदों पर ग्रेड पे में बढ़ोतरी तथा प्रशासी अधिकारी के पद पर योगदान की तिथि से ही ग्रेड पे 5400 करने आदि पर भी सहमति बनी. जिसके बाद कर्मचारियों ने तत्काल प्रभाव से हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि हड़ताल अवधि में कर्मचारियों की गैर हाजिरी का समायोजन उपार्जित एवं आकस्मिक अवकाश से किया जाएगा. ज्ञात हो कि अनुसचिवीय कर्मचारियों ने उपरोक्त मांगों को लेकर 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरु किया था.

विभिन्न पदों के लिए कुल 66 प्रत्याशी हैं मैदान में

बार एसोसिएशन चुनाव कल, प्रचार-प्रसार तेज

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर जिला बार एसोसिएशन के ऑफिस बियरर व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चुनाव 24 अगस्त को होगा. प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार के लिए पद व क्रम संख्या आवंटित होने के बाद प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुट गए है. चुनाव में केवल दो दिन बचे हैं. ऐसे में सभी प्रत्याशियों ने जन संपर्क अभियान तेज कर दिया है. इस बार 16 पदों के लिए कुल 66 प्रत्याशी मैदान में हैं जिसमें 32 कार्यकारिणी समिति के प्रत्याशी शामिल हैं.

चुनाव के पर्यवेक्षण के लिए स्टेट बार काउंसिल की ओर से अमर सिंह व रामसुभग सिंह को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है. वहीं अधिवक्ता बीरेंद्र सिंह व एससी बर्नवाल चुनाव कमिटी के पदाधिकारी होंगे. कमिटी को सहयोग करने के लिए अधिवक्ता सुनील सिंह, रंजनधारी सिंह,जेकेएम राजू, मनोज सिंह व आर रमेश को शामिल किया गया है. वहीं पुरी प्रक्रिया में सहयोग के लिए 40 अधिवक्ताओं को नामित किया गया है. चुनाव प्रवक्ता रंजनधारी सिंह ने बताया कि पुराने बार बिल्डिंग के प्रथम तल पर मतदान कराया जाएगा. इसके लिए शुक्रवार से पूरी बार बिल्डिंग को चुनाव कमिटी ने हैंड ओवर ले लिया है. सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा एवं उसी दिन शाम 6 बजे से मतगणना की जाएगी. उन्होंने कहा कि इसके ध्वनि विस्तारक यंत्र, कुर्सी, टेंट, पेयजल वगैरह की व्यवस्था चुनाव कमिटी की ओर से की गई है. कुल 1520 वोटर (अधिवक्ता) मतदान का प्रयोग करेंगे. चुनाव के दिन विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन से पुलिस बल व दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त करने की मांग की गई.

चुनाव प्रवक्ता रंजन धारी सिंह ने बताया कि चुनाव मैदान में अध्यक्ष पद के लिए मलकीत सिंह, ओंकार नाथ अरुण, रथीन्द्र नाथ दास, रोहित कुमार और विमल कुमार पांडेय ने पर्चा भरा है. जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए अनुराधा चौधुरी, बलाई पंडा, वसंत कुमार मिश्रा, रवि शंकर त्रिपाठी एवं सुधीर कुमार ने नामांकन किया है. महासचिव के एक पद लिए तीन प्रत्याशी क्रमशः अजय सिंह राठौर, हरेन्द्र कुमार और कुमार राजेश रंजन खड़े हैं. इसी तरह कोषाध्यक्ष एक पद के लिए दिवेंदू मंडल, जय प्रकाश भकत, जितेन्द कुमार दुबे, और राजीव सैनी हैं. सहायक कोषाध्यक्ष पद के लिए जगदीप सिंह सैनी, प्रवीण कुमार, पुष्पा कुमारी, शंकटा सिंह, श्याम मोहन गुप्ता और शामसाद खान हैं. सह सचिव पद के लिए दिलीप कुमार महतो, जन्मेजय कुमार सिंह, मोहम्मद जाहिर इकबल, निरंजन झा,पवन कुमार, पवन कुमार तिवारी, राजहंस प्रसाद तिवारी शामिल हैं.

अनिल तिवारी को हाई कोर्ट से झटका

बार एसोसिएशन के चुनाव में महासचिव पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले अनिल कुमार तिवारी का नामांकन चुनाव कमिटी ने त्रुटि के कारण रद्द कर दिया. जिसके खिलाफ अनिल कुमार तिवारी ने हाई कोर्ट में रिट दाखिल की थी. उन्होंने नामांकन पत्र खारिज की चुनौती देते हुए निर्णय होने तक पूरी प्रक्रिया पर रोक की मांग की. जिसे हाई कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा

अधिकारियों के साथ बैठक करते उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला.

संवाददाता । आदित्यपुर

सरायकेला-खरसावां जिले में 28 अगस्त को प्रस्तावित झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना संबंधी प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डीसी रवि शंकर शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई. झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाः अंतर्गत प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा योजना अंतर्गत चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण किया जायेगा. कार्यक्रम में सरायकेला के साथ-साथ पूर्वी सिंहभूम एवं पश्चिमी सिंहभूम जिले के लाभार्थी भी शामिल होंगे. बैठक में उपायुक्त ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को अपने-अपने स्तर से लाभुकों की सूची तैयार करने तथा जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लाभुकों के आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों के आवागमन के लिए करीब 300 बसों का इंतजाम करें, जिससे लाभुकों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े. डीसी ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को निर्देश दिया कि ₹झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाः से संबंधित प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए समुचित तैयारी कर लें. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस योजना का लाभ जिले के हर योग्य महिला, बहनों को मिले, इसका ख्याल रखें. उन्होंने अब तक के प्राप्त आवेदन की जानकारी ली और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया. बैठक में उप विकास आयुक्त प्रभात कु. बर्दियार, डीआरडीए निदेशक अजय कु. तिर्की, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत विभिन्न विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं सभी कार्यकारी एजेंसी के कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे.

विस चुनाव में बन्ना के खिलाफ बाबर खान को उतारने का निर्णय

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड में आगामी कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा से निवर्तमान विधायक के कार्यकलाप से नाराज लोगों ने विकल्प तलाशना शुरू कर दिया है. इसको लेकर बृहस्पतिवार को कदमा के शास्त्रीनगर में रायसुमारी सह विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसमें मुस्लिम समाज के सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं आम लोग शामिल हुए. इस दौरान राजनीतिक रूप से सक्रिय रहने वाले बाबर खान, फिरोज खान, फकरुद्दीन अंसारी, आफताब अहमद सिद्दीकी, रियाज़ खान, आफताब खान जैस नामों पर चर्चा हुई. जिसमें सभी ने बाबर खान को चुनाव लड़ाने का फैसला लिया. बाबर खान ने कहा कि मुस्लिम समाज को भाजपा का डर दिखाकर केवल इस्तेमाल किया जा रहा है. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. समाज के लोगों ने परिवर्तन का मन बना लिया है.

महिलाओं से ज्यादती के खिलाफ सिख समाज ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या एवं महाराष्ट्र के एक स्कूल में बच्चियों के यौन शोषण के खिलाफ बृहस्पतिवार को जमशेदपुर का सिख समाज आंदोलित हो उठा. घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर समाज ने विरोध प्रदर्शन किया. इस संबंध में प्रधानमंत्री के नाम एक मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा. सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि देश में इन दिनों बेटियां सुरक्षित नहीं हैं. आए दिन कहीं न कहीं उनके साथ दरिंदगी की घटनाएं सामने आ रही है. बीते दिनों कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी की गई. जिसको लेकर पूरे देश में आंदोलन हो रहा है. यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि महाराष्ट्र के एक स्कूल में छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घटना सामने आयी. उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं सभ्य समाज के लिए अभिशाप के समान है. उन्होंने दोनों घटनाओं में शामिल आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की. सीजीपीसी के चैयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि महिलाओं पर ज्यादती की घटनाएं बढ़ रही है. ऐसे में कड़े कानून बनने चाहिए. प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने भी दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की. इससे पहले सीजीपीसी मुख्यालय से प्रदर्शन की शुरूआत हुई. हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करती महिलाएं एवं समाज के लोग डीसी कार्यालय पहुंचे.

परेशानी कोर्ट ने आठ माह से लंबित वेतन भुगतान करने का दिया था आदेश

हाईकोर्ट का आदेश भी नहीं मानते हैं पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता

- पैसे के अभाव में इलाज नहीं होने से कर्मचारी की पत्नी की चली गई जान

संवाददाता । आदित्यपुर

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी.

पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता हाईकोर्ट का आदेश तक नहीं मानते हैं. यह कहना है अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के नेताओं का. गुरुवार को महासंघ के नेताओं ने प्रेसवार्ता कर बताया कि पीएचईडी के आदित्यपुर डिवीजन के कार्यपालक सुमित कुमार को हाईकोर्ट ने 7 कर्मचारियों के 8 माह से लंबित वेतन का भुगतान 3 सप्ताह में करने का आदेश दिया था, लेकिन 6 सप्ताह बीतने के बाद भी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है. वर्तमान स्थिति यह है कि 20 अगस्त को मनोज कुमार नामक एक कर्मचारी की पत्नी की मौत पैसे के अभाव में इलाज नहीं होने से हो गई है. इस बात को लेकर कर्मचारी महासंघ के लोगों में आक्रोश बढ़ गया है. महासंघ के सम्मानित अध्यक्ष विमल सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि विभाग के कार्यपालक अभियंता के इस कारनामे से संघ के कर्मचारियों में उबाल बढ़ रहा है. हमलोग अब इसके विरुद्ध कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करते हुए चरणबद्ध आंदोलन करने की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि मामला पीएचईडी के 7 हस्त रसीद कर्मचारी (सिविल) का है. जिन्हें 8 माह (जनवरी 2023) से वेतन नहीं मिल रहा है. इसके एवज में सभी कर्मचारी हाईकोर्ट की शरण में गए थे.

हाईकोर्ट ने 27 जून को आदेश दिया है कि तीन सप्ताह में कर्मचारियों को वेतन रिलीज कर एफिडेविट के साथ सूचित करें, लेकिन समयावधि बीत जाने के बाद भी कार्यपालक अभियंता वेतन रिलीज नहीं कर रहे हैं. इन प्रभावित कर्मचारियों में धनुराम महतो, मनुराम हांसदा, आनंद बास्के, कुशल टुडू, मनोज कुमार, प्रेम कुमार सिंह, और सुजीत कुमार महतो शामिल हैं. इन कर्मचारियों में से एक मनोज कुमार की पत्नी का 20 अगस्त को इलाज के अभाव में देहांत हो गया है. कर्मचारी नेता ने बताया कि वहीं इसी विभाग में मैकेनिकल विभाग में कार्यरत हस्त रसीद कर्मचारियों को रेग्युलर वेतन दिया जा रहा है, जबकि सिविल के कर्मचारियों के साथ भेदभाव बरता जा रहा है. प्रेसवार्ता में अध्यक्ष विमल सिंह के साथ सोनाराम टूडू, प्रेम कुमार सिंह, सुजीत कुमार महतो, धनुराम महतो, शिव शंकर और अशोक सिंह शामिल थे.

न्यूज अपडेट

झारखंड आंदोलनकारी धनाई की मनाई पुण्यतिथि

घाटशिला । झारखंड आंदोलनकारी सह झारखंड कॉपर मजदूर यूनियन के संस्थापक सहायक सचिव धनई सोरेन की गुरुवार को पुण्यतिथि फुलपल गांव गांव में मनाई गई. इस मौके पर विधायक रामदास सोरेन ने झारखंड आंदोलनकारी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. पवित्र आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि धनाई बाबू आईसीसी कंपनी मऊभंडार के पूर्व कर्मी एवं समाजसेवी के रूप पर जाने जाते थे. क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा पर काफी ध्यान दिया. समाज के लोगों को शिक्षित बनाना अपनी जिम्मेदारी बना ली थी. इस अवसर पर आंदोलनकारी के पुत्र मुखिया हीरालाल सोरेन, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, काली पद गोराई, प्रधान सोरेन, अर्जुन चंद्र हांसदा, काजल डांन आदि उपस्थित थे.

बदहाल सड़क पर चलने को मजबूर हैं ग्रामीण

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ताढुआ से ब्रामनकुंडी जाने वाली लगभग 5 किमी मुख्य सड़क बदहाल है. इसके चलते ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. ताढुआ से ब्रामनकुंडी मुख्य सड़क कई सालों से बदहाली का दंश झेल रहा है. उक्त सड़क से होकर गामारिया, कुलिया, पांचबढ़िया के सैकड़ों ग्रामीण आना-जाना करते हैं. सड़क इतनी खस्ताहाल हो गई है कि इस पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. इस सड़क पर कोई गांव के स्कूली बच्चे आना-जाना करते हैं. आए दिन राहगीर, बाइक सवार तथा साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो जाते हैं. सड़क पर नुकीले पत्थर और गड्ढे उभरे हुए हैं. साथ ही सड़क पर साइकिल और मोटरसाइकिल चलना खतरे से खाली नहीं है.

बीएड कॉलेज में मानवाधिकार पर कार्यशाला

घाटशिला । यामिनी कांत बीएड कॉलेज में गुरुवार को मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता सुचित्रा सिन्हा, सेवानिवृत्त प्रशासनिक पदाधिकारी, वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, झारखंड की विशेष रिपोर्टियर उपस्थित थे. सुचित्रा सिन्हा ने मानवाधिकार के अर्थ को स्पष्ट किया. साथ ही मानव होने से कौन-कौन से अधिकार प्राप्त होते हैं, इस पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर डॉ प्रभात कुमार, को-ऑपरेटिव कॉलेज के सांख्यिकी विभाग के प्रमुख तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार उपस्थित थे. इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्या डॉ पूनम कुमारी ने स्वागत सम्बोधन किया. डॉ पूनम कुमारी कर्ण ने मंच संचालन की.

प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण

डुमरिया । एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गुरुवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में पौधे लगाये गये. प्रखंड विकास पदाधिकारी निलेश कुमार मुर्मू, अंचलाधिकारी चंचला कुमारी, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के, मुखिया सुरेश हेम्ब्रम समेत अन्य कर्मी पौधरोपण में शामिल हुये. प्रखंड विकास पदाधिकारी निलेश कुमार मुर्मू ने इस अवसर पर कहा कि जीवन में सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए. पेड़-पौधों के कारण ही हमें ऑक्सीजन प्राप्त होता है. उन्होंने डुमरिया प्रखंड के लोगों को इस अभियान में शामिल होकर पौधरोपण के लिए प्रेरित किया.

कॉलेज में विधायक निधि से बनेगा कैंटीन भवन

घाटशिला । घाटशिला कॉलेज में विधायक रामदास सोरेन के विधायक निधि से शीघ्र कैंटीन भवन बनाया जाएगा. कैंटीन भवन कैसा हो, इसका प्रारूप तैयार करने के लिए विधायक ने कॉलेज के प्राचार्य डॉ आरके चौधरी से कहा था. प्राचार्य ने अपने कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ विचार-विमर्श कर कॉलेज के लिए उपयोगी कैंटीन भवन का प्रारूप तैयार करवाया तथा उसे अपने शिक्षक साथियों के साथ मिलकर गुरुवार को विधायक रामदास सोरेन को सौंप दिया. प्राचार्य ने बताया कि इसे बनवाने में लगभग 15 लाख रुपए लग सकते हैं. विधायक को कैंटीन भवन का प्रारूप सौंपते समय प्राचार्य के साथ वरिष्ठ शिक्षक डॉ. पीके गुप्ता, डॉ एसके सिंह एवं डॉ सुरेंद्र प्रसाद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे.

भाजपा नेत्री के प्रयास से लगा नया ट्रांसफार्मर

घाटशिला । गालूडीह क्षेत्र के सुसनीगाड़िया गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले 3 दिन विद्युत आपूर्ति बाधित रही. इस कारण ग्रामीण अंधरे में रहने को मजबूर थे. भाजपा नेत्री गीता मुर्मू को सूचना मिलते ही गांव पहुंचकर तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगवाया. नया ट्रांसफार्मर लग जाने से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला. ग्रामीणों ने गीता मुर्मू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा नेत्री के प्रयास से तीन दिन बाद गांव में नया ट्रांसफार्मर लग गया. नहीं तो हम लोगों को अंधेरे में ही रात गुजारनी पड़ती. हमारे गांव में बिजली की रोशनी आ गई है. मौके पर रंजीत सोरेन, रतन महतो, खोगें सोरेन, पोल्टू महतो, बिनोद महतो, भुटा टुडू, देवन टुडू आदि उपस्थित थे.

यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीकाकरण शुरू

जमशेदपुर । राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को जिला स्तरीय व्यस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई. टीकाकरण अभियान को लेकर यक्ष्मा पदाधिकारी ने बताया कि वयस्क टीबी वैक्सीनेशन के आयु के हिसाब से श्रेणी तय की गई है. इसके तहत पांच वर्ष पूर्व में टीबी० रोग का उपचार करा चुके व्यक्ति, तीन वर्ष पहले तक के टीबी रोगी के सम्पर्क में रहने वाले व्यक्ति, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, 18 से कम आयु के व्यक्ति, मधुमेह से ग्रसित व्यक्ति एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी व्यक्ति शामिल हैं. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उप केन्द्र व अन्य सभी स्वास्थ्य केन्द्र में बीसीजी टीका निःशुल्क लगाया जाएगा. उन्होंने कहा कि अभियान में प्रत्येक नागरिक की परस्पर सहभागिता जरूरी है. उन्होंने सभी व्यस्क नागरिकों से अपील की कि टीकाकरण अवश्य करायें. उपायुक्त ने बताया कि टीबी से बचाव के लिए बीसीजी वैक्सिन सुरक्षित है जिसे विश्व के अनेक देशों में लोगों को दिया जाता है और परिणाम भी बहुत ही सकारात्मक रहे हैं.

मनोहरपुर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

किरीबुरु । आदिवासी समन्वय समिति झारखंड की बैठक नन्दपुर बारला निवास में सलाहकार बेन्जामिन पूर्ति की अध्यक्षता में हुई. बैठक में आस संयोजक सुशील बारला ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बने 24 वर्ष हो गये हैं. इसके बाद भी मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के लोग संविधान प्रदत मौलिक अधिकारों से वंचित हैं. क्षेत्र में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने को लेकर लगाए जा रहे सोलरयुक्त जलमीनार बनने के साथ खराब हो रहे हैं. उससे पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं निकलता है. गुदड़ी प्रखंड में पदाधिकारियों और कर्मचारियों का अभाव है. ग्रामीणों का काम समय पर नहीं होता है. गोइलकेरा प्रखंड के हिन्डुंग में अभी तक आंगनबाड़ी और विद्यालय नहीं है. आनन्दपुर प्रखंड के सोदा में भी आंगनबाड़ी नहीं है. गुदड़ी प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविका, सहिया को गोइलकेरा बैठक के लिए जाना पड़ता है. वनाधिकार पट्टा के लिए ग्रामीण कार्यालयों का चक्कर लगाकर परेशान हैं.

पूरे क्षेत्र में कुहासा के कारण वाहन चालकों को हो रही परेशानी, हेडलाइट जलाकर चलना पड़ रहा है सड़कों पर

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में भारी बारिश, तापमान में आई गिरावट, मरीज की संख्या बढ़ी

- अस्पताल में इलाज के लिए काफी संख्या में पहुंच रहे लोग

संवाददाता । किरीबुरु

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु और सारंडा क्षेत्र में 21 अगस्त की देर शाम से लगातार हो रही भारी व मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है. इससे पूरा जन-जीवन प्रभावित हुआ है. इस दौरान दोनों शहरों में शाम से देर रात तक लगभग 5 घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही. गुरुवार की अहले सुबह तक बीएसएनएल को छोड़ सभी संचार सुविधाएं ठप रहीं.

इससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में गुरुवार को भी लगातार बारिश जारी है. बारिश और जलजमाव की वजह से मच्छरों का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है. इससे मौसमी बीमारी व वायरल बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है. अस्पतालों में इलाज के लिए मरीजों की संख्या बढ़ रही है. सेल के अस्पतालों के साथ-साथ निजी क्लिनिक में भी इलाज के लिए मरीजों की संख्या बढ़ गई है. बाजार में दुकानें तो खुली हैं, लेकिन ग्राहक नहीं दिख रहे हैं. जिन्हें अति आवश्यक काम है वही घर से निकल रहे हैं. बारिश से शहर का तापमान गिर गया है. हल्की ठंड का अहसास हो रहा है. लोग हल्के गर्म कपड़े पहन रहे हैं. पूरे क्षेत्र में कुहासा बढ़ गया है. कुहासा के कारण सड़क वाहन चालकों को परेशानी हो रही है. चालक वाहन की लाइट जलाकर चल रहे हैं. धूप नहीं निकलने से लोगों को कपड़े सुखाने में भी परेशानी हो रही है.

मेघाहातुबुरु में भारी बारिश के कारण खाली पड़ी सड़क.

बारिश से पूरे क्षेत्र में भरा कुहासा और सड़क पर हेडलाइट जलाकर चलते वाहन चालक.

ब्रीफ खबरें

कुलीतोड़ांग उत्क्रमित मध्य विद्यालय मैदान में शिक्षा सम्मेलन

चक्रधरपुर । शिक्षा हमारे भविष्य की नींव है. इसका हमें मजबूती से निर्माण करना चाहिए. यह बातें पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई ने कहीं. वे गुरुवार को चक्रधरपुर प्रखंड की सुदूरवर्ती क्षेत्र कुलीतोड़ांग पंचायत के कुलीतोड़ांग गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय स्थित मैदान में एस्सपायर संस्था के सहयोग आयोजित शिक्षा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. पंचायत के मुखिया माझी जोंको ने भी शिक्षा के महत्व के बारे में बताया. एस्पायर संस्था के जिला समन्वयक नरेश कुमार, प्रखंड समन्वयक रविन्द्र राठौर ने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के कार्य संबंधी जानकारियां दीं.

श्री कृष्ण जन्माष्टमी मेला को लेकर एसडीओ ने की बैठक

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर के रेलवे क्षेत्र स्थित पोटरखोली में 27 अगस्त से आयोजित होने वाले सात दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी मेला की विधि व्यवस्था को लेकर गुरुवार को पोड़ाहाट अनुमंडल कार्यालय में बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी रीना हंसदा ने की. बैठक में मेला में विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने पर चर्चा की गई. एसडीओ ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखने के लिए पंडालों के अलावे महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है. वहीं आग से निपटने के लिए सभी पंडालों और दुकानों में अग्निशमन यंत्र या स्थानीय सुविधा बालू, ड्रम में पानी, भीगा कंबल रखना है.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने पश्चिम सिंहभूम जिले की सभी बंद खदानों को खोलने की मांग की

गांवों से खदान खोलो पदयात्रा शुरू

- ग्रामीणों का मिला अप्रत्याशित समर्थन, गांव में की बैठक
- 22 से 27 अगस्त तक जारी रहेगी पदयात्रा

संवाददाता । किरीबुरु

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने सारंडा व कोल्हान वन प्रमंडल की सभी बंद खदानों को खोलने, सरकार से वनाधिकार पट्टा दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन सह पदयात्रा का शुभारम्भ सारंडा के छोटानागरा गांव से 22 अगस्त को शुरू किया है. पहले दिन ही उन्हें पदयात्रा में ग्रामीणों का अप्रत्याशित समर्थन मिला है. काफी संख्या में सभी गांवों के ग्रामीण पदयात्रा में शामिल हुए हैं.

मधु कोड़ा ने कहा कि यह आंदोलन भाजपा के बैनर तले तथा पूर्व सांसद गीता कोड़ा के नेतृत्व में प्रारम्भ किया गया है. सारंडा व कोल्हान वन क्षेत्र की जमीन के अंदर लौह अयस्क रूपी खनिज सम्पदा एवं ऊपर वन सम्पदा होने के बावजूद यहां के आदिवासी व स्थानीय विभिन्न वर्गों के लाखों बेरोजगार भूखे मरने अथवा बेरोजगारी का दंश झेलते हुये पलायन को मजबूर हैं. इस इलाके की रुगंटा, ओएमएम, मिश्री लाल जैन, आर मेकडिल, एनके-पीके, आरजेएम, झंडीबुरु, राजाबेड़ा, देवका बाई लाल, के एस अहलुवालिया, जीलिंगबुरु, सुकरी, मेरेलगाड़ा, बिहार माइंस, बोकना माइंस, एसएमको, समीर सेन - सलील सेन, ओझा माईस आदि खदानें वर्षों से बंद है और खदान में काम करने वाले लाखों लोग बेरोजगार हैं. ग्रामीणों को अपने परिवार का पालन-पोषण करना काफी मुश्किल हो गया है. ग्रामीणों की हालात निरंतर खराब होते जा रही है.

क्षेत्र से लोग रोजगार के लिए कर रहे हैं पलायन : आए दिन मनोहरपुर, गोइलकेरा, चक्रधरपुर, चाईबासा आदि रेलवे स्टेशनों में क्षेत्र से पलायन करने वाले बेरोजगारों की भीड़ दिखाई देती है. लगभग पांच साल से झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की हेमन्त सरकार राज्य में बनी है तब से हेमन्त सरकार लाखों पदो पर नियुक्ति निकाल कर नौकरी देने की बात कही है, पर एक प्रतिशत लोगों को भी नौकरी नहीं मिली है. न ही बेरोजगारी भत्ता दिया गया है.

वनपट्टा के आवेदन पर अब तक नहीं हुआ विचार : वर्ष 2023 में हेमन्त सोरेन की सरकार द्वारा वनक्षेत्रों के निवासियों को ग्रामसभा कर वनपट्टा दावे का आवेदन जिला के प्रखंड, अंचल कार्यालय में मांगा गया था. और वनक्षेत्रों में रह रहे गरीब लोग बहुत उम्मीद के साथ व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनपट्टा लेने के लिए हजारों की संख्या में आवेदन या दावा ग्रामसभा, ब्लॉक, अंचल, अनुमंडल के माध्यम से इंडिया गठबंधन की हेमन्त सरकार के पास किया है.

तीन से होगा धरना-प्रदर्शन : भाजपा ने कोल्हान, सारंडा और पोड़ाहाट वनक्षेत्रों में सदियों से निवास कर रहे आदिवासी भाई-बहनों को वनपट्टा दिलाने के लिए तथा सरकार को नींद से जगाने और झूठा वादा याद दिलाने के लिए उनके विरुद्ध घन्टा बजाओ सरकार जगाओ आंदोलन 22 अगस्त से शुरू किया है. इसके तहत 3 सितम्बर को नोवामुण्डी, 4 सितम्बर को मनोहरपुर, 5 सितम्बर को जगन्नाथपुर, 6 सितम्बर को गोईलकेरा एवं 7 सितम्बर को टोन्टो प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा. इस दौरान सारंडा पीढ़ के मानकी लागुडा. देवगम, समाजसेवी सुशेन गोप, छोटानागरा मुंडा बिनोद बारिक, जामकुंडिया मुंडा कुशु देवगम, जोजोगुटु मुंडा कानुराम देवगम, सोनापी ने भी संबोधित किया.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा द्वारा खदान खोलने की मांग को लेकर गांव से निकाली गई पदयात्रा में शामिल कई गांवों के लोग.

वनोत्पाद खाकर या बेचकर करते हैं जीवन-यापन

मधु कोड़ा ने कहा कि सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सारंडा, कोल्हान एवं पोड़ाहाट वन क्षेत्र में आदिवासी एवं अन्य भाई-बहन सदियों से निवास करते आ रहे हैं. इनकी संख्या तकरीबन लाखों में है. इन वन क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों का जीवन-यापन बहुत ही संघर्षमय है. इन क्षेत्रों के निवासी वनोत्पाद खाकर या बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं. इन पैसों से यहां के गरीब आदिवासी रोजमर्रा की जरूरत की चीजें जैसे अनाज, कपड़ा, दवाई, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई आदि काम में खर्च करते हैं. मूलरूप से इनलोगों का जीविकोपार्जन का मुख्य आधार वन है. इनकी वन भूमि ही पहचान का मूल आधार है. गरीब आदिवासी जंगल और जमीन पर अपने अधिकार के लिए सदियों से लडाई लड़ते आ रहे हैं. केन्द्र सरकार द्वारा वनक्षेत्रों में रह रहे आदिवासी एवं अन्य गरीब लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत वनपट्टा देने के लिए कानून बनाया.

पुलिस ने स्कॉर्ट करने से किया इनकार तो मधु कोड़ा हुए नाराज

छोटानागरा पुलिस के स्कॉर्ट करने से इनकार करने पर नाराजगी जताते मुध कोड़ा.

संवाददाता । किरीबुरु

नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल क्षेत्र के छोटानागरा में आयोजित कार्यक्रम के बाद जब पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने सलाई, रोवाम होते गुवा जाने के लिए निकले तो छोटानागरा थाना पुलिस ने स्कॉट करने इनकार कर दिया. इस क्रम में सबसे पहले मधु कोड़ा ग्रामीण मानकी-मुंडाओं के साथ छोटानागरा स्थित ऐतिहासिक नागेश्वर-विषेश्वर शिव मंदिर में दर्शन हेतु पहुंचे. दर्शन के बाद जब मंदिर के बाहर निकले तो छोटानागरा पुलिस द्वारा स्कॉट नहीं करने की जानकारी उनकी सुरक्षा टीम के अधिकारियों ने दी. इसके बाद मधु कोड़ा नाराज हो गये. उन्होंने कहा कि हमें छोटानागरा पुलिस की स्कॉट की जरूरत नहीं है. हम अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ अकेले उक्त मुख्य मार्ग से गुवा जायेंगे. उन्होंने कहा कि इससे पहले भी चार बार सुरक्षा का हवाला देते हुये उन्हें सारंडा के ग्रामीणों के बीच जाने से मिलने से रोका गया. जबकि दूसरे लोगों को पूरी सुरक्षा देकर पूरे क्षेत्र में घूमने की इजाजत दी जाती है. इसके बाद छोटानागरा पुलिस ने अपने उच्च अधिकारियों से फोन पर बातचीत की. इसके बाद उन्हें स्कॉट किया.

न्यूज अपडेट

आदिवासी को नौकरी देकर पलायन रोकने की मांग

चाईबासा । चिरिया खदान सेल में स्थानीय आदिवासी को 75% रोजगार की गारंटी देकर पलायन रोकने और काम करने वाले ठेका मजदूरों को पीएफ रसीद, वेज स्लीप, बोनस दिलाने को लेकर प्रदर्शन कर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया. गुरुवार को प्रबंधन के साथ वार्ता में जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि सेल खदान सबसे ज्यादा ऊंचे ग्रेड का लौह अयस्क देता है. यह एशिया का दूसरा सबसे बड़ा खदान है. शुरू में मनोहरपुर क्षेत्र में हैंड माइनिंग से और लोडिंग का काम मजदूर से होने से पलायन नहीं होता था. अब खदान का काम मशीन से होने और बाहरी को रोजगार देने से यहां के आदिवासी पलायन कर रहे हैं.

बीडीओ ने पौधा लगा कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

गोइलकेरा । एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गुरुवार को गोईलकेरा प्रखंड कार्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया गया. इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) विवेक कुमार ने पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया. मौके पर उन्होंने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण को बचाने के लिए हमें पेड़-पौधों को बचाने की आवश्यकता है. इसे लेकर सभी को जागरूक होना होगा. लोग अपने घर के आंगन व बरामदे में अवश्य पौधे लगायें. साथ ही उसकी सुरक्षा भी करें. मौके पर प्रखंड कार्यालय प्रांगण में फलदार व छायादार पौधे लगाये गये.

खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएंगे : डॉ. विजय

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर प्रखंड की सुरबुड़ा पंचायत के रांसीपता गांव में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.प्रतियोगिता के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई, विशिष्ट अतिथि भारतीय आदिवासी पार्टी के जिला प्रभारी चन्द्रशेखर मुंडा, सम्मानित अतिथि सहदेव मुंडा उपस्थित थे.प्रतियोगिता का फाइनल मैच बीएस बान्धासाई व एसी 77 फुटबॉल टीम के बीच खेल गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. विजय सिंह गागराई ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया.मौके पर उन्होंने संबोधित करते हुये खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए. खेल में हार जीत लगी रहती है. हारने वाले खिलाड़ी निराश न हो, बल्कि अगली खेल में बेहतर करने का प्रयास करें, अवश्य ही सफलता मिलेगी.इस अवसर पर भारतीय आदिवासी पार्टी के जिला प्रभारी चन्द्रशेखर मुंडा,सम्मानित अतिथि सहदेव मुंडा ने भी संबोधित करते हुये खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. फाइनल मैच के विजेता टीम बीएस बान्धासाईं की टीम रहीं. वहीं एसी 77 की टीम उप विजेता बनी.

विजेता टीम को पुरस्कृत करते समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई.

डालसा ने वृद्धों के बीच बांटी सामग्री

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मोहम्मद शाकिर के निर्देशानुसार विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर झींकपानी बासाहातु स्थित ओल्ड एज होम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा ने विविध कार्यक्रम का आयोजन किया.

डालसा सचिव राजीव कुमार सिंह की उपस्थिति में आश्रम में आवासित वृद्धों के बीच विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ. उन्होंने वृद्धजनों से कहा कि आप कभी अकेले नहीं हैं. प्राधिकार सदैव आपके साथ है और देश के कानून में भी आपलोगों के लिए विशेष प्रावधान बनाया गया है.

सदस्य विकास दोदराजका ने भी प्राधिकार द्वारा वृद्धजनों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्हें उनके मौलिक अधिकार और कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया गया. मौके पर उप प्रमुख एलएडीएस सुरेन्द्र प्रसाद दास ने भी कहा कि भारतीय संस्कृति में बड़ों का सम्मान करना बहुत ही पवित्र कृत्य माना जाता है. मौके पर पीएलवी संजय निषाद, अरूण विश्वकर्मा, सोमा बोस एवं प्रशिक्षु अधिवक्ता अनुभव गुप्ता उपस्थित थे.

डालसा के कार्यक्रम में उपस्थित ओल्ड एज होम में रहने वाले बुजुर्ग.

गंदे पानी की सप्लाई से बढ़ा बीमारी का खतरा

कार्यपालक अभियंता से बात करते मंत्री के प्रतिनिधि राजाराम गुप्ता.

संवाददाता । चाईबासा

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग चाईबासा द्वारा विगत कुछ दिनों से शहर में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति नहीं किए जाने से आम जनमानस की परेशानी बढ़ गई है. वहीं तीन-चार दिनों से रुक-रुक कर पेयजल आपूर्ति हो रही है. उक्त पेयजल में मिट्टी एवं गंदगी के कारण लोगों को पेयजल के उपयोग में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. मामले को लेकर परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा के प्रतिनिधि राजाराम गुप्ता ने गुरुवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता विनोद कुमार से कार्यालय में भेंट कर इन समस्याओं को रखा. राजाराम गुप्ता ने कहा कि जिन-जिन वार्डों में पेयजल की आपूर्ति हो रही है, उनमें मिट्टी एवं गंदा पानी की सप्लाई हो रही है. गंदगी युक्त पानी के सेवन से लोगों में लूज मोशन, उल्टी एवं जॉन्डिस का खतरा बढ़ गया है.

फिल्टर हाउस में जमा हो गया है मिट्टी युक्त पानी

इस पर कार्यपालक अभियंता ने कहा कि बारिश के कारण कुछ दिनों पूर्व मिट्टी के कटाव के कारण डैम के फिल्टर हाउस में मिट्टी युक्त पानी जमा हो गया. फिल्टर हाउस के 6 बेड में से मात्र 2 बेड से पेयजल शुद्धि कर पेयजल आपूर्ति करने का प्रयास किया जा रहा है. 1-2 दोनों के भीतर सारी व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी.

स्वास्थ्य अनुमंडल अस्पताल में आयोजित नेत्र जांच शिविर में 190 लोगों के आंखों की हुई जांच

सुदूरवर्ती गांवों में भी इस तरह के शिविर लगाए जाएं : दीपक बिरुवा

- मंत्री, सांसद, विधायक ने शिविर का किया उद्घाटन

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल प्रांगण में गुरुवार को शंकर नेत्रालय व टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के तत्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में शाम तक 190 लोगों के आंखों की जांच की गई. इस शिविर के उद्घाटन समारोह में झारखंड के मंत्री दीपक बिरुवा, सिंहभूम की सांसद जोबा माझी, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, सिविल सर्जन डॉ. सुशांत कुमार माझी उपस्थित थे. मौके पर सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का शुभारंभ किया. समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह का शिविर लगाया जाना सराहनीय है. इससे मोतियाबिंद पीड़ितों को लाभ मिलेगा. उन्होंने शंकर नेत्रालय की टीम व टाटा स्टील फाउंडेशन के सराहनीय योगदान के लिए धन्यवाद दिया. इसके लिए स्थानीय विधायक सुखराम उरांव को भी धन्यवाद दिया.

उन्होंने कहा कि मनोहरपुर सुदूरवर्ती क्षेत्र में ही इस तरह का शिविर लगाया जाना चाहिए, ताकि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल सके. अगर इसे लेकर किसी प्रकार की मदद की आवश्यकता हो तो हम सभी मदद के लिए तैयार हैं. सांसद जोबा माझी ने कहा कि मानव जीवन के शरीर में नेत्र पूरे शरीर को संभालता है. नेत्र की देखरेख जरुरी है. सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्र में कई ग्रामीण नेत्र रोग से पीड़ित हैं. इसे लेकर इन क्षेत्रों में नेत्र जांच लगाने की आवश्यकता है. मौके पर विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए लगाये जाने वाले शिविर सराहनीय हैं. इस शिविर में स्थानीय लोग आकर लाभ उठायें. सिविल सर्जन ने शिविर के संबंध में जानकारी दी. इस मौके पर अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अंशुमन शर्मा, शंकर नेत्रालय झारखंड प्रमुख मनीष सिंह, सुमिता होता फाउंडेशन के प्रमुख सदानंद होता, सहयोगी संस्था मोबाईल आई सर्जिकल यूनिट की टीम के अलावे झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो,झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, दिनेश जेना समेत अन्य सामाजिक संगठन से जुडे. लोग, अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी व स्थानीय लोग मौजूद थे.

शिविर में संबोधित करते मंत्री दीपक बिरुवा.

उद्घाटन करते मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा माझी व विधायक सुखराम.

संत कोलंबस कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स 10 दिवसीय कैंप में भाग लेने के लिए रवाना

अनुशासन जीवन का अहम हिस्सा : डॉ सुशील कुमार टोप्पो

संवाददाता। हजारीबाग

संत कोलंबस कॉलेज के 28 एनसीसी कैडेट्स को 22 से 31 अगस्त तक चलने वाले वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के लिए गुरुवार को पूर्व प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार टोप्पो, डॉ. अमित अमर सोरेन और कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडेय ने संयुक्त रूप से शुभकामना संदेश देकर रवाना किया. 22 झारखंड बटालियन एनसीसी के कर्नल हरमीत सिंह के नेतृत्व में लगाए जा रहे इस कैंप में लगभग 500 कैडेट्स भाग लेंगे. कैंप गवर्मेंट पॉलीटेक्निक कॉलेज, सिलवार में लगाया जा रहा है. 10 दिवसीय शिविर में छात्रों को शस्त्र-प्रशिक्षण, निशानेबाजी, ड्रिल कंपटीशन, खेलकूद तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा.

कैडेट को रवाना करते पूर्व प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार टोप्पो, डॉ. अमित अमर सोरेन व कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडेय.

इस अवसर पर कैडेटों को विदा करते हुए डॉ. सुशील टोप्पो ने कहा कि एनसीसी अपने अनुशासन और कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है. एनसीसी आपके जीवन का अहम पड़ाव है. आप कैंप में जो कुछ भी सीखें अपने जीवन में उसे उतार कर समाज को लाभान्वित करें. उन्होंने अपने जीवन के एनसीसी अनुभव भी साझा किए. भूगोल विभाग के अध्यक्ष सह कॉलेज स्पोर्ट्स बोर्ड के निदेशक रेवरेंड अमित अमर सोरेन ने कहा कि हमने एनसीसी से ही अनुशासन सीखा है. आप सब कैडेट्स इसे जीवन में उतार कर अच्छे नागरिक का फर्ज निभा सकते हैं.

कैडेटों को कैंप के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह

कमांडर ले. पांडेय ने कैडेटों को कैंप के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी. साथ ही कहा कि वे इस कैंप में कम संसाधनों में कैसे जटिल परिस्थितियों से पार पाए और अनुशासन के मुख्य आयामों को सीखें. शिविर का मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले व्याख्यान होंगे. साथ ही, कैडेटों को बी और सी सर्टिफिकेट के लिए तैयार करना, व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करना, सामाजिक कार्य, जल संकट और पर्यावरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति कैडेटों में रुचि पैदा करना भी इसका उद्देश्य है. बताते चलें कि आगामी रिपब्लिक डे कैंप के ड्रिल इवेंट में कर्तव्य पथ का चयन भी इसी कैंप के दौरान किया जायेगा. इस दौरान अंडर ऑफिसर अमन कुमार पांडेय, सार्जेंट रेशमी, कॉरपोरल विकाश कुमार कैडेट श्रवण, अभिनंदन और अन्य कैडेट्स उपस्थित रहे.

प्रखंड सह अंचल कार्यालय में किया गया पौधरोपण

पौधरोपण के लिए जुटे लोग.

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हलदर एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया. पौधरोपण अभियान के तहत प्रखंड परिसर में प्रमुख सुनीता देवी, प्रखंड विकास अधिकारी अमित कुमार, उप प्रमुख अमेरिका महतो, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया. प्रमुख ने बताया कि हर एक व्यक्ति को पौधे लगाने चाहिए, जिससे वातावरण शुद्ध हो सके.

प्रखंड विकास अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि पूरे प्रखंड में अभी तक 66 एकड़ में पौधरोपण की प्रक्रिया चल रही है और अभी प्रखंड में एक पेड़ मां के नाम अभियान सितंबर माह तक चलेगा और जिन व्यक्ति को बागवानी करनी हो पौधों के लिए ब्लॉक में आकर संपर्क कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

स्कूल बैग व नोट बुक का किया गया वितरण

केरेडारी। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना में कोयला खनन का कार्य कर रही बीजीआर मानिइंग एंड इंफ्रा कम्पनी और रोटरी क्लब हैदराबाद द्वारा सीएसआर मद से परियोजना से विस्थापित बसारिया गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया में अध्ययनरत 850 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग व नोट बुक का वितरण गुरुवार को किया गया. इस मौके पर बीजीआर कम्पनी के जीएम श्रीनिवास रॉव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार, मुखिया बजरंगी, रोटरी क्लब, की अध्यक्ष बेली कुमारी, प्रबंधक बाला कोटि रेड्डी, बीजीआर के सत्यनारायण चकित मौजूद थे.

बरकाकाना में मेंस पार्लर का उद्घाटन

रामगढ़। मार्केट कॉम्प्लेक्स नगर परिषद बरकाकाना में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस रॉयल मेंस पार्लर का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि थाना प्रभारी बरकाकाना मो अख्तर अली मौजूद थे. उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता है. उन्होंने ईमानदारी से मेहनत करने की सलाह दी ताकि ग्राहक संतुष्ट होकर जाए. प्रोपराइटर इमरान रज़ा खान ने बताया कि इस नए तरह के सैलून में आपकी भी खूबसूरती निखरेगी. मौके पर मौलाना हबीब आलम, इम्तियाज़ अंबर, मो शाहिद, मनोज यादव, दुर्वेज आलम, जावेद आलम, वारिस खान, नवाब खान, आरिफ खान, मोबिन खान आदि मौजूद थे.

स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास ने दी महिला को नई जिंदगी

पत्थरों के बीच फंसी महिला मशक्कत के बाद निकाली गई

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमसांडी प्रखंड के अंतर्गत आने वाली शाहपुर पंचायत के एक छोटे से गांव शाहपुर टोला डिबलबनथ में महोड़ा पहाड़ की ऊंचाई पर पत्थरों के बीच में फंसी महिला को स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास और कड़ी मशक्कत के बाद शाम चार बजे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. इससे पहले बृहस्पतिवार की सुबह यह चौंकाने वाली घटना उस वक्त सामने आई जब चरवाहों ने उक्त पहाड़ पर एक व्यक्ति पत्थरों के बीच में फंसा पाया. जिसका केवल पांव दिखाई बाहर दिखाई दे रहा है. इस रहस्यमयी घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी, और स्थानीय लोग और प्रशासन इस व्यक्ति को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुट गए.

बताते चलें कि महोड़ा पहाड़ अपनी दुर्गमता और विशाल पत्थरों के लिए प्रसिद्ध है. घटनाक्रम के अनुसार, गांव के कुछ लोग जब पहाड़ की ओर गए, तो उन्हें वहां एक व्यक्ति का पैर दिखाई दिया, जोकि बड़े पत्थरों के बीच फंसा हुआ था. लोगों ने बताया कि अंदर से बचाव की आवाज आ रही थी. ग्रामीणों ने पहले तो खुद ही उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन जब उन्हें इस काम में सफलता नहीं मिली, तो उन्होंने तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना दी. घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बचाव कार्यों के लिए एक टीम मौके पर भेजी गई. आपदा प्रबंधन टीम के साथ-साथ स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे. बचाव कार्य के दौरान बड़ी सावधानी बरती जा रही थी, क्योंकि पत्थर बहुत बड़ा और भारी था, जिसे हटाने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत थी. वहीं गांव के लोग भी इस आपातकालीन स्थिति में अपने स्तर पर मदद कर रहे थे. स्थानीय युवा और बुजुर्ग सभी मिलकर प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर महिला को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे. आखिर में सफलता मिली और शाम के करीब चार बजे महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

पत्थरों के बीच फंसी महिला .

खास बातें

- चरवाहों ने पहाड़ पर महिला को पत्थरों के बीच में फंसा पाया
- रहस्यमयी घटना से पूरे इलाके में सनसनी

इस घटना ने पूरे क्षेत्र के लोगों को एकजुट किया

इस घटना ने पूरे क्षेत्र के लोगों को एकजुट कर दिया. यह घटना दर्शाती है कि मानवता अभी भी जीवित है, और कठिन परिस्थितियों में लोग एक-दूसरे की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं. यह घटना न केवल हजारीबाग जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए एक चेतावनी है कि प्राकृतिक आपदाओं और अनहोनी घटनाओं के प्रति सतर्क रहना कितना जरूरी है. महिला की जान बचाने के लिए किए गए एकजुट प्रयासों ने मानवता की एक नई मिसाल कायम की है, और यह साबित कर दिया है कि इंसानियत के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं हो सकती. स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के समर्पित प्रयास ने उक्त महिला को नई जिंदगी दी है. इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पूरे इलाके में प्रार्थनाओं का दौर जारी रहा, और सभी की निगाहें इस घटना के सकारात्मक परिणाम की ओर टिकी हुई थी.

मंडई खुर्द के ग्रामीणों को मिलेगी जलभराव की समस्या से निजात

1.57 करोड़ से होगा नाला निर्माण

संवाददाता। हजारीबाग

सदर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत मंडई खुर्द के ग्रामीणों की नाली नहीं होने के कारण होने वाली जलभराव की समस्या दूर होने वाली है. क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने अपने वादे पूरे करते हुए बृहस्पतिवार को जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता और स्थानीय मुखिया उषा देवी आदि के साथ डीएमएफटी मद से करीब 1 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि से मंडई खूर्द ग्राम बड़की खोरी मंडई में मनोज यादव के घर से न्यू पंचायत भवन मंडई होते हुए अंबेडकर चौक तक नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया.

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की अन्य समस्याओं से भी रूबरू हुए. जायसवाल ने बताया कि नाली का निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन और परिवहन में बड़ी सहूलियत होगी. मंडई खुर्द क्षेत्र के राणा मोहल्ला, सुमन नगर, गौरी मोहल्ला, महतो मोहल्ला, कसियाडीह की जनता को इससे सीधे लाभ मिलेगा.

सांसद ने मंडई खुर्द ग्राम वासियों से गुणवत्ता नाली निर्माण के लिए संवेदनशील रहने और स्टीमेट के अनुरूप संवेदक से गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की अपील भी की. मौके पर भाजपा नेता विजय कुमार, अनिल पांडेय, महेश प्रसाद, राजकुमार महतो, रोहित कुशवाहा, लीलो महतो, यमुना यादव, शंकर दास, संजय यादव, रामचंद्र साव, दशरथ साव, युगल साव, हरदयाल साव, सीता राम साव, नरेश साव, राजू राम, भोला महतो, विजय साव, महेश साव, रंजन चौधरी आदि मौजूद रहे

नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास करते सांसद मनीष जायसवाल.

'केशव का नेतृत्व कांग्रेस को नई दिशा देगा'

- दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को दी बधाई

संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने रांची एयरपोर्ट पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव-नियुक्त अध्यक्ष केशव महतो उर्फ कमलेश को बुके भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की. सुधीर मंगलेश ने इस अवसर पर कहा, "केशव महतो का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस के लिए एक नई दिशा और ऊर्जा लेकर आएगा. उनके अनुभव और नेतृत्व में पार्टी निश्चित रूप से राज्य में और मजबूत होगी."

प्रदेश अध्यक्ष को गुलदस्ता देते सुधीर

उन्होंने आगे कहा कि कमलेश के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता और अधिक जोश और समर्पण के साथ जनसेवा में जुटेंगे. इस कार्यक्रम में पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे. सभी ने कमलेश को अपनी शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में पार्टी को और ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प को दोहराया. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया और आने वाले चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया. केशव ने इस मौके पर कहा कि यह सम्मान और जिम्मेदारी मुझे पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रदेश की जनता की सेवा में और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देता है. मैं सबके सहयोग और समर्थन के लिए आभारी हूं. मौके पर कमलेश कुमार, सुनील चक्रवर्ती, छोटन कुमार आदि मौजूद थे.

युवा आक्रोश रैली को लेकर चौपारण भाजपा प्रखंड अध्यक्ष ने की बैठक

चौपारण से पहुंचेंगे सैकड़ों समर्थक

खास बातें

- हेमंत सरकार पर लगाया युवाओं को ठगने का आरोप
- पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा खोखला निकला

संवाददाता। चौपारण

रांची में शुक्रवार को होने वाली युवा आक्रोश महारैली को सफल बनाने के लिए बच्छई पंचायत भवन डुमरी में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी की अगुवाई में बुधवार को बैठक की गई. बैठक का संचालन वरिष्ठ नेता बालेश्वर साव ने किया. प्रखंड अध्यक्ष चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड सरकार युवाओं को पांच वर्ष केवल ठगने का काम किया है. पांच लाख युवाओं को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा खोखला साबित हुआ. चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड की सीमाएं असुरक्षित हैं. झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए छूट हैं. जो झारखंड के लिए शर्म की बात है. सभी वक्ताओं ने एक स्वर से हेमंत सरकार को हटाने के लिए युवा आक्रोश रैली में अधिक से अधिक संख्या भाग लेने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश मीडिया सह प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी, वरिष्ठ नेता भरत सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रजक, मंडल उपाध्यक्ष सुनील सिंह, अरविंद साव, पप्पू चंद्रवंशी, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष विकास रजक, किसान मोर्चा अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय, मुखिया मंटू सिंह, मोहन साव, कैलाश पासवान, सहदेव यादव, उप मुखिया संजय साव, अशोक प्रजापति, देवल यादव, मनोज साव, बद्री साव आदि मौजूद थे.

बैठक के दौरान चौपारण प्रखंड भाजपा इकाई नेता.

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

हजारीबाग। दारू थाना क्षेत्र के आगे पिपचो में एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह की है जब मोटरसाइकिल सवार एक सामान्य दिन की तरह अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा था. अचानक, एक सवारी बस ने उसे टक्कर मार दी.

सूत्रों के अनुसार, मृतक व्यक्ति विष्णुगढ़ के मुर्गाओं का निवासी था. हादसे के बाद, स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ले जाने का प्रयास किया. हालांकि, गंभीर चोटों के कारण उसे वहां पहुंचाने से पहले ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. स्थानीय लोगों का कहना है कि सवारी बस उसे तेज गति से टक्कर मारकर मौके से भाग गई. यह घटना स्थानीय समुदाय में डर और चिंता का माहौल पैदा कर रही है. स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की है और कार्रवाई की मांग की है.

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद पहुंचे शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, लिया जायजा

हाफ ट्रेंड नर्स, डॉक्टर भी समय पर नहीं आते

खास बातें

- अस्पताल में भर्ती मरीजों का नहीं हो पा रहा इलाज
- डॉक्टर्स से अपील-संवेदना के आधार पर मरीजो को देखें

संवाददाता। हजारीबाग

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल चिकित्सीय लापरवाही की सूचना के बाद भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद गुरुवार को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचे और स्थिति का लिया जायज़ा लिया. इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी ओपीडी सहित अन्य वार्डों का दौरा किया. उन्होंने प्रेस को बताया कि सदर अस्पताल की स्थिति दयनीय है. यहां हाफ ट्रेंड नर्स हैं. डॉक्टर्स भी समय पर नहीं आते. ऊपर से कोलकाता की घटना के बाद डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं. मरीजों की स्थिति गंभीर है. एक दो लोगों की मौत भी हो गयी है. उन्होंने डॉक्टर्स से अपील करते हुए कहा कि जो मरीज गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती हैं उन्हें संवेदना के आधार पर डॉक्टर देखें, क्योंकि डॉक्टर्स को भगवान का दर्जा दिया गया है.

क्या कहा सिविल सर्जन ने : भाजपा नेता ने इस मामले को लेकर सिविल सर्जन एसपी सिंह से मिले और समस्या का समाधान करने को कहा. सिविल सर्जन ने कहा कि गंभीर मरीजों का इलाज किया जा रहा है. डॉक्टर्स मरीजों को देख भी रहे हैं. हां ये बात जरूर है कि डॉक्टर्स के हड़ताल पर जाने के कारण सर्जरी वाले मरीजों को परेशानी हो रही है. डॉक्टर्स की कुछ मांगे हैं, जिन पर सरकार अपने स्तर पर काम कर रही है. मांगें पूरी होते ही डॉक्टर्स हड़ताल खत्म कर देंगे तो परेशानी भी दूर हो जाएगी. अस्पताल की दयनीय स्थिति के बारे में उन्होंने बताया कि पहले और अब में बहुत अंतर है. पहले से अब अस्पताल बेहतर स्थिति में है. आने वाले समय में जो भी कमियां हैं उन्हें दूर कर दी जाएंगी.

सदर अस्पताल में भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद व उनके समर्थक.

कार्यक्रम इचाक प्रखंड की डुमरौन पंचायत भवन में डाक चौपाल का किया गया आयोजन

डाक चौपाल विभाग की ऐतिहासिक पहल : ब्रजेश कुमार पासवान

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के इचाक प्रखंड की डुमरैन पंचायत में भारतीय डाक विभाग की ओर से गुरुवार को डीसीडीपी के तहत डाक चौपाल का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि सहायक डाक अधीक्षक (सेंट्रल) ब्रजेश कुमार पासवान, विशिष्ट अतिथि उप डाकपाल राज सेठी, मुखिया चोहन महतो, उप मुखिया मनोज मेहता उपस्थित हुए. सहायक डाक अधीक्षक ने बताया कि डाक चौपाल डाक विभाग की एक ऐतिहासिक पहल है. इसका उद्देश्य आवश्यक सरकारी और नागरिक, केंद्रित सेवाओं को सीधे ग्रामीण क्षेत्रों में लाना है, जिससे पहुंच और सुविधा में सुधार होगा. हमारा उद्देश्य डाक सेवा को पूर्णतः जन सेवा के रूप में स्थापित करना है. यह तभी संभव है, जब हम आम जन के बीच उपस्थित होंगे. डाकघर में डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, टाइम डिपॉजिट खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सशक्तिकरण खाता में सुरक्षित निवेश कर सकते हैं. ग्रामीण/डाक जीवन बीमा कम प्रीमियम पर अधिक बोनस देता है. 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार नामांकन व आधार मोबाइल अपडेशन की सुविधा सभी ग्रामीण डाकघर में उपलब्ध है.

इचाक प्रखंड की डुमरैन पंचायत में आयोजित डाक चौपाल कार्यक्रम के दौरान विभागीय पदाधिकारी व अन्य.

विभिन्न लाभ डाकघर बचत खाता पर उपलब्ध

सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से दिए जाने वाली सहायता जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पीएम किसान, गैस सब्सिडी, स्कॉलरशिप, आवास योजना, मंईयां योजना आदि का लाभ डाकघर बचत खाता पर उपलब्ध है. इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 18 से 65 वर्ष के खाताधारक 320 रुपये में पांच लाख, 549 रुपये में 10 लाख, 749 रुपये में 15 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. इसमें दुर्घटना में मृत्यु व स्थायी विकलांगता पर पूरा भुगतान किया जाता है. साथ ही इलाज व बाल शिक्षा लाभ की सुविधा भी उपलब्ध है. साथ ही स्वास्थ्य और बीमा की सुविधा भी उपलब्ध है. मौके पर डाक अधिदर्शक राजीव कश्यप, डाक सहायक प्रियम राज, सेवानिवृत्त शाखा डाकपाल मंजू देवी, रंजीत कुमार, प्रयाग कुशवाहा, सरोज राणा, अनिल मेहता रणधीर उपाध्याय ऋषिकेश कुमार, कौशल तिवारी, सुमित कुमार, फ्रांसिस कुमार आदि उपस्थित थे.

हजारीबाग से आतंकी गिरफ्तार कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में किया पेश

संवाददाता। हजारीबाग

एटीएस ने ने लोहसिंगना थाना अंतर्गत लोहसिंगना चौक से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है. उसे कड़ी सुरक्षा में हजारीबाग कोर्ट में पेश किया गया. इसके बाद एटीएस की टीम उसे अपने साथ रांची ले गई. गिरफ्तार आतंकी अलकायदा भारतीय उपमहाद्वीप का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है. गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी का नाम फैजान अहमद है. 45 वर्षीय फैजान अहमद होलसेल का व्यापार हजारीबाग में करता है. आरोप है कि वह अपनी पहचान छुपा कर आतंकी संगठन के लिए काम कर रहा था. इसके माता-पिता मंडई में रहते हैं. और यह खुद लोहसिंघना के आजाद नगर में रहता था. एटीएस पिछले दो दिनों से झारखंड में बड़ी कार्रवाई कर रही है. एटीएस की टीम ने लोहरदगा के कैरो, हजारीबाग के लोहसिंघना समेत अन्य कई जिलों में पर छापेमारी कर सभी सात संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है. लोहरदगा से गिरफ्तार हुए आतंकी के पास से हथियार भी बरामद होने की सूचना है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष विदेश यात्रा या कोई यात्रा का योग है. रोग या व्याधि में खर्च होगा. आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. विवेक से कार्य करें. स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी.

वृष दिन का शुरुआत अनुकूलता प्रदान करेगा. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. शत्रु भय रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी. नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी. मशक्कत करने से लाभ होगा. चिंता होगी.

मिथुन कार्य की नई योजना बनेगी. मान-सम्मान मिलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्त्री कष्ट संभव. कलह से बचें. कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे. विवेक से कार्य बनेंगे. पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना. वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग. किस्मत का साथ मिलेगा.

कर्क समय सामान्य है.चन्द्र राहु का योग है. मानसिक तनाव होगा. कानूनी बाधा दूर होगी. देव दर्शन होंगे. राज्य से लाभ होने की संभावना. मातृपक्ष की चिंता. वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें. धनागम की संभावना.

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. झंझटों में न पड़ें. आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना. शत्रु पराजित होंगे. लाभ होगा. स्वास्थ्य ठीक न हो. अनजाना भय सताएगा.

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होगी. नेत्र पीड़ा की संभावना. धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा. शत्रु से परेशान होंगे. अपमान होने की संभावना. कष्ट की संभावना. धनहानि. कष्ट-पीड़ा.

तुला स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. भागदौड़ रहेगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. धनागम सुस्त रहेगा. कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. कुछ लाभ की संभावना.

वृश्चिक शिक्षा में किया गया प्रयास सार्थक होगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना. कुसंग से हानि. धनागम सुखद रहेगा. प्रेमिका मिलेगी. गुरु ग्रह को बल दे.

धनु गृह निर्माण में खर्च होगा. माता के स्वास्थ पर ध्यान दे. लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा. दुःसमाचार प्राप्त होंगे. हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा. भयकारक दिन रहेगा.

मकर बेकार के बहस से दूर रहेंगे. कोई सत्कर्म के लिए किया गया प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा के योग बनेंगे. कुछ कष्ट होने की संभावना. लाभ के योग बनेंगे. स्त्री वर्ग को कष्ट. कुसंग से कष्ट. कलहकारक दिन रहेगा.

कुंभ धन के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. आय में वृद्धि होगी. विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना. चिंताएं जन्म लेंगी.

मीन दिन की शुरुआत शुभ समाचार से होगा. समय बहुत ही उत्तम है. किया गया कार्य लाभ देगा. परिवार की चिंता रहेगी. लाभ होगा. अस्वस्थता का अनुभव करेंगे. चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी. शत्रु दबे रहेंगे. कलह-अपमान से बचें. संभावित यात्रा होगी.

हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

मेदिनीनगर। पांकी थाना पुलिस ने अवैध हथियार व कारतूस के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए अपराधियों में सरईडीह गांव निवासी रंजन कुमार (20), उलगाड़ा गांव निवासी लाल सूरज यादव (26) व गढ़गांव पिपराटांड निवासी गोल्डेन आलम (20) शामिल हैं. तीनों के पास से दो अवैध देशी कट्टे और 8 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है व उनकी गिरफ्तारी पांकी थाना क्षेत्र के सरईडीह और उलगाड़ा गांव से हुई है. इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों की गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई है. गिरफ्तारी के दौरान अपराधियों के पास से एक टीवीएस आपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन समय रहते उन्हें पकड़ लिया गया. पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है, ताकि इनसे जुड़े अन्य मामलों का भी खुलासा हो सके.

लिपुंगा के जंगलों में नक्सली गतिविधियां बढ़ने से पुलिस अलर्ट

किरीबुरु। गुवा थाना के कोल्हान वन क्षेत्र के लिपुंगा गांव क्षेत्र के जंगलों में भाकपा माओवादी नक्सलियों की गतिविध अचानक बढ़ गई है. इससे कई गांवों के ग्रामीण परेशान व दहशत में हैं. उल्लेखनीय है कि इसी गांव क्षेत्र के जंगल में जुलाई माह में पुलिस व सीआरपीएफ ने भाकपा माओवादी के पांच कुख्यात नक्सलियों कांडे होनहागा व अन्य को मार गिराया था. सारंडा के हतनाबुरु गांव निवासी एरिया कमांडर पांडू हांसदा व एक महिला नक्सली को जिंदा पकड़ा गया था. इस मुठभेड़ में पांडू हंसदा की पत्नी सपनी हांसदा भी मारी गई थी. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लिपुंगा क्षेत्र के जंगलों में 22 अगस्त की अहले सुबह हथियारबंद नक्सलियों की गतिविधियां देखी गयी थी. इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है. अगर पुलिस व नक्सली आमने-सामने हुए तो मुठभेड़ तय है. इस वजह से ग्रामीण दहशत में हैं और जंगल की ओर जाने से कतरा रहे हैं.

राज्य में आतंकी साया : सूबे में 13 साल में 28 आतंकी हुए गिरफ्तार

झारखंड के सात जिले बने आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल

- रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह शामिल
- कई सालों से आतंकी गतिविधियों की रुपरेखा तैयार करते थे

सौरव सिंह। रांची

झारखंड के रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत सात जिला आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल का ठिकाना बना हुआ है. इन सात जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह जिला शामिल है. ये सभी जिले आतंकियों के स्लीपर सेल को पनाह देती रही है. यहां कई सालों से आतंकी अपनी गतिविधियों का रोड-मैप व साजिश की रूपरेखा तैयार करते रहे हैं. पिछले 13 साल के दौरान राज्य इन सभी सातों जिले से आतंकवादी संगठनों के 28 स्लीपर सेल गिरफ्तार हो चुके हैं.

पिछले कुछ सालों में सुरक्षा बलों को मिली सफलता

05 जून 2011: मध्य प्रदेश एटीएस ने मानगो के जाकिर नगर रोड नंबर 13 वेस्ट में दो मंजिला मकान में छापेमारी कर इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी अबू फैजल और इरशाद को एक महिला के साथ गिरफ्तार किया था.

जून-2011: वर्ष-2008 में अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में रांची के बरियातू का रहने वाला इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी दानिश रियाज उर्फ शाकिन उर्फ अफाक इकबाल बड़ोदरा में पकड़ा गया था.

29 फरवरी 2012: हजारीबाग स्थित पगमिल मोहल्ले के कश्मीर हाउस से लश्कर के आतंकी तौफिक को गिरफ्तार किया गया था.

04 मार्च 2013: अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में रांची के बरियातू का मंजर इमाम उर्फ जमील उर्फ अबू हनीफा कांके थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था.

27 अक्टूबर 2013: पटना के गांधी मैदान में नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान सीरियल बम ब्लास्ट के बाद पटना में ही मोहम्मद इम्तियाज व मोहम्मद तारिक पकड़ाए थे. मोहम्मद तारिक विस्फोट में जख्मी हो गया था, जिसकी बाद में मौत हो गई थी. दोनों रांची के धुर्वा के सिठियो गांव के रहने वाला था.

30 अक्टूबर 2013 : डोरंडा के मनीटोला स्थित फिरदौस नगर से उज्जैर अहमद को एनआईए ने गिरफ्तार किया था. उस पर कुख्यात आतंकी यासीन भटकल का सहयोगी होने का आरोप है.

21 मई 2014 : पटना ब्लास्ट के बाद फरार चल रहे धुर्वा सिठियो गांव के दो अन्य युवक नुमान उर्फ नोमान व मोहम्मद तौफिक के अलावा ओरमांझी के चकला गांव का मुजिबुल्ला व इरम लॉज में मुजिबुल्ला का रूम पार्टनर हैदर अली पकड़ा गया था.

अक्टूबर 2014 : एटीएस ने पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान में हुए बम विस्फोट मामले में जमशेदपुर के आजाद नगर से शीश महमूद नाम के शख्स को गिरफ्तार किया था.

19 अप्रैल 2015: जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का सक्रिय सदस्य और वर्धमान बम बलास्ट के आरोपी इब्राहिम शेख पाकुड से गिरफ्तार हुआ था.

08 अगस्त 2018: बोधगया और कोलकाता विस्फोट मामले में कोलकाता पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स ने झारखंड के पाकुड़ से जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के एक और संदिग्ध आतंकवादी दिलबर हसन को गिरफ्तार किया था.

29 सितंबर 2015: रामगढ़ से जमात-उल-मुजाहिद्दीन के पांच लाख के ईनामी आतंकी तरीकुल इस्लाम उर्फ सादिक गिरफ्तार.

16 दिसंबर 2015: ओडिशा पुलिस ने अलकायदा आतंकी अब्दुल रहमान कटकी को गिरफ्तार किया था. उसने कबूला कि जमशेदपुर में वो कई युवकों को प्रशिक्षित कर चुका था.

18 जनवरी 2016: जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित धतकीडीह निवासी अब्दुल समी को हरियाणा से दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

25 जनवरी 2016: जमशेदपुर के धातकीडीह से मसूद और अख्तर गिरफ्तार हुआ था. उसके पास से हथियार बरामद हुआ था.

09 अगस्त 2017: अलकायदा के संदिग्ध आतंकी जमशेदपुर आजादनगर निवासी जीशान अली को दिल्ली की स्पेशल टीम ने गिरफ्तार किया था.

21 सितंबर 2019: झारखंड एटीएस ने आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में मानगो निवासी कलीमुद्दीन को टाटानगर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया था.

25 दिसंबर 2020: अंडरवर्ल्ड सरगना दाउद इब्राहिम के करीबी मोस्ट वांटेड अब्दुल माजिद कुट्टी को गुजरात एटीएस ने जमशेदपुर से गिरफ्तार किया.

15 मार्च 2022: गिरिडीह जिला के गावां थाना क्षेत्र का रहने वाला इनामुलहक उर्फ इनाम इम्तियाज का नाम आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था. उसे यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया था.

18 जुलाई 2023: लोहरदगा में आईबी, एनआईए और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आईएसआईएस का आतंकवादी शहबाज को गिरफ्तार किया था.

02 अक्टूबर 2023: हजारीबाग का रहने वाला आईएसआईएस आतंकी शाहनवाज को दिल्ली से एनआईए ने गिरफ्तार किया था.

19 दिसंबर 2023: एनआइए ने जमशेदपुर में छापेमारी कर आइएसआइएस एजेंट शाहबाज को गिरफ्तार किया था.

कांग्रेस व अन्य दल के सैकड़ों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में : बाबूलाल

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित
- डूबती नाव से भाग रहे लोग
- संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में है. डूबती नाव से लोग भाग रहे हैं. वे गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कि भाजपा अभी प्रदेश में संघर्ष कर रही है. सत्तारूढ़ दल को छोड़कर भाजपा में शामिल होकर इस संघर्ष का साथी बनना एक बड़ी बात है. आप लोगों के योगदान से केवल सरायकेला, जमशेदपुर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में पार्टी को ताकत और बल मिलेगा. साथ ही इससे राज्य में एक अच्छा मैसेज भी जाएगा. संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत है.

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल : मरांडी ने कहा कि आज झारखंड प्रदेश की जो हालत है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है. झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल है. राज्य सरकार ने राज्य के युवा, किसान, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़ा यानि सभी वर्गों को ठगने का काम किया है. वर्तमान झारखंड सरकार के पाप का घड़ा पूरी तरह भर चुका है, यह सरकार बस अब कुछ दिनों की मेहमान है. विधानसभा चुनाव अब काफी नजदीक है. हम सबों को मिलकर इस वर्तमान भ्रष्ट और निक्कमी सरकार को यहां से हटाना बहुत जरूरी है.

बहू-बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं : मरांडी ने कहा कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की क्या हालत है, यह बतलाने की जरूरत नहीं है. चोरी, डकैती, हत्या, अपहरण चरम पर है, बहू बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं है. जब तक किसी भी प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी, भय का वातावरण जब तक समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी प्रदेश प्रगति नहीं कर सकता है. आज झारखंड की यही स्थिति है. इस स्थिति में बाहर के निवेशकों की तो छोड़िए जो घर के संपन्न लोग होंगे, वह भी जंगलराज से तंग होकर राज्य छोड़ने को मजबूर होंगे. मरांडी ने 23 अगस्त को राज्यव्यापी युवा आक्रोश रैली में मिलन समारोह में पार्टी का दामन थामने वालों सहित राज्य के युवाओं व लोगों से अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया. सभी के सहयोग से 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सरकार को उखाड़ फेंकना है.

इन्होंने थामा भाजपा का दामन : मिलन समारोह में कांग्रेस नेता सह इंटक के प्रदेश सह सचिव चंदन कुमार सिंह, आम आदमी पार्टी के प्रदेश उप संयोजक प्रेम कुमार, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला महामंत्री विनोद कुमार सिंह, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला सचिव राम विचार राय, कांग्रेस नेता नीरज कुमार सिंह, शैलेश गुप्ता, पंकज कुमार सिंह राघवेंद्र सिंह, संजय कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

मिलन समारोह में भाजपा में शामिल होते कार्यकर्ता

राज्य सरकार से जनता हर हाल में पाना चाहती है मुक्ति: रवींद्र राय

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय ने कहा कि राज्य सरकार से जनता हर हाल में मुक्ति पाना चाहती है. वह घड़ी नजदीक आ चुकी है. इस दौरान पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह उर्फ मलखान सिंह, गणेश महली भी उपस्थित थे. मंच संचालन झारखंड प्रदेश के मीडिया सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने किया.

चंपाई सोरेन मामले में कल्पना ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

अपनी बातें पार्टी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा होता

विशेष संवाददाता। रांची

पिछले एक सप्ताह से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को झारखंड की राजनीति में उठापठक के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने कहा कि चंपाई वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने मन की बात लिखी है, इसपर मैं कुछ कहना नहीं चाहती हूं. उन्होंने कहा कि मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की सिपाही हूं. चंपाई भी जेएमएम के सिपाही, उन्हें जो भी बात कहनी थी उसे पार्टी के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा रहता. कल्पना से जब पूछा गया कि चंपाई के जाने से पार्टी को कितना नुकसान हो सकता. इस सवाल को उन्होंने टाल दिया.

चंपाई सोरेन

अपने विस क्षेत्र में सुनी लोगों की समस्या : इससे पहले गुरुवार की दोपहर में कल्पना सोरेन गिरिडीह परिसदन भवन पहुंचीं. यहां पर सदर विधायक सुदिव्य कुमार और झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं से बात की और उनकी समस्या को समझा. इसके अलावा कई लोग यहां अपनी फरियाद लेकर पहुंचे तो उनकी भी बातों को कल्पना सोरेन ने सुना.

कल्पना सोरेन

लोगों को दिया चेक

परिसदन भवन में ही कल्पना सोरेन के हाथों आपदा राहत, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना समेत विभिन्न योजनाओं के तहत लोगों को राहत का चेक दिया गया. यहां डीडीसी और उपनगर आयुक्त संग बैठक करते हुए कई निर्देश भी दिए.

गांजा की खेती करने वाले को पुलिस ने भेजा जेल

प्रतापपुर (चतरा)। अवैध रूप से गंजा की खेती करने के आरोपी प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ननई गांव निवासी राजू साव को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया. इस संदर्भ में थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ननई गांव निवासी रामवृक्ष साव का पुत्र राजू साव अपने खेत में गंजा की खेती किए जाने को लेकर एनडीपीएस एक्ट में कांड संख्या 7/22 का आरोपी है और फरार चल रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया.

बीबीएमकेयू, धनबाद के कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई शुरू हो

राज्यपाल को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता। रांची

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) धनबाद के अंगीभूत महाविधालय में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को चालू करने को लेकर सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो ने राज्यपाल से मुलाकात की. उन्होंने राज्यपाल को मांग पत्र सौपा. आनंद महतो ने बताया कि बीबीएमकेयू से अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को बंद कर देने से छात्र-छात्राओं का पढ़ाई बाधित हो रही है. इन कॉलेजों में गरीब मजदूर परिवार से आने वाले बच्चे पढाई करते है. बीबीएमकेयू के अंतर्गत 13 अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई शुरू होने से लगभग 15,000 छात्र नामांकन ले सकेंगे.

आनंद महतो ने बताया कि राज्य के दूसरे विश्वविद्यालयों के अंगीभूत कॉलेजो में इंटर की पढ़ाई को सुचारू रूप से चल रहा है. इसलिए उन्होंने राज्यपाल महोदय को सारे विषय वस्तु से अवगत कराया है. साथ ही बीबीएमकेयू में इंटर की पढ़ाई को शुरू करने के लिए आग्रह किया गया. राज्यपाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को इंटरमीडिएट की पढ़ाई शुरु करने की प्रक्रिया चालू करने का निर्देश दिया है. आनंद महतो के साथ मासस के केंद्रीय सचिव कॉमरेड चंद्रदेव महतो, पंसस रोहित कुमार महतो थे मौजूद थे.

कांग्रेस ने ईडी कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

विशेष संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत गुरुवार को कांग्रेस ने रांची सहित पूरे देश में ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया. यह प्रदर्शन अडाणी महाघोटाला जांच के लिए जेपीसी गठन कर कराने की मांग की गयी. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस द्वारा अडाणी महाघोटाले की जांच की मांग बार-बार की गई, मगर केंद्र सरकार द्वारा इसे हमेशा नकारा गया. अभी हिंडनबर्ग के ताजा खुलासे से कांग्रेस के आरोप सच साबित हो रहे हैं. कांग्रेस द्वारा जांच के लिए जेपीसी की मांग की जा रही है लेकिन केंद्र सरकार का इससे भागना ही साबित करता है कि वह अपने मित्रों को बचाना चाहती है.

उन्होंने कहा कि देश की जांच एजेंसी केंद्र सरकार के हथियार के रूप में काम कर रही है. जो सत्ता के इशारे पर विरोधी नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजने और राज्यों की गैर भाजपा शासित सरकारों को गिराने में केंद्र के टूल किट के रूप में उपयोग हो रही है. उन्होंने इडी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र में हमारी सरकार बनेगी, तब सारा दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा.

ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते कांग्रेसी.

देश बड़े आर्थिक घोटाले की जद में : रामेश्वर उरांव

कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि देश आर्थिक घोटाला की जद में है, मध्यम वर्गीय परिवारों के पैसों की रखवाली करने वाली सेबी जैसी संस्थाएं भी इस सूची में शामिल हो गई हैं लेकिन केंद्र सरकार सोई हुई है. अगर अडानी महाघोटाले की जांच जेपीसी करती है तो केंद्र सरकार में बैठे हुक्मरानों का पर्दाफाश हो जाएगा शायद इसी वजह से इस मामले पर पीएम मोदी चुप हैं. कार्यक्रम में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव, ममता देवी, अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुंजनी, अजय नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, गुंजन सिंह, राकेश महतो आदि शामिल थे.

कार्यक्रम मेकॉन में वेंडर विकास कार्यक्रम और संपर्क सत्र का आयोजन

वेंडर्स को वित्तीय पहलुओं व टेंडर प्रक्रिया की जानकारी दी

संवाददाता। रांची

मेकॉन लिमिटेड ने यूटिलिटी उपकरण निर्माताओं और ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए एक दिवसीय वेंडर विकास कार्यक्रम और संपर्क सत्र का आयोजन किया. मेकॉन कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय इस्पात उद्योग में संभावित आवश्यकताओं के बारे में वेंडरों को जागरूक करना और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं के लिए मजबूत वेंडर बेस बनाना था.

कार्यक्रम में देश भर के करीब 100 कांट्रैक्टर्स ने भाग लिया. मेकॉन के वित्त निदेशक मुकेश कुमार, परियोजना निदेशक पीके दीक्षित, मुख्य सतर्कता अधिकारी सतीश कुमार, कार्यपालक निदेशक एसके भट्टाचार्जी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया. वित्त निदेशक मुकेश कुमार ने कार्यक्रम में वित्तीय पहलुओं की जानकारी दी. साथ ही टेंडर प्रक्रिया के संबंध में बताया. परियोजना निदेशक पीके दीक्षित ने सामग्रियों के भंडारण व रख-रखाव में कंपनियों की भूमिका और जिम्मेदारी पर चर्चा की. मुख्य सतर्कता अधिकारी ने वेंडर विकास कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह सभी के लिए फायदेमंद है.

मेकॉन की संविदा विभाग और द्रव प्रणाली एवं पाइपिंग प्रभाग (एफएसएंडपीडी) ने जल, गैस एवं एचवीएसी समूह के बारे में प्रेजेंटेशन दिया. साथ ही वेंडरों, ईपीसी कांट्रेक्टरों और मेकॉन के अधिकारियों के बीच चर्चा इस पर चर्ची की गई. सभी ईपीसी से आग्रह किया कि मेकॉन से जुड़े रहें.

देशभर के 100 प्रतिभागियों ने लिया भाग

एक दिवसीय वेंडर विकास कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी.

प्रदेश जदयू कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम

सरयू के आने से झारखंड में एक विधायक जदयू का हो गया: खीरू

प्रमुख संवाददाता। रांची

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो ने कहा है कि सरयू राय के आने से झारखंड में जदयू का एक विधायक हो गया है. साथ ही झारखंड में पार्टी को एक मजबूत और वरिष्ठ नेता मिला है. वे हमलोगों का मार्गदर्शन करेंगे. खीरू गुरुवार को प्रदेश जदयू कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस दौरान सरयू राय का नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया. अभिनंदन कार्यक्रम में सरयू राय ने कहा कि सरकार असली मुद्दों से भटकाते हुए भावनात्मक मुद्दों को आगे कर रही है. असली मुद्दों पर चर्चा से सरकार पीछे हट रही है. राज्य में घुसपैठ पर राय ने कहा कि जो 125 साल से झारखंड में रह रहे हैं. अपना काम कर रहे हैं, उन्हें बाहरी कहना ठीक नहीं.

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व विधायक कामेश्वर दास, श्रवण कुमार, उपेंद्र सिंह, बिगा मिंज, राजू महतो, मनोज दूबे, अशोक शर्मा, अनुराधा शर्मा, रूद्रकांत लाल दास, हारून रशीद, धनलाल दूबे, महेश्वर चौधरी, प्रदीप महतो, संजय सिंह, सागर कुमार, दुष्यंत पटेल, अखिलेश राय, आशा शर्मा, आशा सोनी सहित अन्य नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहे.

पेज 1 का शेष...

गिद्धों की चाहत से...

कुछ लोग कल्याण मार्ग का रास्ता पूछ रहे हैं. ऐसी ही दुआएं तब भी की जा रही थीं जब श्रीलंका में उथल-पुथल मची थी. उस समय उनकी दुआएं कुबूल नहीं हुईं, लेकिन इस बार तैयारी पहले से है. हमारे एक बड़े नेता विदेश में जाकर अमेरिका, यूरोप से मदद की मांग कर ही चुके हैं. युवा प्रधानमंत्री को डंडे से मारेंगे, यह अभिलाषा प्रकट हो चुकी है. कोई माथा फोड़ना चाहता है, कोई बोटी-बोटी काटने पर आमादा है. कोई उन्हें हिटलर की मौत मारना चाहता है तो कोई कुत्ते की तरह मरने की कामना कर रहा है. तो क्या भारत में ये प्रार्थनाएं, कामनाएं स्वीकार होंगी ? प्रधानमंत्री ने इस बार लाल किले के प्राचीर से इंगित कर दिया है कि चुनौतियां अंदर से भी हैं और बाहर से भी. लेकिन इन चुनौतियों को चुनौती देने का सामर्थ्य भारतवासियों में है.

वैसे भी गिद्धों की चाहत से गाय नहीं मरती है. हमारा लोकतंत्र न आयातित है, ना ही थोपा हुआ. लोकतंत्र हमारी रगों में है. इसकी जड़े मजबूत हैं. यों नहीं भारत लोकतंत्र की जननी है. जब इमरजेंसी के दौरान सभी नागरिक अधिकार छीन लिये गये थे, नेताओं, युवाओं को जेल में डाल दिया गया था, तब भी इस देश में सशस्त्र या हिंसक विरोध नहीं हुआ. आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण का आदेश था कि विरोध हिंसक नहीं होना चाहिए. इंदिरा गांधी की कुर्सी गई तो चुनाव से, लोकतांत्रिक हथियार से. 1984 में उनकी हत्या भी हुई तो उसके पीछे कोई षडयंत्र या विरोध प्रदर्शन नहीं था. स्वर्ण मंदिर में गोलियां चलवाने के कारण सिख नाराज थे और दो सिरफिरे संतरियों ने यह घृणित कर्म कर दिया था. फिर भी राजीव गांधी बिना किसी विरोध के प्रधानमंत्री बने. राजीव गांधी की हत्या भी किसी फौजी या पुलिसवाले ने नहीं, लिट्टे के आतंकवादियों ने की थी.

पाकिस्तान और बांग्लादेश 1947 तक तो भारत का ही हिस्सा थे. लेकिन विभाजन के बाद उनके यहां वह जम्हूरी तमीज, तहजीब विकसित नहीं हुई जिसकी जड़ें भारत में पहले से गहरी थीं और आज भी भीतरी-बाहरी साजिशों के बावजूद उन जड़ों में मट्ठा डालने की हैसियत किसी की नहीं है. फिर भी हमें देश में छिपे बहुरंगी, बहुभाषी, बहुभेषी गद्दारों की शिनाख्त तो करनी ही चाहिए और उनसे सचेत भी रहना चाहिए. हमारे लोकतंत्र की मजबूती का एक बड़ा कारण हमारा सनातन होना या सनातनियों का बाहुल्य भी है. सनातन में ष्षास्त्रार्थ की परंपरा रही है. हम विष्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं. हम सबके स्वस्थ सुखी रहने की कामना करते हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे बुजुर्गों ने आजाद भारत को ऐसा संविधान दिया है जिसकी अवहेलना कोई नही एंकर सकता है, न विधायिका, न कार्यपालिका, न न्यायपालिका और ना ही फौज.

रिटेल सेक्टर में उतार-चढ़ाव

भारत में एक ओर जहां खुदरा व्यापार में तेज वृद्धि की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर संगठित रिटेल सेक्टर (खुदरा व्यापार) पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में किन हालात से गुजरा, इसकी एक झलक अब सामने आई है. यह खबर आम भारतीयों की माली हालत का एक आईना भी है. पिछले वित्त वर्ष में संगठित रिटेल सेक्टर में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई. सिर्फ पांच बड़े रिटेलर्स-रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल शाखा, टाइटन, रेमंड, पेज और स्पेन्सर्स ने अपने 52 हजार कर्मचारी हटा दिए. रिटेल सेक्टर में कर्मचारियों की कटौती की सूचना खुद कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट से सामने आई है. अब संगठित रिटेल का यह हाल हो तो असंगठित क्षेत्र का अंदाजा लगाया जा सकता है. उल्लेखनीय है कि कृषि के बाद रिटेल सेक्टर ही भारत में सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया कराता है. इस क्षेत्र के जानकारों ने कहा है कि 2022 की दिवाली के बाद से रिटेल सेक्टर मंदा पड़ने लगा. उपभोक्ताओं ने वस्त्र, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि पर खर्च घटा दिए. साथ ही बाहर जाकर खाने के चलन में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है. कुल मिला कर पिछले वित्त वर्ष में रिटेल सेक्टर के कारोबार में चार प्रतिशत की गिरावट आई. कोरोना महामारी के बाद इस क्षेत्र में उछाल देखने को मिला था, लेकिन वह दौर अब गुजर चुका है. रिटेल सेक्टर में मंदी की पुष्टि एक दूसरे आंकड़े से भी होती है. बीते पांच साल से इस क्षेत्र में नए स्टोर खोलने के लिए क्षेत्र विस्तार की दर गिरती चली गई है. जाहिर है, जब बाजार में मांग बढ़ रही होती है तो नए स्टोर खुलते हैं और उनमें नई नौकरियां पैदा होती हैं. मांग का सीधा संबंध आय बढ़ने से है, जबकि भारत की असल कहानी यह है कि औसत वास्तविक आय में गिरावट दर्ज हुई है. कमरतोड़ महंगाई ने लोगों की आमदनी का मूल्य गिरा दिया है. परिणामस्वरूप कारोबार सिकुड़े हैं और नौकरियां घटी हैं. इस तरह देश एक दुश्चक्र में फंस गया है. यह बात आम शख्स से लेकर विशेषज्ञ अर्थशास्त्रियों तक के सामने स्पष्ट है. यह सिर्फ केंद्र सरकार ही है, जो इस सच को स्वीकार नहीं करती और गढ़े गए आंकड़ों के जरिए फर्जी कथानक तैयार करने में जुटी रहती है. कियर्नी रिसर्च के अनुसार, भारत का खुदरा उद्योग 2019-2030 के दौरान 9% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2019 में 779 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2026 तक 1,407 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2030 तक 1.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा. भारत के प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का मूल्य 2025 के अंत तक 7.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है. भारत में ई-रिटेल शॉपर्स की संख्या तीसरी सबसे ज़्यादा है (चीन और अमेरिका से पीछे). नए ज़माने के लॉजिस्टिक्स प्लेयर्स से 2030 तक 2.5 बिलियन डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर शिपमेंट डिलीवर करने की उम्मीद है. अगले 10 सालों में ऑनलाइन यूज़्ड कार ट्रांजैक्शन की पहुंच नौ गुना बढ़ने की उम्मीद है. हाल ही में आई इंडस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स इंडस्ट्री ने ऑर्डर वॉल्यूम के मामले में साल दर साल 36.8% की शानदार वृद्धि देखी है.

> कमरतोड़ महंगाई ने लोगों की आमदनी का मूल्य गिरा दिया है. परिणामस्वरूप कारोबार सिकुड़े हैं और नौकरियां घटी हैं. इस तरह देश एक दुश्चक्र में फंस गया है. यह बात आम शख्स से लेकर विशेषज्ञ अर्थशास्त्रियों तक के सामने स्पष्ट है.

सुभाषित

अर्थाः भवन्ति गच्छन्ति लभ्यते च पुनः पुनः।
पुनः कदापि नायाति गतं तु नवयौवनम्।।

घन मिलता है, नष्ट होता है. नष्ट होने के बाद फिर से मिलता है, परन्तु जवानी एक बार निकल जाए तो कभी वापस नहीं आती. इसलिए उस अवधि में पुरुषार्थ को सिद्ध करने की दिशा में प्रयत्न किया जाना चाहिए. एक बार समय हाथ से निकल जाये तो वह वापस नहीं आता.

दिलचस्प होगा झारखंड विधानसभा चुनाव

रांची में भी भाजपा ने उत्कृष्ट जीत दर्ज की है. आजसू पार्टी ने भी तिकोना संघर्ष में 35. 67% मतों के साथ विजय पताका फहरायी है. राजनीतिक पंडित लोकसभा चुनाव के विधानसभा क्षेत्रवार परिणाम के आलोक में आगामी चुनाव परिणाम को देखते हैं, पर यह एक भ्रम सिद्ध होता रहा है. उदाहरण स्वरूप 2019 लोकसभा चुनाव में विधानसभा सीट वाइज अधिक वोट और सीट पाने वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में 25 पर ही सिमट कर रह गयी.

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा की चुनावी घोषणा के उपरांत स्पष्ट हो गया है कि झारखंड और महाराष्ट्र राज्य विधानसभा के चुनाव समय पर ही होंगे. परंतु इन दोनों राज्यों में भी अब चुनावी हलचल तेज हो गयी है. महाराष्ट्र में जहां दो मोर्चों (युति) के बीच संघर्ष स्पष्ट है, वहीं झारखंड में भी कमोबेश लड़ाई एनडीए और इंडी अलायंस के बीच ही है. हालिया लोकसभा चुनाव में दोनों का आंकड़ा 9 और 5 का रहा है. पूर्व में 11 लोकसभा सीटों पर काबिज भारतीय जनता पार्टी आठ पर सिकुड़ गई है तो उसके सहयोगी आजसू पार्टी को गिरिडीह में मिली विजय को 2024 में भी बचाने में महारत मिली है. 2024 के चुनाव में न केवल दरका है, अपितु मतों का अनुपात भी नीचे खिसका है. विशेष कर अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पांच सीटों में चार पर मिले वोट 40% से कम पर आ गए हैं. मात्र एक सीट दुमका में भाजपा उम्मीदवार को 44.32% वोट मिले. 2019 में दुमका सीट भाजपा की झोली में थी, पर इस बार का प्रयोग नया रहा. केंद्रीय मंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री तथा झारखंड के लोकप्रिय नेता अर्जुन मुंडा को भी खूंटी में(शायद जीवन की पहली) करारी हार देखनी पड़ी. लोहरदगा चाईबासा और राजमहल के सारे प्रयोग धरे के धरे रह गए और सभी ट्राइबल सीटों पर इंडी एला. ने कब्जा जमा लिया, जबकि तीन सीटों पर 2019 में भाजपा को सफलता मिली थी. भाजपा का सीता-गीता प्रयोग भी काम नहीं आया. दूसरी ओर भाजपा ने सामान्य सीटों पर बेहतर अनुपात में मतों के साथ शत प्रतिशत सफलता हासिल की है, तो पलामू के आरक्षित सीट को भी बरकरार रखने में सफलता पाई है. कोडरमा, गोड्डा, चतरा, धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग, पलामू में मतों की उपलब्धि 50% से अधिक रही है. रांची में भी भाजपा ने उत्कृष्ट जीत दर्ज की है. आजसू पार्टी ने भी तिकोना संघर्ष में 35. 67% मतों के साथ विजय पताका फहरायी है. राजनीतिक पंडित लोकसभा चुनाव के विधानसभा क्षेत्रवार परिणाम के आलोक में आगामी चुनाव परिणाम को देखते हैं, पर यह एक भ्रम सिद्ध होता रहा है. उदाहरण स्वरूप 2019 लोकसभा चुनाव में विधानसभा सीट वाइज अधिक वोट और सीट पाने वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में 25 पर ही सिमट कर रह गयी. प्रायः चुनाव पार्टी, उम्मीदवार, कार्यकर्ता, प्रबंधन, कार्य, राज्य- क्षेत्र, मुद्दों पर निर्भर करते हैं. इसमें अब जाति की भूमिका बहुत बड़ी हो गई है. मतदाता चर्चा संवाद में भले ऊंची-ऊंची बातें कर लें, बड़ा धड़ा चुनाव में इन्हीं संकरी गलियों से गुजरता है. ऐसे में राष्ट्रीय पार्टियों विशेष कर मुद्दों, समस्याओं, प्रश्नों को लेकर मैदान में उतरने वाले दलों के लिए वातावरण बहुत अनुकूल नहीं होता! उदाहरण के तौर पर गिरिडीह के हालिया चुनाव को देखा जा सकता है. एक नवोदित उम्मीदवार को 27 % से अधिक मत मिले. झारखंड विधानसभा के चुनावी ट्रेंड में कोई भारी उथल-पुथल होगा, ऐसा नहीं लगता. भाजपा और इंडी ग्रुप अर्थात झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस अपने-अपने ढंग से नॉरेटिव गढ़ रहे हैं, पर छिटफुट घटनाओं को छोड़कर कोई बड़ी हलचल मतदाताओं में दिखाई नहीं देती. जनजातीय क्षेत्र जहां से 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो को बड़ी सफलता प्राप्त हुई थी, वहां उनके सामने अपनी सीटों की रक्षा का प्रश्न है तो महज दो सीटों पर सिमटी भाजपा के लिए बढ़त बनाना सामान्य चुनौती नहीं है. विगत आम चुनाव में भाजपा को केवल खूंटी और तोरपा से ही जीत मिली थी, दूसरी ओर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित नौ सीटों में से भाजपा ने छः सीटों अर्थात देवघर, सिमरिया, जमुआ, चंदन क्यारी, कांके और छतरपुर पर कब्जा जमाया था. पर अनुसूचित जनजाति सीटों से भाजपाई खूंटा उखड़ सा गया था. अबकी बार जहां जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा को भारी मशक्कत करनी होगी, वहीं अनारक्षित क्षेत्र में जाति, समीकरणों, क्षेत्रीय समस्याओं से दो हाथ भी करना पड़ेगा. वहीं इंडी अलायंस के झामुमो को जनजातीय सीटों को बचाने के लिए जद्दोजहद करनी होगी. जोबा मांझी, नलिन सोरेन जैसे दो दिग्गजों की खाली सीटें भी चुनौती देगी. इसी प्रकार लाख प्रयास के बावजूद सत्ता की इनकम्बेंसी और चंपई सोरेन प्रकरण के साथ संथाल क्षेत्र की बदलती डेमोग्राफी तथा सरकार की क्षीण उपलब्धियां भी राह में रोड़ा बनेंगी. आज का राजनीतिक प्रशासन बड़ी तेजी से कर राजस्व के बूते अनुत्पादक रेवड़ियां बांटकर वोट का प्रबंध करता है .यह तात्कालिक प्रभाव तो उत्पन्न करता है, पर इसका दूरगामी परिणाम समग्रता में हितकर नहीं होता! पर चलन तो इसी का है ? भाजपा ने अपनी सांगठनिक पद्धति के अनुकूल क्षेत्र प्रभारी, राज्य प्रभारी, संगठन महामंत्री के ऊपर दो मूर्धन्य संगठन महारथियों को इस चुनाव के लिए झारखंड में उतारा है. तात्कालिक रूप से कार्यकर्ताओं में बेहतर संचार संपर्क एवं संवाद की स्थिति बनने की उम्मीद लोग कर रहे हैं, पर मतदाताओं के ऊपर विशेष कर जनजाति क्षेत्र में यह प्रयोग कितना प्रभावी होगा, सफल होगा देखने की बात है. झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा- झामुमो में कांटे का टक्कर होगा, यह तो संभावित है, पर कांग्रेस और आजसू भी अपनी मजबूत स्थिति के लिए संघर्ष को तेज करेंगे, इसकी भी उम्मीद की जाती है. इसी बीच कहीं-कहीं अन्य क्षेत्रीय पार्टियां भी अपनी पहचान के लिए कुलांचें मारेंगी. इधर एनडीए के घटकों में से कई कुछ दल इस बार चुनाव को प्रभावित करने की कवायद में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं. संभव है उपस्थिति दर्ज करायें. कुल मिलाकर झारखंड विधानसभा का आगामी चुनाव कई मामलों में दिलचस्प होगा, महत्वपूर्ण भी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

जैसा अन्न, वैसा मन

हमारे मनीषियों ने काफी साधना और विचार मंथन के बाद शास्त्रों और पुराणों ने स्पष्ट किया कि मनुष्य के मनोमस्तिष्क पर आहार और व्यवहार का सीधा प्रभाव पड़ता है. आपके आहार के अनुसार आपकी मनोवृत्ति में परिवर्तन होता चला जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा. इसलिए भोजन की शुद्धता पर अधिक जोर दिया गया है, ताकि लोगों का मनोमस्तिष्क संतुलित रह सके. यदि भोजन अशुद्ध होगा तो उसका प्रभाव तत्काल समझ में आने लग जाएगा.भोजन की शुद्धता इस बात पर भी निर्भर करता है कि जो अन्न आप ग्रहण कर रहे हैं, उसका उपार्जन कैसे हुआ है. अगर उपार्जन का स्रोत गलत होगा तो उससे प्राप्त अन्न भी उचित प्रभाव नहीं दे पाएगा. इसका एक दृष्टांत है- एक साधु ग्रामानुग्राम विचरण करते हुए जा रहे थे और एक गांव में प्रवेश करते ही शाम हो गई. ग्रामसीमा पर स्थित पहले ही घर में आश्रय मांगा,वहां एक पुरुष था, जिसने रात्रि विश्राम की अनुमति दे दी और भोजन के लिए भी कहा. साधु भोजन कर बरामदे में पडी खाट पर सो गया. चौगान में गृहस्वामी का सुन्दर हृष्ट पुष्ट घोडा बंधा था. साधु सोते हुए उसे निहारने लगा. साधु के मन में दुर्विचार ने डेरा जमाया, 'यदि यह घोडा मेरा हो जाय तो मेरा ग्रामानुग्राम विचरण सरल हो जाय'. वह सोचने लगा, जब गृहस्वामी सो जायेगा आधी रात को मैं घोडा लेकर चुपके से चल पड़ूंगा. गृहस्वामी को सोया जानकर साधु घोड़ा ले उडा. कोई एक कोस जा कर पेड़ से घोड़ा बांधकर सो गया. प्रातः उठकर नित्यकर्म निपटाया और घोडे के पास आकर फ़िर उसके विचारों ने गति पकडी. 'अरे! मैंने यह क्या किया? एक साधु होकर मैंने चोरी की? यह कुबुद्धि मुझे क्योंकर सूझी?' उसने घोडा गृहस्वामी को वापस लौटाने का निश्चय किया और उल्टी दिशा में चल पडा. उसी घर में पहुंच कर गृहस्वामी से क्षमा मांगी और घोडा लौटा दिया. साधु ने सोचा कल मैंने इसके घर का अन्न खाया था, कहीं मेरी कुबुद्धि का कारण इस घर का अन्न तो नहीं, जिज्ञासा से उस गृहस्वामी को पूछा- 'आप काम क्या करते हैं, आपकी आजीविका क्या है?' अचकचाते हुए गृहस्वामी ने साधु जानकर उसे अपनी सारी सच्चाई बता दी- 'महात्मा जी मैं चोर हूँ और चोरी करके अपना जीवनयापन करता हूं'. साधु का समाधान हो गया, चोरी से उपार्जित अन्न का आहार पेट में जाते ही उसके मन में कुबुद्धि पैदा हो गई थी. जो प्रातः नित्यकर्म में उस अन्न के निहार हो जाने पर ही सद्बुद्धि वापस लौटी. नीति-अनीति से उपार्जित आहार का प्रभाव प्रत्यक्ष था.

जम्मू-कश्मीर : बनते बिगड़ते गठबंधन

• चुनाव चर्चा

कल्याणी शंकर

जम्मू और कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे, जिसमें 90 विधायकों का चुनाव होगा. अगस्त 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 के निरस्त होने और राज्य के विभाजन के बाद यह पहला चुनाव होगा.नये चुनाव कराने में देरी कई सालों से विवाद का विषय रही है. हालांकि, समय-सीमा तय करने में हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश महत्वपूर्ण था. अब जब चुनावों की घोषणा हो गई है, तो सभी राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है.कश्मीर लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है. दोनों देश कश्मीर पर दावा करते हैं, हालांकि वे इसके केवल एक हिस्से पर शासन करते हैं. पाकिस्तान ने इस मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण भी कर दिया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र में भी लाया गया है.2019 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य को विभाजित करने के फैसले के बाद मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं. इस फैसले के कारण कश्मीर ने अपना झंडा, आपराधिक संहिता और संवैधानिक सुरक्षा खो दी. कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर-निवासियों के लिए खुले हैं. चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं. प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू-कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है. गृह मंत्रालय ने बताया कि 2019 में सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या 80 से घटकर 2023 में 33 हो गई है और 2019 में 44 से घटकर 2023 में 12 नागरिकों की मौतें हुई हैं.पिछले राज्य चुनाव 2014 में हुए थे. 2024 के लोकसभा चुनावों में उच्च मतदान ने विधानसभा चुनावों को कराने के उत्साह को जन्म दिया है. कश्मीर में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के आम चुनाव से 30 अंकों की वृद्धि है. सरकार ने 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 को हटाने और विभाजन के बाद 2022 में परिसीमन अभ्यास पूरा किया. 2022 के परिसीमन के बाद जम्मू और कश्मीर में विधानसभा सीटें 87 से बढ़कर 114 हो गईं, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की 24 सीटें शामिल हैं. सीटों में यह वृद्धि संभावित रूप से सत्ता के संतुलन को बदल सकती है और आगामी चुनावों में राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है. राजनीतिक दलों ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें प्रचार रणनीति, गठबंधन और उम्मीदवार चयन शामिल हैं. कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनावों की योजना बनाने के लिए बैठकें की. यदि विधानसभा चुनाव निर्धारित समय पर होते हैं, तो घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा. इसके अलावा, लोकसभा चुनावों के दौरान जिस ध्रुवीकरण और अलगाववादी कथानक ने जोर पकड़ा था, वह विधानसभा चुनावों के दौरान और तेज हो जायेगा. 2014 के जम्मू-कश्मीर चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था. 49 दिनों तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा, जब तक कि पीडीपी की महबूबा मुफ़्ती को भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री नहीं बना दिया गया. बाद में भाजपा ने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया, जिसके कारण फिर से राष्ट्रपति शासन लागू हो गया. नवंबर 2018 में विधानसभा भंग कर दी गई और दिसंबर 2018 में राष्ट्रपति शासन फिर लागू कर दिया गया. तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है. सरकार को यह तय करना होगा कि नरम अलगाववाद से निपटने के लिए कश्मीर घाटी में हस्तक्षेप करना है या चुनाव से पहले पुनर्गठन योजना पर विचार करना है. संसदीय चुनावों के दौरान, कांग्रेस और एनसी ने गठबंधन किया था. एनसी ने कश्मीर में तीन सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने जम्मू और उधमपुर में चुनाव लड़ा. इंडिया गठबंधन का हिस्सा पीडीपी को समायोजित नहीं किया गया और उसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे. आगामी विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य स्पष्ट नहीं है. कांग्रेस और एनसी एक साथ जा सकते हैं. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी के साथ गठबंधन करना मुश्किल होगा क्योंकि संसदीय चुनाव में दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए थे.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर-निवासियों के लिए खुले हैं. चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं. प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू-कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है.

आंदोलनों के बाद चुनावी चौराहे पर श्रीलंका

• देशांतर

पुष्परंजन

पद राष्ट्रपति का हो, या फिर प्रधानमंत्री का, श्रीलंका में दोनों को चुनाव के ज़रिये सत्ता में आना है. अमेरिका में शरणागत बेसिल राजपक्षे ने संसदीय चुनाव पहले कराने का दबाव डाला था. राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बेसिल राजपक्षे से कहा था कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव ही पहले होना है, लेकिन, अगर आपके सभासदों को जल्दी संसदीय चुनाव की आवश्यकता है, तो उन्हें संसद में इस आशय का प्रस्ताव पारित करवाना चाहिए था. इसके लिए केवल साधारण बहुमत की आवश्यकता है. महिंदा राजपक्षे ने भी पहले संसदीय चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन किया था. महिंदा राजपक्षे को लगता है कि रानिल विक्रमसिंघे कोई बड़ा खेल कर रहे हैं, इस वजह से अपने पुत्र नमल को चुनाव मैदान में उतारा है. संसद के 225 सदस्यों में से 196 आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के माध्यम से 22 चुनावी जिलों से चुने जाते हैं. शेष 29 को प्रत्येक पार्टी के सचिव द्वारा पार्टी को प्राप्त मतों की संख्या के अनुपात में नियुक्त किया जाता है. 2020 में संसदीय आम चुनाव महिंदा राजपक्षे की पार्टी 'श्रीलंका पोडुजना पेरमुना (एसएलपीपी)' ने सबसे अधिक सीटें प्राप्त की थीं. 2022 में विद्रोह, और राजपक्षे कुनबे को कुर्सी से खदेड़ दिये जाने के बावजूद संसद भंग नहीं हुई, चुनांचे संसदीय चुनाव 2026 में ही होंगे. श्रीलंका में राष्ट्रपति का डिप्टी, प्रधानमंत्री होता है, जो संसद में सत्तारूढ़ दल का नेता भी होता है. संसद में अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में राष्ट्रपति, मौजूदा मंत्रिमंडल को भंग करने और नए मंत्रिमंडल की नियुक्ति करने के लिए जिम्मेदार होता है. नवम्बर 2019 में महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे ने श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी. उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, सत्तारूढ़ यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के सजित प्रेमदासा ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह 'लोगों के फैसले का सम्मान करेंगे.' प्रेमदासा इस बार फिर राष्ट्रपति के लिए चुनाव मैदान में हैं. 2019-20 के कालखंड में पूरा राजपक्षे कुनबा बेशर्मी से सत्ता पर क़ाबिज़ हुआ था. महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री, गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति, एक और भाई चमल राजपक्षे सिंचाई मंत्री, सबसे छोटे भाई बेसिल राजपक्षे वित्त मंत्री, पुत्र नमल खेल मंत्री मंत्री.75 साल के गोटबाया राजपक्षे और 78 साल के महिंदा राजपक्षे शारीरिक रूप से थकने, और जनता द्वारा तिरस्कृत किये जाने के बावजूद, अपनी विरासत को बचाने की कवायद में नमल राजपक्षे की इंट्री कराई है. 38 साल के नमल को राष्ट्रपति चुनाव में उतारकर महिंदा राजपक्षे परीक्षण करना चाहते हैं कि श्रीलंका की राजनीति में उनके कुनबे को स्वीकार या नकार की क्या स्थिति है. लंदन विश्वविद्यालय से कानून स्नातक नमल पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के सबसे बड़े बेटे हैं. पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में नमल 'एसएलपीपी' का फ्रंटलाइन चेहरा बनकर उभरे हैं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि नमल राजपक्षे की लोकप्रियता का ग्राफ अब कहां जाकर टिका है? नमल राजपक्षे की इंट्री ने राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबले को चतुष्कोणीय बना दिया है. राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में नमल राजपक्षे के अलावा निवर्तमान राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे, मुख्य विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा और मार्क्सवादी जेवीपी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके भी शामिल हैं. नमल की देर से इंट्री हुई है, उससे पहले राजपक्षे की पार्टी के 100 से ज्यादा सांसद रानिल विक्रमसिंघे की निर्दलीय उम्मीदवारी को समर्थन देने का अहद कर चुके थे. एसएलपीपी आलाकमान ने रनिल विक्रमसिंघे का समर्थन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है.रानिल विक्रमसिंघे महिंदा राजपक्षे के लिए भरोसे के आदमी नहीं रहे. राजपक्षे कुनबे को लगता है, कि यदि रानिल विक्रमसिंघे की जड़ें मज़बूत हुई, तो हमारा कुनबा ज़मीन से उखड़ जायेगा.सत्ता से भगाये राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के सबसे छोटे भाई और पूर्व वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे की भी रानिल विक्रमसिंघे से नहीं बन रही थी. ऐसा लगता है, कि कोलंबो 'पूर्ण परिवर्तन' के लिए राष्ट्रपति चुनाव चाहता है. न केवल 'पूर्ण परिवर्तन' बल्कि एक बहुत बड़ा परिवर्तन, जिसमें संपूर्ण राज्य तंत्र और स्थानीय निकायों तक की राजनीति का पुनर्गठन शामिल है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> संसद के 225 सदस्यों में से 196 आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के माध्यम से 22 चुनावी जिलों से चुने जाते हैं. शेष 29 को प्रत्येक पार्टी के सचिव द्वारा पार्टी को प्राप्त मतों की संख्या के अनुपात में नियुक्त किया जाता है. 2020 में संसदीय आम चुनाव महिंदा राजपक्षे की पार्टी 'श्रीलंका पोडुजना पेरमुना (एसएलपीपी)' ने सबसे अधिक सीटें प्राप्त की थीं.

मीडिया में अन्यत्र

आर्थिक जनगणना की दिशा में ठोस पहल

केंद्र सरकार ने आठवीं आर्थिक जनगणना की तैयारी शुरू कर दी है. माना जा रहा है कि अगले वर्ष उसकी औपचारिक शुरुआत कर दी जाएगी. आर्थिक जनगणना एक अहम उपाय है जो देश भर के प्रतिष्ठानों के ढांचों और परिचालन को लेकर विस्तृत डेटा मुहैया कराता है. इसके आधार पर आर्थिक गतिविधियों, स्वामित्व और श्रम शक्ति संबद्धता को लेकर अंतर्दृष्टि हासिल की जा सकती है. यह आंकड़ा राज्य और जिला स्तर पर सामाजिक आर्थिक नियोजन के लिए भी महत्त्वपूर्ण है. बहरहाल चिंताएं बरकरार हैं. सबसे ताजा आंकड़े छठी जनगणना के हैं जो 2013 में हुई थी. इसके नतीजे 2016 में प्रकाशित किए गए. सातवीं आर्थिक जनगणना 2019 में हुई थी लेकिन उस दौरान कई बाधाएं आईं. आरंभ में प्रक्रिया कोविड-19 महामारी से बाधित हुई थी और उसके बाद संग्रहित आंकड़ों की गुणवत्ता को लेकर तमाम चिंताएं उत्पन्न हो गईं. सातवीं गणना के आंकड़ों का जारी होना जरूरी है ताकि अलग-अलग अवधि को लेकर सार्थक तुलना और विश्लेषण किया जा सके. एक तथ्य यह भी है कि यह प्रक्रिया बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के बाधित हुई. इससे प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर तमाम सवाल पैदा होते हैं. यह समूची सांख्यिकी प्रणाली की मजबूती पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है. आंकड़ों की गुणवत्ता और पुराने अनुभवों से सीखे गए सबक की बात करें तो इसके लिए पारदर्शिता बहुत आवश्यक है और डेटा को सार्वजनिक किया जाना चाहिए. इससे न केवल कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी बल्कि सांख्यिकीय प्रक्रिया में विश्वास बहाल होगा तथा यह सुनिश्चित हो सकेगा कि भविष्य में होने वाली ऐसी गणना में आंकड़ों तथा विश्वसनीयता का ध्यान रखा जाए. इसके अलावा सरकार नैशनल सैंपल सर्वे के 80वें दौर को अंजाम देने पर विचार कर रही है जिसमें स्वास्थ्य, घरेलू यात्रा और पर्यटन संबंधी व्यय आदि शामिल होंगे. सेवा क्षेत्र का एक व्यापक सर्वेक्षण भी उसके तत्काल बाद कराया जा सकता है. इससे राष्ट्रीय स्तर पर डेटा संग्रह के प्रयासों का दायरा बढ़ेगा. इसके साथ ही सरकार ने हाल ही में कई बड़े सैंपल सर्वे के आंकड़े जारी किए हैं. उदाहरण के तौर पर परिवार खपत व्यय सर्वे के आंकड़े 2011 के बाद पहली बार जारी किए गए. इन कोशिशों को राष्ट्रीय सांख्यिकी और अन्य प्रमुख सूचकांकों के लिए आधार वर्ष में परिवर्तन के लिए सलाहकार समितियों की स्थापना के जरिये पूरा किया जाता है. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की सांख्यिकीय प्रणाली की प्रासंगिकता बरकरार रहे और वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे. नीति निर्माण को बेहतर बनाने तथा समग्र सांख्यिकीय ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अद्यतन और बेहतर आंकड़ों का होना आवश्यक है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ढूंढना/ढूंढ़ना

आज जब कॉलम लिखने बैठा, तो एकाग्रता बन ही नहीं रही थी. सोचा कि कुछ पुराने गाने सुन लूं. लता के गीत यू-ट्यूब पर सुनने लगा. पहला गीत फिल्म 'बेमिसाल' का था, जिसे राखी और अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया है. गीत लिखा है आनंद बख्शी ने और गाया है लता मंगेशकर ने. बोल थे 'ए री पवन, ढूंढे किसे तेरा मन चलते-चलते...' गीत सुनते ही बूढ़ा बंदर गुलाटी मारने लगा. आपने वह लोकोक्ति सुनी है, न कि बंदर कितना भी बूढ़ा हो जाए, गुलाटी मारना नहीं भूलता. इसी तर्ज पर कहना चाहता हूं कि भले मन एकाग्र न हो, लेकिन शब्दों को सुनने-समझने की लत है, तो वह जोर मारती रहेगी. यही हुआ मेरे साथ भी. गीत सुनते ही ध्यान गया कि गीत में 'पवन' का इस्तेमाल स्त्रीलिंग रूप में हुआ है, जबकि हिंदी के तमाम शब्दकोश 'पवन' को पुंल्लिंग बताते हैं. इसी गीत में लता के उच्चारण की ओर भी ध्यान गया कि वह 'ढूंढे किसे तेरा मन' गा रही हैं, यानी 'ढूंढ़े' नहीं. ध्यान आया कि 1974 में बनी फिल्म ठोकर के लिए मुकेश ने भी एक गीत गाया था, जिसके बोल थे 'मैं ढूंढता हूं जिनको...' मुकेश ने भी 'ढूंढना' ही गाया है 'ढूंढ़ना' नहीं. इसी तरह फिल्म घरौंदा का भी एक गीत है जिसमें 'ढूंढना' शब्द का इस्तेमाल हुआ है. अमोल पालेकर और जरीना वहाब पर फिल्माए गए इस गीत को भूपेंद्र और रुना लैला ने गाया है, गीत लिखा है गुलजार ने. बोल हैं 'दो दीवाने शहर में, रात में या दोपहर में आबुदाना ढूंढते हैं इक आशियाना ढूंढते हैं'. वास्तव में 'आबुदाना' शब्द फारसी का 'आब-ओ-दाना' है, जिसका मतलब जल और अन्न है यानी अन्न-जल, दाना-पानी है. यहां भी 'ढूंढते' ही गाया गया है, 'ढूंढ़ते' नहीं. फिल्म मदर इंडिया में नरगिस पर फिल्माया गाना है 'नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे, ढूंढूं रे सांवरिया...' लता ने यहां भी 'ढूंढूं' ही गाया है. मुझे कालिका प्रसाद का कोश ध्यान आया, जिसमें 'ढूंढ़ना' बताया गया है. यानी अब 'ढूंढ़ना' का 'ढ़' बदल कर 'ढ' हो चला है और प्रचलन में 'ढूंढना' हो चुका है.

मेरे मोहल्लेवाले रखते हैं व्रत

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

हिंदुस्तान में व्रत रखने की बहुत ही प्राचीन परम्परा है. और हिन्दुस्तानी परम्परा को बनाये रखना जानते हैं. किसी भी रूप में ही सही. यह इनकी अनेकों खासियतों में से एक है. पहले हमारे ऋषि-मुनि व पूर्वज व्रत रखा करते थे. आज भी व्रत रखा ही जाता है. मेरे मोहल्ले में बहुत से लोग व्रत रखते हैं. यह तो खुशी की ही नहीं, बल्कि गर्व की बात है. दीगर है कि बहुत से लोग बिना कोई व्रत लिए ही व्रत रखते हैं. वैसे व्रत रखने के लिए कई चीजों का व्रत लेना पड़ता है. जैसे अन्न न ग्रहण करने का व्रत. संयमित दिनचर्या का व्रत, आदि . आराध्य-आराधना भी व्रत का एक प्रमुख अंग होता ही है. कुछ भी हो व्रत रखने वालों में मेरे मोहल्लेवालों और वालियों का कोई जोड़ नहीं है. आजकल मेरे मोहल्ले में व्रत की धूम है. मेरे एक पड़ोसी हैं जो व्रत नहीं रखते. लेकिन इनकी श्रीमतीजी व्रत के मामले में माहिर हैं. मेरे पड़ोसी के पास एक से एक खबर है. बता रहे थे कि तिवारीजी कहते हैं कि व्रत रखने का मतलब यह नहीं है कि अपनी काया जला डालो. इसलिए वे दिन भर व्रत रखते हैं और शाम को पूरी-सब्जी, दाल-भात आदि दबा कर खाते हैं. मतलब अन्न से कोई परहेज नहीं और व्रत भी रख लेते हैं. श्रीमती शर्मा, तिवारी जी की बहुत बुराई करती हैं. इनका कहना है कि भूखे नहीं रह सकते तो न रहें. लेकिन अन्न क्यों खाते हैं ? मैं तो अन्न को हाथ नहीं लगाती. सिंगाड़े का आटा लाती हूँ. उसी की पूड़ी और आलू-टमाटर की सब्जी बनाती हूँ. सेंधा नमक इस्तेमाल करती हूं. बाकले की दाल और तिन्नी का चावल तथा चौराई का साग. यही सब खाकर व्रत रखती हूं. लेकिन अन्न नहीं छूती हूं. श्रीमती वर्मा जी के घर में उनकी देवरानी व्रत नहीं रखती. लेकिन इनके फलाहार का सारा इंतजाम करती है. दिन भर में कम से कम डेढ़ किलो दूध, दो दर्जन केला, दो किलो सेब, संतरा, अंगूर आदि तथा जूस और दही मिला चीनी का रस, मूंगफली, बादाम, छुहारा, किसमिस इत्यादि ऊपर से. कल दोनों में कुछ खटपट हो गयी. देवरानी किसी से बोली कि दीदी के फलाहार का इंतजाम करने जा रही हूं. आधा घंटा कम से कम लग जाता है. इस पर वर्मा जी बोलीं कि भूखी न पियासी और फलाहार के लिए लबर-लबर किये रहती हैं. अब देवरानी की बारी थी बोली इतना सब खाकर व्रत रखना हो तो कौन नहीं रख लेगा ? मैं तो हंसी-खुशी महीनों रह जाऊं. सच है व्यवस्था और इतनी व्यवस्था हो तो कुछ लोग तो कई महीने तक व्रत रखने के लिए तैयार हो जायेंगे. बहुत से लोग दर्शन के बहाने शहर निकल जाते हैं. और पार्कों आदि में घूम कर आनंद मनाते हैं. कुछ लोग तो सिनेमा देखकर व दिखाकर मनोरंजन करते हैं. एक महिला जो पूरे दिन घूम कर आई थी. सहेली से बता रही थी, शेर देखा हाथी देखा. अब तक तो ठीक था. सुनने वाले समझते थे कि दर्शन करके आई है. लेकिन आगे और सुनने पर पता चला कि वह चिड़ियाघर देख कर आई थी. खैर कुछ लोग कुछ भी देखने को और दिखाने को ही दर्शन बोलते हैं. आज का समय ही ऐसा है कि हर चीज की परिभाषा बदल रही है.

मोटिवेशन

'क्या अदा, क्या जलवे!'

उदित नारायण का एक सुप्रसिद्ध गाना है - 'क्या अदा क्या जलवे तेरे पारो." हर स्त्री की अपनी अदाएं और जलवे होते हैं. अफसोस, पुरुष इन अदाओं और जलवों को अनदेखा करने की गलती कर बैठते हैं. जाने-अनजाने गलतियां करते हैं और महिलाओं के कोपभाजन का शिकार बनते हैं. ऐसी कई आदतें हैं जो महिलाओं को खास बनाती हैं. अगर रिश्ते में मिठास चाहिए तो पुरुषों को इन आदतों को समझना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए. चलिए, जानते हैं महिलाओं की कुछ अनोखी आदतों के बारे में और पुरुषों को उन आदतों को कैसे लेना चाहिए !

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. **सलाह** : महिलाएं जब कुछ बता रही हों, तो आप पूरे ध्यान से सुनें. भले ही आप वह बात 10 बार सुन चुके हों. और कुछ नहीं तो, कम से कम सुनने का दिखावा ही करें. टीवी या मोबाइल में न उलझें. माइंड इट, आपको सिर्फ सुनना है, सलाह नहीं देनी. सलाह देने का मतलब है आग में घी डालना, जो अधिकांश पुरुष करते हैं. महिलाएं/पत्नियां अपनी भड़ास निकाल कर हल्का महसूस करती हैं. 'सही बोल रही हो,' 'बिल्कुल सही,' 'तुम्हारी बातों से मैं पूरी तरह सहमत हूं,' 'सच, कितनी दूर की सोचती हो तुम!' ऐसे जुमलों का प्रयोग बीच-बीच में करते रहें. यकीन मानिए, आपकी 75% समस्याएं निपट जाएंगी. आपको अंदाजा भी न होगा कि सिर्फ सुनने से आपके रिश्ते कितने मजबूत हो सकते हैं.

2. **तारीफ** : पत्नी के सामने किसी अन्य महिला की तारीफ! सपने में भी न करें. महिला मित्र या सहकर्मी की तो बिल्कुल नहीं, बल्कि अपनी चहेती फिल्म अदाकारा की भी नहीं. किसी दूसरी महिला की तारीफ सुनकर उनके तन-बदन में आग लग जाती है. और यह आग बुझने वाली नहीं होती, लंबे समय तक सुलगने वाली होती है. समझदार पुरुष जिस महिला की तारीफ करनी होती है, सिर्फ उसी के सामने करते हैं. समझे आप? अगर तारीफ करनी ही है, तो अपनी पत्नी की कीजिए. जितनी ज्यादा तारीफ करेंगे, उतने फायदा में रहेंगे.

3. **बहस** : किसी महिला से बहस! तौबा-तौबा! आप किसी भी महिला से, चाहे वह सब्जी वाली हो या आपकी पत्नी या बॉस, इस जन्म में बहस नहीं जीत सकते. आपको उनकी बात कितनी भी गलत लगे, व्यक्त न करें. अपने पर कंट्रोल करें. यही आपकी सेहत के लिए बेहतर होगा. महिलाओं का अपना ही लॉजिक होता है जो पुरुषों के लॉजिक से बिल्कुल मैच नहीं करता. इसलिए समझाने का बीड़ा न उठाएं. जब सीता मैया को लक्ष्मण जी स्वर्ण मृग की मायावी उपस्थिति का तर्क देकर न समझा सके, तो आप किस खेत की मूली हैं?

4. **सीक्रेट** : औरतों के पेट में कोई बात नहीं पचती, यह मुहावरा तो आपने सुना ही होगा. मुहावरे ऐसे ही हवा में थोड़े ना बनते हैं. समझदारी इसी में है कि पत्नी को उतनी ही बात बताएं, जितनी बताने से काम चल जाए. पुरुष 'कल क्या खाया था या पहना था,' याद नहीं रखते, और महिलाएं? हिस्ट्री में भले कमजोर हों, लेकिन उनके अपने रिसेप्शन में किसने क्या पहन रखा था, किसने क्या दिया था, किसने क्या कहा था, सब याद रहता है. आप कोई बात पत्नी के साथ शेयर कर भूल जाते हैं, पर वह इस बात को कब, कहां, हथियार की तरह इस्तेमाल कर लेगी, खुदा भी नहीं जानता. पत्नी को डार्क में न रखें लेकिन ऑफिस, दोस्त, रिश्तेदार आदि से जुड़ी बातें कम से कम शेयर करें. चैन से रहिएगा.

5. **शॉपिंग** : पत्नी शॉपिंग के लिए जाना चाहती है, तो जाने दें. ऑनलाइन कुछ मंगा रही है, तो मंगाने दें. "कल ही तो गई थी," "पिछले सप्ताह ही तो खरीदा था," "इसकी क्या जरूरत है" जैसे वाक्य बोलकर घंटों प्रवचन सुनने का बीड़ा न उठाएं. उनके फेवरेट सीरियल के बीच खाने-पीने की फरमाइश करने से बचें. जब वह मां-बहन से वह गुफ्तगु कर रही हो, तो बीच में खलल न डालें. इससे घर की आवोहवा में ताजगी बनी रहेगी. समझ रहे हैं न आप मेरी बात!

मूल मंत्र फिल्म 'सफर' में मुकेश ने कितना सही गाना गाया है – "जो तुमको है पसंद वही बात करेंगे, तुम दिन को अगर रात कहो, रात कहेंगे." खुशहाल वैवाहिक जिंदगी का यह मूल मंत्र है, याद रखें. खुदा ने स्त्री और पुरुष को अलग-अलग आदतों से नवाजा है. दोनों एक-दूसरे को बदलने की कोशिश न करें, बल्कि एक-दूसरे की आदतों को समझें और उनका सम्मान करें.

प्रकृति पर निछावर बेफिक्री के पल

जिस आसमान पर कबूतर, शफ़क़, पतंग और सितारे न हों, ऐसे आसमान की तरफ़ नज़र उठा कर देखने को जी नहीं चाहता... शायर मुश्ताक अहमद यूसुफी की ये पंक्तियां हमारे-आपके दिल को ही तो बयां करती है. आज का दौर कुछ ऐसा ही हो रहा कि जहां सिर उठाएं तो आसमां की जगह कंक्रीट के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ से नजर आते. कौवे और बुलबुल ने आंगन या मुंडेर पर आना छोड़ दिया है. विकास के रथ पर सवार हो कर हम आगे तो बढ़ रहे, पर जैसे हरियाली की कीमत पर. कंक्रीट का जंगल जैसे जैसे बढ़ रहा, हरियाली को लेकर हमारी तलब भी उतनी ही बढ़ रही. कितना सुकून देती है हरियाली. नजरों भर आकाश हो, पांवों तले हरी घास. कलकल करता झरना तो मन के तारों को झंकृत सा कर जाता है.

प्रकृति की गोद में जाकर हम जैसे रिचार्ज हो जाते. ऐसा लगता है मानों जिंदगी की परेशानियों से जूझने के लिए नई ऊर्जा से मिल गई. पर कहां मौका मिल पाता है कि प्रकृति की इस सुंदरता पर अपने कुछ बेफिक्र पल न्यौछावर कर दें. यह सच है कि हम सब चाहते हैं किसी प्राकृतिक स्थल पर जाना, पर हर बार यह सुयोग कहां बन पाता है. जी हां, कभी हम छुट्टियों का रोना रोते हैं तो कभी जेब की हालत हमारे इस ख्वाब को पूरा होने से रोकती है. आइए, कुछ ऐसे उपाय ढूंढे जिससे कंक्रीट के जंगल में रहते हुए भी प्रकृति के सौन्दर्य को निहारने का मौका मिल जाए. ऐसी कोशिश करते हैं जिससे भले हम प्राकृतिक स्थल तक नहीं पहुंचे, प्रकृति ही हमसे मिलने आ जाए.

महसूस करें पानी की आवाज

दोपहर का खाना ऑफिस में अपने डेस्क की बजाय ऑफिस कैंपस या पास के किसी फाउंटेन के नीचे बैठकर लेने की कोशिश करें. अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट मिलिया ऑक्टन कहती हैं कि इस दौरान सांसों की गति थोड़ी धीमी रख कर करीब पांच से दस मिनट तक पानी की आवाज को महसूस करने की कोशिश करें. अगर फाउंटेन सहज उपलब्ध नहीं तो इन दिनों सहज हो रही बारिश की आवाज को ही महसूस करें. बेलगाम दिमाग को शांत करने में पानी कितना असरदायक है, आप खुद महसूस करेंगे.

फूलों की खूशबू, पत्तों की हरियाली

आपके घर के आसपास, दफ्तर के रास्ते में कभी किसी हरी-हरी पत्तियों से भरे पेड़, सुगंधित फूलों से लदी डाली, सुन्दर टहनियों ने आपके कदम रोके हैं. शायद नहीं. आने जाने की हड़बड़ाहट में कभी ठहरे ही कहां आप. इस बार कुछ पल प्रकृति के सौन्दर्य को महसूस करने में गुजारें. उसकी खूबसूरती को निहारें. कमरे की खिड़की को खोल कर फैलाएं अपनी आंखों को. सामने जो पेड़ दिख रहा, उसे निहारें. उसकी पत्तियों और डालियों की खूबसूरती पर जरा ठिठकें. हवा के साथ पत्तियों के हिलने का संगीत महसूस करें. वैज्ञानिक मोर्टाली कहते हैं कि प्रकृति पर मोहित होने के ये कुछ पल आपकी ध्यान शक्ति में इजाफा करेंगे, वहीं काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी.

समेट लाएं घर में

आपकी आंखों को हक है हरियाली निहारने का. इसके लिए बाग, बगीचे और मुक्कमल जगह आपके घर हो ही, इसकी दरकार नहीं. आप अपनी बालकोनी, विंडो स्पेस, बरामदे और ऑफिस के डेस्क पर भी हरियाली समेट सकते. स्पाइडर प्लांट, जेड, मनी प्लांट, पीस लिली जैसे प्लांट दीवारों के भीतर हरियाली समेटने का खूबसूरत माद्दा रखते हैं. ऑफिस वर्क प्लेस हो या खिड़की का एक छोटा सा कोना, लगा कर देखिए इन पौधों को....थकान कम होगी, आंखों को सुकून मिलेगा और मूड बेहतर होगा.

कुछ पल इनके पास

टहलने के लिए तो सुबह या शाम आप पार्क, बगीचे आदि जगहों पर जाते ही होंगे. क्या इस दौरान कोई ऐसा पेड़ दिखता है जहां मन जरा ठिठक सा जाता है. कुछ फील गुड सा होता है. कुछ पल को ऐसे ही किसी पेड़ के नीचे बैठ जाएं, और आंखों में सांसों के आने जाने को महसूस करें. पेड़ों के आसपास गुजर रही हवा को महसूस करें. कुछ ही दिनों में आपको इस प्रैक्टिस के लाभ महसूस होंगे. अभ्यास के बाद आंखें खोल कर अपने परिवेश को महसूस करें. अगर एक निश्चित जगह कुछ दिनों तक लगातार आप यह करते हैं तो संभव है कुछ दिनों बाद प्रकृति के सूक्ष्म बदलावों से आप आश्चर्यचकित से रह जाएं. इतना तय है कि प्रकृति के साथ आपका रिश्ता इससे मजबूत होगा.

पन्नों पर करें कैद

आसमां में झुंड बना कर उड़ती चिड़ियां कितनी खूबसूरत लगती हैं. बारिश की बूंदों के बीच किसी पेड़ के पत्तों के बीच बचने की कोशिश करता नन्हां परिंदा, अपनी चहचहाहट से आपका ध्यान खींच लेने वाले पक्षी, चोंच में तिनका लेकर आशियाने का ख्वाब बुनता परिंदा, उगता सूरज, कल फिर आने का वादा करके दूर कहीं आसमां में डूबता सूरज, मानसून में लुकाछिपी खेलता सा सूरज, फूल, पौधे, किसी बगीचे में फुदकते नन्हें खरगोश, कहीं किसी खिड़की से झांकती बिल्ली....क्या प्रकृति का यह सौन्दर्य आपके भीतर हलचल नहीं जगाता. मन नहीं करता उकेर दूं इन्हें कैनवास पर या फिर शब्दों में ढाल कर इन्हें अपनी डायरी के पन्नों में समेट लूं. इस बार प्रकृति के बीच कागज, कलम और ब्रश के साथ पहुंचे. जो महसूस करें, उसे लिखने की कोशिश करें या फिर रेखाचित्र में उकेरें. संभव है चिड़ियों की चहचहाहट, बादलों के रंग, सूरज का डूबना या किसी फूल का खिलना आपके कागज पर कविता बन सिमट जाए या रंगों का खूबसूरत जादू कैनवास पर बिगड़ जाए. बेशक इसके लिए लंबे अभ्यास की दरकार है, पर एक बार यह सध गया तो आपके मन को सुकून देगा. दूसरों को भी प्रेरित करेगा.

हरी दूब पर आपके पांव

बाहर जब भी निकलती हैं, सैंडल, जूते, चप्पल पहन कर ही. धूल गंदगी ये बचाने के लिए जुराबें पहनन भी अच्छा लगता है. पर इस बार जब पार्क जाएं तो संभव हो तो नंगे पांव टहलें. शोधकर्ताओं का कहना है कि नंगे पांव जब हम टहलते हैं तो पृथ्वी के तत्वों से जुड़ने का मौका मिलता है. बेहतर तो होगा कि पार्क की हरी घास में टहले, पर यदि वह उपलब्ध नहीं तो पार्क के कंक्रीट पर ही जूते उतार कर टहलें. पृथ्वी की सतह के मुक्त इलेक्ट्रॉनों से जुड़ने का मौका मिलेगा. धरती की स्थिरता को महसूस करेंगे. यह आपके दिमाग को शांत करेगा.

खुशबू का माद्दा

सुकून और बेफिक्री के पलों में भीनी भीनी खुशबू....आह! अहसास ही मन में उमंग घोल देता है. घर की बालकोनी या विंडो स्पेस में बागवानी करती हैं तो कुछ पौधे सुगंध के लगाएं. रजनी गंधा, रात की रानी, मोगरे, बेली, जूही, चंपा के पेड़ अच्छे विकल्प हैं. रेडिमेड बिना परेशानी के कुछ आजमाना चाहती हैं तो एक बढ़िया टूल एसेंशियल ऑयल डिफ्यूजर है. शोध में जाहिर हुआ है कि पाइन ट्री की सुगंध हमारे नर्वस सिस्टम को सुकून देने का माद्दा रखती है. इससे हमारी प्रतिरोधात्मक क्षमता भी बढ़ती है. साइप्रस, एवरग्रीन और पाइन के एसेंशियल ऑयल इसके लिए बहुत लाभप्रद हैं.

एकाग्रता बढ़ाएगा मंत्र ध्यान

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

हमारा दिमाग दिन भर में लाखों विचारों को प्रोसेस करता है. हालाकि, कुछ विषय ऐसे होते हैं जो हमारे दिमाग में घर कर जाते हैं और हमें परेशान करते रहते हैं. यह आपको मानसिक रूप से थका सकता है. इस कारण ना तो आप किसी काम पर फोकस कर पाते हैं और ना ही इसके लिए कोई समाधान खोज पाते हैं. ऐसे में ध्यान दिमाग को आराम देने के लिए प्रभावी तरीकों में से एक है.

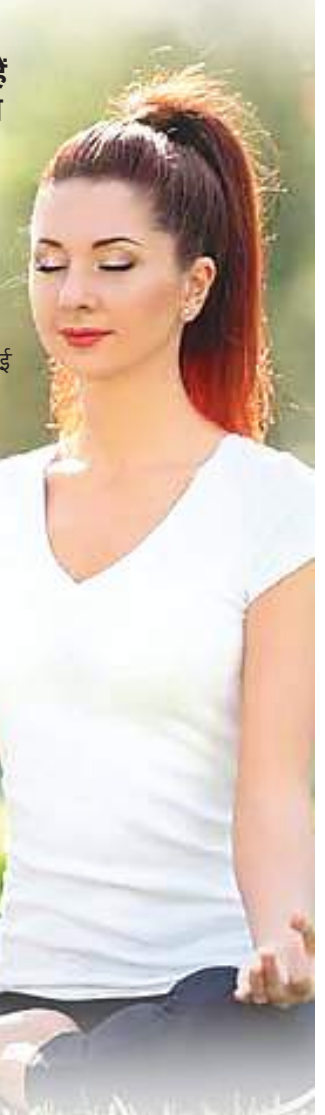

मंत्र ध्यान क्या है?

मंत्र ध्यान किसी ध्वनि, शब्द (जिसे मंत्र कहा जाता है) का जोर से या चुपचाप उच्चारण करके मन को शांत करने और ध्यान केंद्रित करने की प्रक्रिया है. मंत्र ध्यान का उद्देश्य आध्यात्मिक विकास, या मन की शांति के लिए है. मंत्र एक संस्कृत शब्द है, जिसमें मन का अर्थ है मन और त्र का अर्थ है मुक्ति. मंत्र का उपयोग करने से जागरूकता बढ़ती है और एकाग्रता में सुधार होता है. चूंकि यह आपको ध्यान केंद्रित रखने में मदद करता है, इसलिए इससे ध्यान से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं.

मंत्र मेडिटेशन करने का सही तरीका

सबसे पहले मेडिटेशन करने का समय चुनें. आप इसे कभी भी कर सकते हैं लेकिन सुबह के समय यह अधिक फायदेमंद है. ऐसी जगह चुनें जहां कोई आपको परेशान न कर सके. आपको किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और किसी भी व्यक्ति से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए. आप शांतिपूर्ण जगह चुनें. अब आंखें बंद कर लें और किसी भी चीज़ पर अपना ध्यान फोकस करें. यह कोई वस्तु, भगवान का मुख या कोई अन्य चीज़ हो सकती है. अब आप जिस भी मंत्र को पसंद करते हैं, या जो मंत्र आपके याद है या जिसमें आप आस्था रखते हैं उसका उच्चारण करें. आप चाहें तो ध्वनि के साथ या फिर मन में ही इसे दोहरा सकते हैं. आप मंत्र की जगह कोई भी शब्द, शब्दों का समूह या वाक्य को दोहरा सकते हैं जो कि आपको शांति देता हो या प्रेरित करता है. मंत्र के जाप के साथ-साथ गहरी सांस लेते रहें और छोड़ते रहें. इस दौरान अपनी सांसों पर ध्यान दें और फोकस हटने ना दें. जितनी देर आप सहज हों, उतनी देर इसका अभ्यास करें. धीरे-धीरे आप समय बढ़ा सकते हैं.

मंत्र मेडिटेशन के फायदे

मंत्र मेडिटेशन उन विचारों को कम करता है जो आपके दिमाग को भटकाते हैं और यह जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है. यह दिमाग को शांत करते आपको रिलैक्स करने में मदद करता है. साथ ही तनाव को दूर करता है. यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है, साथ ही इसके अभ्यास से आप सेल्फ-केयर के महत्व को समझने लगते हैं. इस मेडिटेशन के जरिए तनाव, क्रोध, ईर्ष्या और दिमाग की अन्य नकारात्मक अवस्थाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है.

मैं आपको कुछ मंत्र बताता हूं जिन्हें आप मंत्र ध्यान के दौरान जप सकते हैं :

1. गायत्री मंत्र :
ॐ भूर्भुव: स्व:
तत्सवितुर्वरेण्यम
भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो न: प्रचोदयात।।

2. शांति मंत्र
ॐ सह नाववतु।
सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।
ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति:।।

3. ॐ' का ऊंचारण
निष्कर्ष : आप अपनी पसंद के अनुसार किसी भी मंत्र का जाप कर सकते हैं.

रमता जोगी

शेक्सपीयर का यह गांव

नूपुर अशोक

कोई देश या समाज अपनी विरासत पर कितना गर्व करता है यह इससे पता चलता है कि उसने अपने साहित्य और साहित्यकारों का कितना संरक्षण किया है. शेक्सपीयर से हम सब परिचित हैं. परिचित हम प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद से भी हैं. लेकिन जितना संरक्षण इंग्लैंड ने शेक्सपीयर का किया है हम उसके आसपास भी कहीं नहीं हैं.

- **आज भी होता है वहां नाटकों का मंचन**

टेम्स नदी के किनारे ग्लोब थियेटर के नाम से उस नाट्यशाला को आज भी देखा जा सकता है जहां शेक्सपीयर के नाटकों का मंचन उनके जीवनकाल में हुआ करता था. आज भी यहां उनके ही नाटकों का मंचन होता है, हर दिन होता है और हॉल लगभग भरा हुआ रहता है, हालांकि इसके टिकटों की कीमत कुछ कम नहीं है. आज भी यहां वही पुरानी व्यवस्था है – ऊपर से खुला हुआ वृत्ताकार हॉल, लकड़ी की बेंचें, मंच के सामने हॉल के बीच में खुला हुआ आंगन, किसी माइक का कोई इस्तेमाल नहीं. आंगन के टिकट सबसे सस्ते होते हैं लेकिन यहां आप बैठ नहीं सकते और अगर बारिश होने लगे तो भीग भी सकते हैं. लकड़ी की बेंचों पर आप चाहें तो अतिरिक्त शुल्क देकर कुशन ले सकते हैं. हमने यहां शेक्सपीयर का 'मच अडो अबाउट नथिंग' देखा. उसी काल की वेषभूषा में सज्जित कलाकारों के अभिनय ने पूरे तीन घंटे दर्शकों को बांधे रखा. बिना माइक के भी एक-एक शब्द स्पष्ट था और बीच में हुई बारिश के बावजूद खुले आंगन में खड़े दर्शकों में से कोई भी नहीं हिला.

- **संरक्षित है जन्मस्थल**

शेक्सपीयर के जन्मस्थान स्ट्राट्फोर्ड ऑन एवॉन, जो लंदन से कुछ ही दूरी पर है, को भी पूरी तरह से संरक्षित रखा गया है. उनका घर, उनका स्कूल, वह थियेटर जहां उन्होंने शुरुआत की थी, उसके अंदर उस समय व्यवहार की जाने वाली वस्तुएं – सब कुछ पर्यटकों के लिए प्रदर्शित है. छोटे से इस गांव में हर दिन हजारों पर्यटक आते हैं और टिकट लेकर एक-एक जगह देखते हैं.

- **कविता के संग मानवीय संवेदना**

सबसे अधिक जिस बात ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, वह थी लंदन की रेलों के अंदर प्रदर्शित कविताएं. जहां आज एक-एक इंच जगह विज्ञापनों से भर दी जाती है, उसमें कविता के लिए जगह बनाना एक सुसंस्कृत समाज का परिचायक है। ऐसा नहीं कि वहां विज्ञापन नहीं थे, लेकिन उनके बीच जगह-जगह पर 'पोएट्री ऑन द अंडरग्राउंड' शीर्षक से छोटी-छोटी कविताएं भी प्रदर्शित थीं. हर दिन की आपाधापी के बीच मानवीय संवेदना को जगाए रखने के लिए कविता का महत्व जिस देश और समाज ने समझ लिया हो उसने मुझे यह सोचने पर विवश किया कि हम महानता के नारे तो लगाते हैं, लेकिन हमने किस साहित्यकार को और किस साहित्य को इस तरह संरक्षित करके रखा है?और अगर कहीं भूले-भटके कोई छोटी सी जगह हो भी तो कितने लोग उसके बारे में जानते हैं? कितने लोग वहां जाने में रुचि रखते हैं? मनसा-वाचा-कर्मणा में से हम केवल 'वाचा' यानी बातों में ही उलझे हुए हैं. मन और कर्म से अपनी विरासत के प्रति अपने प्रेम को, अपने गर्व को हम कब प्रदर्शित करेंगे?

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ईस्ट बंगाल एएफसी चैलेंज लीग में नेजमेह, बंसुधरा किंग्स और पारो के साथ

कुआलालंपुर । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब ईस्ट बंगाल को एएफसी चैलेंज लीग के ग्रुप ए में लेबनान के क्लब नेजमेह एससी, बांग्लादेश के बंसुधरा किंग्स और भूटान के पारो एफसी के साथ रखा गया है. ग्रुप ए के मुकाबले थिम्पू में चांगलिमिथांग स्टेडियम में खेले जायेंगे. ईस्ट बंगाल ने इस साल कलिंगा सुपर कप में खिताब की बदौलत इस प्रतियोगिता में जगह बनाई. इस महीने के शुरु में ईस्ट बंगाल ने एएफसी चैम्पियंस लीग दो के लिए क्वालीफाइंग मैच खेले थे, जिसमें उसे तुर्कमेनिस्तान के एल्टिन असिर एफसी से 0-2 से हार मिली थी, जिससे वह एएफसी चैलेंज लीग में रेलीगेट हो गई थी.

सतीश जापान ओपन के दूसरे दौर में हारे

योकोहामा (जापान)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करूणाकरन ने गुरुवार को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में थाईलैंड के कंटाफोन वांगचारोएन के खिलाफ हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की. सतीश (23 साल) 70 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 40वें नंबर के खिलाड़ी से पहले गेम की बढ़त गंवाकर 21-18 18-21 8-21 से हार गये. इस तरह टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी खत्म हो गई.

कभी कभार थोड़े से भाग्य की जरूरत होती है : द्रविड़

मुंबई । महान क्रिकेटर राहुल द्रविड़ मानते हैं कि कभी कभी थोड़ी सी किस्मत भी बड़े मैच के नतीजों को प्रभावित कर सकती है जिसके लिए उन्होंने वनडे विश्व कप फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार और अपनी टीम की टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार जीत का उदाहरण दिया. भारत पिछले साल लगातार 10 मैच में जीत के बाद वनडे विश्व कप फाइनल में पहुंचा था लेकिन टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम जब खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी तो उसके लिए कुछ भी कारगर नहीं था.

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें लिया गया निर्णय, पूर्व अध्यक्ष लंदन चले गए हैं

फारूक अहमद ने बीसीबी के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

भाषा। ढाका

पूर्व क्रिकेटर और मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद को नजमुल हसन पापोन की जगह बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. बीसीबी ने बुधवार को एक आपात बैठक की, जिसमें 58 वर्षीय अहमद को अध्यक्ष चुना गया.

नजमुल हसन ने देश में व्याप्त राजनीतिक अशांति के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और वह अभी अपनी पत्नी के साथ लंदन में हैं. उनका बीसीबी अध्यक्ष के रूप में यह चौथा कार्यकाल था. नजमुल हसन 2009 से शेख हसीना की अगुवाई वाली पार्टी अवामी लीग के सांसद थे. उन्होंने 16 अन्य निदेशकों के साथ पांच अगस्त को ढाका छोड़ दिया था. बांग्लादेश में व्याप्त अशांति के बीच शेख हसीना की सरकार को बर्खास्त कर दिया गया थाऔर उसकी जगह अंतरिम सरकार ने कामकाज संभाला.

नजमुल हसन पापोन

फारुख अहमद

क्रिकबज के अनुसार फारूक ने कहा, मैंने पहले चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि मैंने इस व्यवस्था का विरोध किया था. अब मेरा लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली बनाना है जो बोर्ड को सुचारू रूप से चला सके. फारूक ने 1988 और 1999 के बीच बांग्लादेश के लिए सात वनडे मैच खेले. उन्होंने दो बार (2003 से 2007 और 2013 से 2016 तक) बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी काम किया. उन्होंने चयन प्रक्रिया पर असहमति के बाद अपना दूसरा कार्यकाल पूरा किए बिना ही इस्तीफा दे दिया था.

इस बीच राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने जलाल यूनुस और अहमद सज्जादुल आलम की जगह अहमद और एक प्रमुख स्थानीय कोच नजमुल आबेदीन को अपना नया निदेशक नियुक्त किया. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने स्टार क्रिकेटर और अवामी लीग के विधायक शाकिब अल हसन को पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेलने अनुमति दे दी, लेकिन फारूक ने कहा कि वह इस ऑल राउंडर की स्थिति पर चर्चा करेंगे. उन्होंने कहा, हम शाकिब की स्थिति पर चर्चा करेंगे और यह भी देखेंगे कि क्या वह मौजूदा परिस्थितियों में खेलना जारी रख सकते हैं. हम दौरे के दौरान खिलाड़ियों के आचरण के संबंध में नियमों को जोड़ने पर भी विचार कर रहे हैं. बीसीबी अध्यक्ष ने चंडिका हथुरुसिंघा को राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में बरकरार नहीं रखने पर भी अपना रुख दोहराया.

उन्होंने कहा, मुझे चंडिका हथुरुसिंघा के साथ अनुबंध के बारे में विस्तार से पता नहीं है लेकिन इस बारे में मेरी राय पहले की तरह ही है. मैंने पहले जो कहा था, मैं अब भी उस पर कायम हूं.फारूक ने कहा था कि अगर वह अध्यक्ष बनते हैं तो श्रीलंका के इस पूर्व क्रिकेटर की सेवाएं समाप्त कर देंगे.

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने खिलाड़ियों को दी बधाई

ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम को किया सम्मानित

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस में ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कुछ सदस्यों को गुरुवार को यहां सम्मानित किया. पेरिस ओलंपिक में भारत ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता था. पटनायक की अगुवाई वाली ओडिशा की पिछली सरकार ने भारतीय हॉकी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई थी. ओडिशा 2018 से राष्ट्रीय पुरुष और महिला टीमों को प्रायोजित कर रहा है. पटनायक ने उम्मीद जताई की भारतीय टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतेगी. पटनायक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि अगली बार आप स्वर्ण पदक लाएंगे. इस मौके पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की के साथ सुमित, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक और संजय मौजूद थे. सुमित ने उस समय हॉकी का समर्थन करने के लिए पटनायक को धन्यवाद दिया जब खेल को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी. उन्होंने कहा,मैं नवीन पटनायक सर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं, खासकर हॉकी इंडिया और पूरी टीम की ओर से हॉकी के प्रति उनके अपार समर्थन के लिए. जब भारतीय हॉकी का कोई प्रायोजक नहीं था, तब उन्होंने आगे बढ़कर टीम को इतनी बढ़ी प्रायोजन राशि दी.

कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम को सम्मानित करते पूर्व सीएम नवीन पटनायक.

स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ मिले

ललित ने कहा कि ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री ने व्यापक पैमाने पर इस खेल का उद्धार किया. सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि हॉकी में नवीन पटनायक सर की भूमिका एक नायक की है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने हॉकी के लिए जो कुछ भी किया है वह अकल्पनीय है. जब वहां कोई नहीं था तब उन्होंने हॉकी का हाथ थामा. सर ने ओडिशा को भारत की खेल राजधानी बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इससे पहले भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया था और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया. राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने टीम के सदस्यों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की, जिसमें राज्य के स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ रुपये दिए गए.

हॉकी खिलाड़ी नीलकांत शर्मा को मणिपुर पुलिस ने सम्मानित किया.

ओलंपियन मीराबाई चानू, नीलकांत शर्मा सम्मानित

इंफाल । पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू और हॉकी खिलाड़ी नीलकांत शर्मा को यहां मणिपुर पुलिस ने सम्मानित किया. यहां जारी बयान के अनुसार पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने यहां एक समारोह में मीराबाई और नीलकांत को सम्मानित किया. नीलकांत पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे. भारत ने तीसरे स्थान के मैच में स्पेन को हराकर लगातार दूसरे ओलंपिक खेल में कांस्य पदक हासिल किया. बयान के अनुसार, मणिपुर पुलिस को उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में हर संभव प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया जाता है. मीराबाई राज्य पुलिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हैं, जबकि नीलकांत भारतीय रेलवे में काम करते हैं.

मेकॉन क्रिकेट टीम के लिए कोच का चयन, इंटरव्यू आठ सितंबर को

संवाददाता। रांची

मेकॉन क्रिकेट टीम के लिए मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आठ सितंबर को सत्र 2024-25 के लिए क्रिकेट कोच का चयन किया जाएगा. मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के सचिव पी के दास ने बताया कि मेकॉन स्टेडियम में आठ सितंबर को कोच के उम्मीदवारों का इंटरव्यू होगा. उम्मीदवार को अपने करियर के दौरान कम से कम 10 मैचों के लिए सीनियर स्टेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट खेलने का अनुभव होना चाहिए. साथ ही जिला क्रिकेट टीम या किसी भी सार्वजनिक उपक्रम की क्रिकेट टीम के साथ कोचिंग का अनुभव होना चाहिए. चयनित उम्मीदवार को मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के दिशा-निर्देशों के अनुसार अभ्यास सत्रों में भाग लेने के लिए शारीरिक और चिकित्सकीय रूप से फिट होना चाहिए और वर्तमान में किसी भी क्लब/क्रिकेट टीम के साथ खिलाड़ी के रूप में पंजीकृत नहीं होना चाहिए. उम्मीदवारों को मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के क्रिकेट विंग के सचिव विकास कुमार सिंह को रिपोर्ट करना है.

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच मुकाबला दो सितंबर को

भाषा। लखनऊ

नवाबों का शहर लखनऊ पहली बार दो परंपरागत प्रतिद्वंद्वी फुटबॉल टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच जोरदार मुकाबले का गवाह बनेगा. यह मुकाबला आगामी दो सितंबर को राजधानी के के.डी. सिंह ''बाबू'' स्टेडियम में खेला जाएगा. प्रदेश के खेल निदेशक आरपी. सिंह ने गुरुवार को बताया कि मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच दो सितंबर को होने वाले इस मुकाबले की तैयारियां तेज कर दी गयी हैं. यह मैच दूधिया रोशनी में खेला जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मुकाबला देखने आयेंगे. उन्होंने बताया कि लखनऊ में पहली बार देश की दो बड़ी फुटबॉल टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा. इसमें 10 हजार दर्शकों के जुटने की संभावना है. मुकाबले की तैयारियों के तहत स्टेडियम में हाल ही में लगी फ्लड लाइट का परीक्षण का काम शुरू कर दिया गया है. इसके अलावा खिलाड़ियों के लिये ड्रेसिंग रूम व अन्य सुविधाओं का प्रबंध किया जा रहा है. सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पिछले दिनों लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी. इस दौरान उन्होंने प्रदेश में फुटबॉल के विकास की अच्छी सम्भावनाएं बताते हुए राज्य में इस खेल को बढ़ावा देने की जरूरत जतायी थी.

एम्मा नवारो मॉन्टेरी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। मॉन्टेरी (मैक्सिको)

अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने गुरुवार को यहां तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 3-6, 7-5, 7-6 (2) से हराकर मॉन्टेरी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. नवारो हार्ड कोर्ट पर खेली जा रही इस डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता के अंतिम आठ में पोलैंड की नौवीं वरीयता प्राप्त मैग्डेलेना फ्रेच से भिड़ेंगी, जिन्होंने एक अन्य मैच में लीना ग्लुशको को 6-7 (2), 6-3, 6-1 से हराया. इससे पहले बुधवार को तीसरी वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने स्थानीय खिलाड़ी रेनाटा ज़राज़ुआ को 6-3, 6-4 से हराया. अलेक्जेंड्रोवा का सामना सातवीं वरीयता प्राप्त चीन की यू युआन से होगा, जिन्होंने पेट्रा मार्टिच को 6-4, 6-1 से पराजित किया. पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी.

क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिन्होंने ज़ियू वांग पर 6-4, 7-6 (11) से जीत दर्ज की. एक अन्य क्वार्टर फाइनल में एरिका एंड्रीवा का मुकाबला लुलु सुन से होगा. 17 वर्षीय एंड्रीवा ने एक दिन पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिएल कोलिन्स को हराया था.

लीड्स, बर्मिंघम, लॉर्ड्स, मैनचेस्टर, ओवल में मैच

लंदन। डब्ल्यूटीसी के अपने अगले चक्र का आगाज इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ करेगी, जिसका शुरुआती मुकाबला 20 जून को हेडिंग्ले में होगा. अगला डब्ल्यूटीसी चक्र 2025 से 2027 तक चलेगा. ईसीबी ने रणनीतिक रूप से उन स्थानों पर मैच रखे हैं जहां इंग्लैंड के स्विंग गेंदबाजों को विशेष लाभ मिलेगा. दूसरा टेस्ट दो से छह जुलाई तक बर्मिंघम के एजबेस्टन में होगा. तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई के बीच लॉर्ड्स मैदान पर होगा, जबकि मैनचेस्टर का ओल्ड ट्रैफर्ड 23 से 27 जुलाई के बीच चौथे टेस्ट की मेजबानी करेगा. यह दौरा 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में अंतिम टेस्ट होगा.

ससेक्स ने पुजारा से करार खत्म किया

लंदन। भारत के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा अगले साल की काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम में वापसी नहीं करेंगे, क्योंकि इंग्लैंड के क्लब ने ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज की सेवाएं बरकरार रखने के लिए उन्हें कार्यमुक्त करने का विकल्प चुना है. बाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे.

पहली पारी में सऊद शकील और रिजवान ने ठोंके शतक

एजेंसी। रावलपिंडी

पाकिस्तान और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जा रहा है. गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन पाकिस्तान ने छह विकेट खोकर 448 के स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की. टीम से सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने सेंचुरी लगाई. बांग्लादेश ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पारी शुरू कर दी. टीम ने 12 ओवर में बगैर नुकसान के 27 रन बना लिए. पाकिस्तान ने पहले दिन चार विकेट पर 158 के स्कोर पर अपनी पारी खत्म की थी. शकील 57 और रिजवान 24 रन बनाकर नॉटआउट थे. दोनों ने पारी आगे बढ़ाई और पाकिस्तान को 200 के पार पहुंचा दिया. पहले सेशन में टीम ने कोई विकेट नहीं गंवाया और 256 रन बना दिए. रिजवान 89 और शकील 86 रन बनाकर नॉटआउट रहे.सेकेंड सेशन में रिजवान और शकील दोनों ने सेंचुरी जड़ दीं. दोनों यहीं नहीं रुके और टीम का स्कोर 350 के पार भी पहुंचा दिया. शकील 141 रन बनाकर आउट हुए और उनकी रिजवान के साथ 240 रन की पार्टनरशिप टूट गई. तीसरे सेशन में 14 ओवर का खेल बाकी था, तभी पाकिस्तान ने पारी डिक्लेयर कर दी. रिजवान 171 रन बनाकर नॉटआउट रहे, उनके साथ शाहीन अफरीदी 29 रन बनाकर नॉटआउट लौटे. सलमान अली आगा 19 रन बनाकर शाकिब अल हसन का शिकार हुए.

क्लब थ्रोअर प्रणव सूरमा की नजर पैरालंपिक में पदक जीतने पर

पेरिस पैरालंपिक

भाषा। नयी दिल्ली

ऐसा अक्सर नहीं होता है कि जीवन बदल देने वाली दुर्घटना से अपाहिज हुआ कोई व्यक्ति उस त्रासदी को अपने लिए वरदान बना दे लेकिन जल्द ही पैरालिंपियन बनने वाले प्रणव सूरमा ने ऐसा ही कुछ कर दिखाया. वह तब 16 साल के थे जब 2011 में उनके घर की छत उनके ऊपर गिर गई. उनकी जिंदगी व्हील चेयर तक सिमट गई थी लेकिन उन्होंने हौसला बनाए रखा और अब वह 28 अगस्त से पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने की तैयारी में लगे हुए हैं.

पेशे से बैंकर सूरमा ने पीटीआई से कहा, मेरी शुरू से खेलों में रुचि रही है, लेकिन मैंने कभी खेल को करियर विकल्प के रूप में नहीं लिया लेकिन मैं हमेशा अपने जीवन में कुछ अच्छा करना चाहता था और विडंबना यह है कि मुझे यह तब मिला जब मैं लकवाग्रस्त हो गया. मैं इसे अपने लिए आशीर्वाद मानता हूं. सूरमा 30.01 मीटर के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में मौजूदा एशियाई चैंपियन हैं. पैरालंपिक खेलों में उन्हें पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. मैंने खेल को अपनी पहचान बनाने के अवसर के रूप में लिया. मुझे 2016 में रियो पैरालंपिक के दौरान पैरा खेलों के बारे में पता चला. मैं तैराक बनना चाहता था, लेकिन मेरी मेडिकल स्थिति को देखते हुए यह संभव नहीं था. मुझे टेबल टेनिस पसंद था लेकिन मुझे प्रशिक्षित करने के लिए कोई अच्छा कोच नहीं मिला.

प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से वाणिज्य स्नातक 29 वर्षीय सूरमा ने कहा, फिर मेरे जीवन में नरसी राम सर (एक पैरा-एथलेटिक्स कोच) आए. उन्होंने मुझे एथलेटिक्स से परिचित कराया और आखिरकार मैंने क्लब थ्रो करना शुरू कर दिया. वह वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा में सहायक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं. यह नौकरी उन्हें प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के बाद मिली थी. क्लब थ्रो में जहां तक संभव हो लकड़ी के क्लब को फेंकना होता है. यह हैमर थ्रो की तरह ही है जिसमें खिलाड़ी अपने कंधों और भुजाओं से ताकत लगाते हैं. सूरमा ने उनका समर्थन करने के लिए अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और पेरिस पैरालिंपिक में पदक जीतकर उन्हें समर्पित करना चाहते हैं. मुझे अपने परिवार से बहुत समर्थन मिला. मेरे पिता (संजीव) ने मेरी देखभाल करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी और मेरी मां ने परिवार का खर्च उठाया.

सिंकफील्ड कप : मास्टर डी गुकेश ने प्रज्ञाननंदा के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के अंतिम टूर्नामेंट सिंकफील्ड कप के तीसरे दौर में हमवतन आर प्रज्ञाननंदा के खिलाफ मुश्किल परिस्थितियों में होने के बावजूद बाजी ड्रॉ कराई. एक समय लग रहा था कि यह बाजी आसानी से ड्रॉ हो जाएगी, लेकिन तभी गुकेश गलती कर बैठे. प्रज्ञाननंदा हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और आखिर में दोनों भारतीय खिलाड़ी अंक बांटने पर सहमत हो गए. यह दोनों अभी समान 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं. प्रज्ञाननंदा ने 2022 के बाद क्लासिकल बाजी में गुकेश को नहीं हराया है. फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोज़ा ने भी कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद हमवतन मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराई. फिरोजा दो अंक लेकर रूस के इयान नेपोम्नियाचची के साथ अभी शीर्ष पर बने हुए हैं. उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव भी अच्छी स्थिति में दिख रहे थे, लेकिन उन्हें एक गलती बेहद महंगी पड़ी जिसका फायदा उठाकर फैबियानो कारूआना टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने में सफल रहे. तीसरे दौर में दूसरे विजेता नेपोम्नियाचची थे.

आईपीएल — जहीर इससे पहले मुंबई इंडियंस के वैश्विक विकास के प्रमुख रह चुके हैं

लखनऊ के मेंटर के रूप में वापसी कर सकते हैं जहीर

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में इस टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं. यह 45 वर्षीय क्रिकेटर इससे पहले मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास का प्रमुख था. उन्होंने इसी फ्रेंचाइजी में 2018 से लेकर 2022 तक क्रिकेट निदेशक का पद भी संभाला था. जहीर खान पहले 10 सत्र में एक क्रिकेटर के रूप में आईपीएल से जुड़े रहे. इस बीच उन्होंने तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की तरफ से कुल मिलाकर 100 मैच खेले जिनमें उन्होंने 7.59 की इकोनॉमी रेट से 102 विकेट लिए. ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर खान की लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के मेंटर पद के लिए फ्रेंचाइजी से बातचीत चल रही है. यह फ्रेंचाइजी गौतम गंभीर के जाने के बाद टी20 क्रिकेट से अच्छी तरह वाकिफ किसी भारतीय पूर्व क्रिकेटर को अपने कोचिंग स्टाफ में जोड़ना चाहती है. गंभीर के रहते हुए लखनऊ की टीम 2022 और 2023 में दो बार प्ले-ऑफ में पहुंची थी. भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर 2023 के आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए थे और उन्होंने इस साल इस फ्रेंचाइजी को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. इसके बाद उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया. लखनऊ को अपने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की सेवाएं भी नहीं मिलेगी.

भारतीय कोच की तलाश में है पंजाब किंग्स

इस बीच पंजाब किंग्स ट्रेवर बेलिस की जगह है किसी भारतीय खिलाड़ी को मुख्य कोच नियुक्त करने का इच्छुक है. रिपोर्टों के अनुसार पंजाब वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य कोच नियुक्त करना चाहता था लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि भारत के पूर्व बल्लेबाज ने बीसीसीआई की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ा दिया है.

ब्रीफ खबरें

दो दिन से लापता किशोर का मिला शव

नालंदा । नालंदा में मंगलवार से लापता एक किशोर का शव उसके अपने ही खंडहरनुमा घर से गुरुवार को बरामद किया गया है. मामला हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत विद्यापुरी मोहल्ले का है. मृतक की पहचान अरुण विश्वकर्मा के (16) वर्षीय पुत्र दिलखुश कुमार के रूप में की गई है. घटना के संबंध में दिलखुश के पिता अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि मंगलवार को 9:00 बजे तक बेटे से बात हुई थी. इसके बाद से उसका फोन रिंग हो रहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पा रही थी. काफी खोजबीन की गई.

सदर अस्पताल में लगी आग, मचा हड़कंप

बेगूसराय । बेगूसराय के सदर अस्पताल में आग लग गई. आग लगते ही इलाज कराने आए मरीजों और परिजनों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई. लोग जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर लोग भागने लगे. आग लगने के संबंध में यह कहा जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली बोर्ड में अचानक आग लग गई. आग लगने की जानकारी जैसे ही मरीजों को मिली. मरीज दौड़ते-पड़ते वहां से भागना शुरू कर दिए. यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के बेगूसराय सदर अस्पताल की है. घटना के बाद डॉक्टर भी चेंबर छोड़कर भाग गए और पूरे बिल्डिंग में बिजली की सप्लाई बंद कर दी गई.

कार से 68 कार्टन शराब बरामद, तस्कर फरार

फारबिसगंज/ अररिया । अररिया के पलासी में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरागाछ के समीप एक कार की तलाशी के दौरान कार से 68 कार्टून नेपाली रेशम लीची शराब बरामद किया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया. पलासी प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक कार नेपाली शराब लेकर कलियागंज होते हुए पलासी के तरफ जा रहा है. प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि फरार शराब कारोबारी को चिह्नित कर और छापामारी कर जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा.

बच्चों की गुहार

पटना : स्थानीय [illegible] के विद्यार्थियों ने कोलकाता में एक पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षु डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के विरोध में [illegible] तख्तियां लेकर मानव शृंखला बनाकर इंसाफ की गुहार लगाई.

दो बच्चों के साथ महिला ने किया सुसाइड

ग्रामीणों ने निकाली तीनों की लाशें

संवाददाता । रोहतास

रोहतास जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आ रही है. एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ आहर में कूद कर खुदकुशी कर ली है. घटना रोहतास जिले के नौहट्टा थाना अंतर्गत निमिया टीकर गांव की है. मृतकों की पहचान संजय चौहान की 26 वर्षीय पत्नी आशा देवी, उसके 6 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार और 4 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई. परिजनों का कहना है कि बुधवार की रात्रि आशा देवी पति संजय चौहान खाना-पीना खाकर घर में सो गए उसके बाद संजय चौहान की पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ आहर में कूद कर अपने और बच्चों सहित खुदकुशी कर ली है. सुबह होने पर तीनों की शव को ग्रामीणों ने आहर में देखा इसके बाद तीनों के शवों को आहर से बाहर निकाला और घटना की सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची नौहट्टा थाने की पुलिस ने मृतकों की शव पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है.

पारिवारिक विवाद के कारण हुआ ऐसा

वहीं मृत महिला के पति संजय चौहान पत्नी और दोनों बच्चों के शव को देखकर बेसुध हो गए. ग्रामीणों द्वारा पारिवारिक विवाद के कारण महिला ने अपने बच्चों के साथ खुदकुशी करने की बात कही जा रही है. पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है. मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है.

आरा में भीषण हादसा : विंध्याचल से लौट रहे थे सभी

माता-पिता समेत परिवार के पांच लोगों की हुई मौत

संवाददाता । आरा

आरा में भीषण सड़क हादसे में परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर है. मरने वाले सभी एक ही परिवार से थे. बताया जा रहा है कि सभी लोग सभी लोग एक्सयूवी गाड़ी में सवार होकर उत्तर प्रदेश के विंध्याचल से दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे. गजराजगंज थाना के बीबीगंज के पास एनएच-922 पर कार के ड्राइवर ने अपना संतुलन खो दिया. अचानक गाड़ी रोड के डिवाइडर से टकरा गई. हादसा इतना भीषण था कि हादसे में माता-पिता, बेटा-बेटी और मासूम बच्चे (पोता) की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं घर की बहु और एक बच्ची बाल-बाल बच गई है.

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया और जांच में जुट गई. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. मरने वाले सभी अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरियांव गांव के निवासी थी. सभी लोग पटना के बेली रोड स्थित अपने मकान में रहते हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई : परिजनों का कहना है कि अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरिया गांव निवासी भूपनारायण पाठक अपने पूरे परिवार के साथ उत्तरप्रदेश के विंध्यांचल मंदिर में पूजा करने गए थे. दर्शन कर सभी लोग वापस लौट रहे थे कि तब ही बीबीगंज के समीप गाड़ी चला रहे भूपनारायण पाठक के पुत्र बिपुल पाठक की आंख लग गई और तेज रफ्तार गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई. इसमें मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई. दो सदर अस्पताल लाने के दौरान दम तोड़ दिए और तीन लोग जख्मी हो गए.

मृतकों में 55 वर्षीय भूपनारायण पाठक उनकी पत्नी रेणु देवी, पुत्र विपुल पाठक, पुत्री-अर्पिता पाठक और पोता समर्थ पाठक शामिल है. जख्मी में बहु मधु पाठक, पोती-समृद्धि और भतीजी खुशी पाठक शामिल है सभी लोग सदर अस्पताल में इलाजरत है.

गाड़ी के अंदर से सड़क पर खून बह रहा था : मृतक विपुल पाठक के साला अंकित ओझा ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि आपके बहनोई का दुर्घटना हुआ है. हमलोग भागे-भागे सदर अस्पताल पहुंचे कि यहां देखे की पांच लोगों की मौत हो गई है और बहन समेत तीन लोग जख्मी हैं. स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि अहले सुबह पांच बजे बहुत जोर का आवाज हुआ. हमलोग जब मौके पर पहुंचे तो देखे की गाड़ी के अंदर से सड़क पर खून बह रहा है और गाड़ी का शीशा लॉक है. उसके अंदर कुछ लोग छटपटा रहे है. जैसे-तैसे गाड़ी के दरवाजे को तोड़ा गया और अंदर से सभी को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि गाड़ी चला रहे चालक की आंख लग गई थी. इसकी वजह गाड़ी डिवाइडर में टकरा गई.

सीएम ने एनएच-77 के निर्माणाधीन मुजफ्फरपुर बाईपास का किया निरीक्षण

नए थाना भवन का किया उद्घाटन

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में हाजीपुर फोरलेन पर पकड़ी-पताही में निर्माणाधीन बाईपास एनएच 77 का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति की जानकारी ली. इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने यहां परियोजना की समीक्षा की. इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फोरलेन के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में ही मुजफ्फरपुर-हाजीपुर बाईपास के निर्माण का फैसला लिया गया था, लेकिन जमीन अधिग्रहण सहित अन्य समस्याओं के कारण वर्ष 2012 से इस पर काम शुरू हुआ. इस फोरलेन के बचे हुए निर्माण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करा लिया जाएगा.

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं. उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में लगभग 17 किलोमीटर बाईपास के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी. इस पथ से गोपालगंज होकर उत्तर प्रदेश जानेवाले लोगों को सुविधा होगी. साथ ही पटना-मुजफ्फरपुर को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के फोरलेन की भी कनेक्टिविटी मिलेगी. मझौली से नेपाल को जोड़नेवाली सड़क एनएच 527-सी से भी आनेवाले वाहनों के लिए पटना आना-जाना आसान हो जाएगा. इसके बाद मुख्यमंत्री ने सकरी-सरैया में निर्माणाधीन तुर्की थाना भवन का निरीक्षण किया.

पूर्व मंत्री श्याम रजक ने राजद से इस्तीफा दिया

पटना । बिहार के पूर्व मंत्री श्याम रजक ने गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से इस्तीफा देते हुए धोखा दिये जाने का आरोप लगाया. रजक ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को संबोधित एक संक्षिप्त पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने घोषणा की कि वह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद के साथ-साथ दल की प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहे हैं. रजक ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसाद को संबोधित अपने पत्र में लिखा है, मैं शतरंज का शौकीन नहीं था, इसलिए धोखा खा गया. आप मोहरे चल रहे थे, मैं रिश्तेदारी निभा रहा था.

जमीन खुदाई में मिली तिजोरी निकले चांदी के सिक्के व बट

संवाददाता । मोतिहारी

मोतिहारी में जमीन की खुदाई जेसीबी से कराई जा रही थी. वहां खुदाई कर वहां के सामान जेसीबी चालक के द्वारा पावर सबस्टेशन के पीछे फेंके जा रहे थे. इसी दौरान उक्त पुरानी धातु की बंद पेटी भी खुदाई के दौरान निकली. पेटी निकलने की सूचना पर इसे देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. उक्त पेटी को स्थानीय गणमान्य लोगों के द्वारा डाकबंग्ला चौक के बगल के एक आवासीय परिसर में ले जाकर रखा गया. इसकी सूचना पर पुलिस की 112 व मधुबन पुलिस वहां पहुंची और थानाध्यक्ष संजीव मौवार व सीओ रागिनी कुमारी गुप्ता के द्वारा उक्त तिजोरी को थाने लाया गया है. उक्त बंद पेटी को पकड़ीदयाल एसडीएम अविनाश कुमार की देखरेख में गैस कटर से काटा गया. इसके अंदर पुराने कागजात, पुराने सिक्के, बंदूक का एक बट, चांदी का सिक्का पाया गया है. अब इसमें प्राप्त कागजात व पुराने सिक्कों की जांच कराई जाएगी.

कारोबार

लार्सन एंड टुब्रो को मिला बड़ा ठेका

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग व निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को महाराष्ट्र में एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. एलएंडटी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि ठेका एलएंडटी की परिवहन बुनियादी ढांचा इकाई को मिला है. कंपनी ने ठेके के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. हालांकि, वह 2,500 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये तक के ठेकों को बड़ा बताती है. नगर नियोजन योजना दो से सात में एकीकृत बुनियादी ढांचा विकास का ठेका मिला है.

कीस्टोन 900 करोड़ का करेगी निवेश

नयी दिल्ली । कीस्टोन रियलटर्स चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आवासीय परियोजनाओं के निर्माण पर निवेश बढ़ाकर 800-900 करोड़ रुपये करेगी. यह निष्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की उसकी रणनीति का हिस्सा है. कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बोमन ईरानी ने दिए साक्षात्कार में कहा कि कंपनी अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष में निर्माण तथा भूमि खरीद पर काफी निवेश करेगी. ईरानी रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई के अध्यक्ष भी हैं.

आईसीआईसीआई ने मामला सुलझाया

नयी दिल्ली । आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 69.82 लाख रुपये का भुगतान कर नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले को सेबी के साथ सुलझा लिया है. आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, कंपनी की मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों की पुस्तकों तथा रिकॉर्ड के निरीक्षण के संबंध में भारतीय प्रतिभूति एवं सेबी को एक निपटान आवेदन प्रस्तुत किया. ये टिप्पणियां मुख्य रूप से एक मर्चेंट बैंकर के रूप में कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली उचित परिश्रम प्रक्रिया से संबंधित थीं. उसने सेबी के कारण बताओ नोटिस से उत्पन्न किसी भी लंबी कार्यवाही से बचने के लिए उपर्युक्त मामले के संबंध में निपटान विनियमों के तहत निपटान के लिए आवेदन प्रस्तुत किया.

सीमा शुल्क में कटौती के बाद सोने के आयात में तेजी आने की संभावना

ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता से सोने के आयात में आई गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता और सोने के भाव में इस साल लगातार आई तेजी की वजह से देश में सोने के आयात में कमी आई है. मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने यानी अप्रैल से जुलाई 2024 के दौरान सोने के आयात में 4.23 प्रतिशत की कमी आई है. इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल से जुलाई के चार महीने में देश में 12.64 अरब डॉलर की कीमत के सोने का ही आयात किया गया है. जबकि पिछले साल अप्रैल से जुलाई की अवधि में 13.21 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था. सिर्फ जुलाई के महीने में ही सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से 10.65 प्रतिशत की कमी आई है. इस महीने 3.21 अरब डॉलर कीमत के सोने का आयात किया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 3.52 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था.

जुलाई के पहले जून के महीने में सोने के आयत में 38.66 प्रतिशत की कमी आई थी. इसी तरह मई के महीने में सोने का आयात 9.76 प्रतिशत घट गया था. हालांकि इसके पहले अप्रैल के महीने में सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से जोरदार तेजी आई थी. अप्रैल 2024 में 3.11 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था, जबकि अप्रैल 2023 में सिर्फ 1.06 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था. आपको बता दे कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर सोने के आयात में 30 प्रतिशत की तेजी आई थी. पूरे साल के दौरान कुल 45.54 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था.

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट शेखर गुप्ता के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने के दौरान सोने के आयात में गिरावट जरूर आई है, लेकिन आने वाले दिनों में इस आयत में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है. गुप्ता के मुताबिक बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है. इस वजह से घरेलू कारोबारियों के लिए सोने की लागत कम हो गई है. इसके साथ ही सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत घटी है. ऐसी स्थिति में हाजिर सोने की खरीद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है.

इसी तरह एक और बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को घटाए जाने के कारण अवैध तरीके यानी तस्करी के जरिए विदेश से सोना लाने वाले कारोबारियों के उत्साह में भी कमी आने की संभावना है. थोड़े से फायदे के लिए ज्यादातर कारोबारी अवैध तरीका अपना कर अपना गला कानून के फंदे में फंसाने की जगह 6 प्रतिशत सीमा शुल्क देकर वैध तरीके से सोने का आयात करना ज्यादा पसंद करेंगे. इसीलिए आने वाले दिनों में जहां सोने की तस्करी में कमी आने की संभावना है, वहीं वैध तरीके से सोने के आयात में बढ़ोतरी होने की भी पूरी संभावना बनी हुई है.

लिवप्योर ने 233 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली । एयर कूलर, वाटर प्यूरिफायर जैसे उत्पाद बनाने वाली लिवप्योर ने एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स और एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से 233 करोड़ रुपये का वित्त पोषण हासिल किया है.

लिवप्योर ने गुरुवार को बयान में कहा कि कुल निवेश में से 208 करोड़ रुपये एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स और 25 करोड़ रुपये एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से जुटाये हैं. इस पूंजी निवेश से कंपनी अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए पेशकशों में विविधता लाएगी. इससे बाजार में उसकी उपस्थिति बढ़ेगी. लिवप्योर के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नवनीत कपूर ने कहा, यह निवेश हमें तेजी से नवोन्मेष करने, अपने उत्पाद खंड, खुदरा उपस्थिति का विस्तार करने और हमारे उच्च-गुणवत्ता वाले घरेलू समाधानों को अधिक भारतीयों तक पहुंचाने में सक्षम बनाएगा.

प्रीमियर एनर्जीज ने प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माता कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड ने अपने 2,830 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 427-450 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. हैदराबार स्थित कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि आईपीओ 27 अगस्त को खुलेगा और 29 अगस्त को बंद होगा. एंकर (बड़े) निवेशक 26 अगस्त को बोली लगा पाएंगे. आईपीओ 1,291.4 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर और 3.42 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है. इस प्रकार निर्गम का कुल आकार 2,830 करोड़ रुपये बैठता है. प्रीमियर एनर्जीज एक एकीकृत सौर सेल व सौर मॉड्यूल विनिर्माता है. इसके पास 29 वर्षों का अनुभव है. इसकी सौर सेल के लिए वार्षिक स्थापित क्षमता दो गीगावाट और सौर मॉड्यूल के लिए 4.13 गीगावाट है.

जॉफ ने सीरीज ए फंडिंग में 40 करोड़ रुपए जुटाए

संवाददाता । रांची

प्रमुख मसाला ब्रांड, जॉफ ने जेएम फाइनेंशियल इंडिया ग्रोथ फंड III के माध्यम से जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से सफलतापूर्वक 40 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं. कंपनी इस फंडिंग का उपयोग नए प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने और व्यवसाय को रेडी-टू-कुक, मसालें, कुकिंग पेस्ट और सीजनिंग किट जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए करेगी. इसी के साथ कंपनी सामान्य व्यापार, आधुनिक ट्रेड चैनल्स और अन्य रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से अपने ऑफलाइन डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है.

कंपनी का उद्देश्य मार्केटिंग के माध्यम से विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अपनी ब्रांड की उपस्थिति को बढ़ाना और ब्रांड के व्यापार और निर्यात को बढ़ाने के लिए बाजार में एक मजबूत ऑफलाइन नेटवर्क बनाना है. 2018 में दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल द्वारा स्थापित जॉफ, उद्योग में पहले ही एक पहचान बना चुका है. ब्रांड ने बोट के को-फाउंडर और सीएमओ, अमन गुप्ता से शार्क टैंक इंडिया में फंडिंग हासिल की थी.

फंडिंग पर आकाश अग्रवाल, को-फाउंडर ने कहा, जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से फंडिंग प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. हमारी कंपनी ने पिछले कुछ सालों में तेजी से वृद्धि की है और यह निवेश हमें अपने संचालन को बढ़ाने और साथ ही अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रेरित करेगा.

डेरियस पंडोले, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ने कहा, फूड इंडस्ट्री में ब्रांड के मसाले सबसे आकर्षक श्रेणियों में से एक के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं. भारत में मसालों की बहुत महत्ता है, इसके बावजूद यहां का बाजार अत्यधिक असंगठित है. लेकिन, हम विशेष रूप से कोविड के बाद स्वच्छता, गुणवत्ता और स्वास्थ्य जागरूकता पर बढ़ते फोकस के कारण इन असंगठित बाजारों को संगठित बाजारों में तब्दील होते हुए देख रहे हैं.

शेयर बाजार एफएमसीजी-बैंकिंग स्टॉक्स ने बाजार में भरा जोश

मिड-कैप शेयरों में छाई रौनक, सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी

- बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 148 अंकों के उछाल के साथ 81,000 के ऊपर 81,053 अंकों पर बंद हुआ है

एजेंसी । नयी दिल्ली

शानदार ग्लोबल संकेतों और घरेलू बाजार में देसी-विदेशी निवेशकों की खरीदारी के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. गुरुवार को फिर एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. मिडकैप स्टॉक्स में भी गुरुवार के सत्र में तेजी रही. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 148 अंकों के उछाल के साथ 81,000 के ऊपर 81,053 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40 अंकों की तेजी के साथ 24,810 अंकों पर बंद हुआ है. गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 तेजी के साथ और 12 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में भारती एयरटेल 1.60 फीसदी, टाटा स्टील 1.38 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.38 फीसदी, टाइटन 1 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.91 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.85 फीसदी, मारुति 0.73 फीसदी, एसबीआई 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.44 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले स्टॉक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.20 फीसदी, एनटीपीसी 1.20 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.16 फीसदी, टीसीएस 1.13 फीसदी, पावर ग्रिड 0.83 फीसदी, सन फार्मा 0.76 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.74 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

16 लाख करोड़ बढ़ा मार्केट कैप : शेयर बाजार में तेजी के चलते गुरुवार के सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी आई है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 460.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 459.24 लाख करोड़ रुपये रहा था. गुरुवार के सत्र में मार्केट कैप में 1.27 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. शेयर बाजार में पिछले पांच कारोबारी सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 16 लाख करोड़ रुपये के करीब इजाफा देखा गया है. वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंकिंग, एफएमसीजी, मेटल्स, इंफ्रा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, मीडिया, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स गिरकर बंद हुए.

टेक्सास में 90 फुट ऊंची हनुमान की मूर्ति बनी वहां की नयी पहचान

- स्टैच्यू ऑफ यूनियन' नाम की यह सबसे ऊंची मूर्तियों में से एक

एजेंसी। ह्यूस्टन

ह्यूस्टन के निकट भगवान हनुमान की 90 फुट ऊंची कांस्य मूर्ति का अनावरण किया गया है जो "अमेरिका के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक नया अध्याय' है. यह मूर्ति टेक्सास में नवीनतम पहचान बन गई है जो बहुत दूर से दिखाई देती और यह अमेरिका में तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है. आयोजकों ने बताया कि इस मूर्ति का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' रखा गया है और यह विश्व की सबसे ऊंची मूर्तियों में से एक है. इसकी कई अन्य विशिष्टताएं भी हैं: यह भारत के बाहर हनुमान की सबसे ऊंची मूर्ति है, टेक्सास में सबसे ऊंची मूर्ति है, अमेरिका में तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है और इससे ऊंची मूर्तियां केवल न्यूयॉर्क में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी (151 फुट) और फ्लोरिडा के हैलैंडेल बीच में पेगासस एंड ड्रैगन (110 फुट) ही हैं. आयोजकों ने बताया कि 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' हनुमान मूर्ति का अनावरण शुगर लैंड स्थित श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में 15 से 18 अगस्त तक आयोजित भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समारोह के दौरान किया गया.

पाकिस्तान में स्कूल वैन पर गोलीबारी, दो बच्चों की मौत

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बृहस्पतिवार को बंदूकधारियों ने एक स्कूल वैन पर गोलीबारी की, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए. यह घटना लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर अटक जिले के ढेरी कोट इलाके में हुई. पुलिस के अनुसार, स्कूल वैन बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही थी, इस दौरान अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर गोलीबारी की. पुलिस ने बताया, 'हमले में पांच से 10 वर्ष की आयु के सात बच्चे घायल हो गए. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है.' वैन चालक को भी चोटें आई हैं. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से बंदूकधारियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं. पुलिस, चालक के किसी से दुश्मनी या फिर घटना के आतंकवाद से जुड़े होने समेत सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है.

हिजबुल्ला ने 'गोलान हाइट्स' में 50 से ज्यादा रॉकेट दागे, कई मकान क्षतिग्रस्त

इजराइल ने गाजा में किए हमले, 17 की मौत

एजेंसी। यरूशलम

गाजा में बुधवार को इजराइली टैंक और ड्रोन हमलों में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई. एक अस्पताल के कर्मियों ने यह जानकारी दी. ये हमले मध्य गाजा के दीर अल-बलाह और दक्षिण में खान यूनिस में हुए. अस्पताल कर्मियों ने बताया कि अल-बलाह और खान यूनिस में इजराइली हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई.

इस बीच, लेबनान के हिजबुल्ला ने बुधवार को 50 से ज्यादा रॉकेट दागे, जिनसे इजराइली कब्जे वाले 'गोलान हाइट्स' में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए. हिजबुल्ला ने कहा कि ये हमले मंगलवार रात को लेबनान में इजराइल के हमले के जवाब में किए गए. ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब एक ही दिन पहले अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान गाजा में युद्ध विराम समझौता करने के राजनयिक मिशन के तहत मिस्र और कतर में अपने साथी मध्यस्थों से मुलाकात की थी. ईरान और लेबनान में हमास और हिजबुल्ला के दो शीर्ष कमांडर की हाल में निशाना बनाकर हत्या किए जाने से समझौते की आवश्यकता और बढ़ गई है. दोनों कमांडर की हत्या के पीछे इजराइल का हाथ बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ईरान और हिजबुल्ला ने दोनों कमांडर की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है. इस बीच, अहम मध्यस्थ देश मिस्र ने इस समझौते को लेकर बुधवार को संदेह व्यक्त किया. मिस्र में अधिकारियों ने बताया कि हमास चरमपंथी समूह कई कारणों से समझौते संबंधी प्रस्ताव पर सहमत नहीं होगा और इस बात को लेकर भी लंबे समय से आशंका बनी हुई है कि क्या इस समझौते के बाद इजराइली सेनाएं वास्तव में गाजा से हट जाएंगी और युद्ध समाप्त हो जाएगा. 'व्हाइट हाउस' ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री से बुधवार को बात की, हालांकि उसने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी.

'डीएनसी' में गूंजा वैदिक मंत्र

एजेंसी। शिकागो

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा के लिए जारी 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' (डीएनसी) के बुधवार को तीसरे दिन की शुरुआत पहली बार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसमें पुजारी ने देश की एकजुटता की प्रार्थना की. भारतीय-अमेरिकी पुजारी राकेश भट्ट ने शिकागो में आयोजित डीएनसी के तीसरे दिन की कार्यवाही औपचारिक रूप से शुरू करते हुए कहा, 'भले ही हमारे बीच मतभेद हों, लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हमें एकजुट होना चाहिए और यह हमें सभी के लिए न्याय की दिशा में ले जाता है.' डेमोक्रेटिक पार्टी के वित्तीय मामलों के उप प्रमुख अजय भुटोरिया ने कहा, 'राकेश भट्ट द्वारा आज डीएनसी में वैदिक विधि से पूजा अर्चना किया जाना एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो समावेशिता और विविधता के प्रति डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.'

टिम वाल्ज ने उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी स्वीकारी

शिकागो। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी बुधवार रात स्वीकार कर ली. वाल्ज ने 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' में अपने संबोधन के दौरान वहां मौजूद लोगों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'हम सभी आज रात यहां एक ही वजह से एकत्र हुए हैं और वह यह है कि हम इस देश से प्यार करते हैं.'

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर जेपीसी जांच की मांग को लेकर सड़क पर उतरे कांग्रेसी

कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

लगातार न्यूज नेटवर्क

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर कांग्रेस की ओर से बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी सहित देशभर विरोध-प्रदर्शन किया. दिल्ली में जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस के सीनियर लीडर्स शामिल हुए.. इस प्रदर्शन के जरिए हिंडनबर्ग रिपोर्ट की संयुक्त संसदीय समिति जेपीसी द्वारा जांच कराए जाने की मांग की जा रही है. प्रदर्शन में कांग्रेस के दिग्गज नेता शामिल हुए.

वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के त्यागपत्र और अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अगुवाई में बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने प्रदर्शन किया और हिंडनबर्ग की हाल की रिपोर्ट पर जेपीसी के गठन और सेबी प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे की मांग की. पार्टी कार्यकर्ता राजधानी स्थित प्रवर्तन निदेशालय की ओर जा रहे थे मगर पुलिस ने उन्हें राजभवन के पास रोक लिया. इस पर कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने प्रदर्शन किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से भ्रष्टाचार की पोल पूरी तरह खुल गयी है. जिस तरह से घोटाले का खुलासा हुआ है, उसके मद्देनजर सेबी प्रमुख माधवी बुच को त्यागपत्र देना चाहिये या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाना चाहिये. वहीं कांग्रेस की हरियाणा एवं पंजाब इकाइयों ने भी अदाणी मुद्दे की जांच के लिए जेपीसी के गठन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया. हिंडनबर्ग के हाल के आरोपों पर उत्पन्न विवादों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के आह्वान पर दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में अलग-अलग प्रदर्शन किया.

अदाणी मामले में जेपीसी जांच की मांग पर बीआरएस अपना रुख स्पष्ट करे : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को मांग की कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे पर और अदाणी समूह की कथित धोखाधड़ी की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन पर अपना रुख स्पष्ट करें. तेलंगाना कांग्रेस के प्रमुख रेड्डी ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों और पार्टी विधायकों के साथ सेबी प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी की कथित वित्तीय धोखाधड़ी की जेपीसी से जांच की मांग को लेकर यहां एक धरने में हिस्सा लिया. विरोध प्रदर्शन के दौरान रेड्डी ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार पर सवाल नहीं उठाने के लिए बीआरएस नेताओं पर हमला बोला. उन्होंने कहा, 'मैं मोदी के खिलाफ लड़ने के बड़े-बड़े दावे करने वाले बीआरएस के नेताओं से पूछ रहा हूं : आपने अब तक क्या किया है? आपने अपनी आवाज क्यों नहीं उठाई?' उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बात की चिंता नहीं है कि बीआरएस का भाजपा में विलय होगा या नहीं, लेकिन केसीआर (के चंद्रशेखर राव) को सेबी मामले में अपने रुख का खुलासा करना चाहिए. रेड्डी ने पूछा कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 'राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है.' डोटासरा कांग्रेस की ओर से जयपुर में आयोजित 'अदाणी महाघोटाले में जेपीसी जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन' को संबोधित कर रहे थे. डोटासरा ने कहा, 'राजस्थान में सरकार नाम की चीज नहीं रह गई... एक ही बात कही जाती है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यों की जांच कर रहे हैं.' उन्होंने कहा, 'बेशक सरकार जांच करें, गलत कार्य करने वालों को जेल में डाले, किन्तु मात्र भाषण से काम नहीं चलेगा, क्योंकि राजस्थान की जनता ने पांच साल सरकार चलाने का जिम्मा भाजपा के द्वारा किए गए वादों पर विश्वास कर दिया है.' उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में भी भाजपा सरकार की अजीब स्थिति है, मुख्यमंत्री की मंत्री नहीं मानते, मंत्रियों की विधायक नहीं सुन रहे, विधायकों की जनता नहीं मान रही.

कानून में बदलाव को लेकर पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प

इंडोनेशिया में छात्रों ने बोला संसद पर धावा

एजेंसी। जकार्ता

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में संवैधानिक अदालत के फैसले को पलटने के सरकार के प्रयास के विरोध में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई. प्रदर्शन के दौरान संसद के बाहर अराजकता देखने को मिली, यहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने गेट तोड़ने की कोशिश की, जबकि अन्य लोग शांति की अपील कर रहे थे. अन्य प्रमुख शहरों जैसे- पड़ांग, बांडुंग और योग्याकार्ता में भी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई.

पर्यवेक्षकों का कहना है कि राष्ट्रपति के समर्थकों का वर्चस्व वाली इंडोनेशिया की संसद और देश की संवैधानिक अदालत के बीच सत्ता संघर्ष एक राजनीतिक संकट को जन्म दे सकता है. बुधवार को इंडोनेशिया की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि किसी उम्मीदवार को चुनाव में उतारने के लिए पार्टियों को क्षेत्रीय विधानसभाओं में न्यूनतम 20 प्रतिशत प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है. इसके 24 घंटे के भीतर संसद ने इस फैसले को पलटने के लिए एक आपातकालीन प्रस्ताव पेश किया. हालांकि, संसद में पर्याप्त सांसदों की मौजूदगी नहीं होने के चलते गुरुवार को मतदान स्थगित कर दिया गया. यदि यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो यह निवर्तमान राष्ट्रपति जोको "जोकोवी" विदोदो और उनके उत्तराधिकारी प्रबोवो सुबियांतो के लिए सहूलियत भरा होगा. इससे कई स्थानीय चुनावों के निर्विरोध होने की उम्मीद है.

बदलापुर यौन उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन पर शिंदे के बयान पर उद्धव का निशाना

मुंबई। शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को यह कहते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा कि एक स्कूल की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर मंगलवार को बदलापुर में हुए प्रदर्शन के पीछे जो लोग राजनीति देख रहे हैं, वे या तो असामान्य हैं या फिर दोषियों के संरक्षक हैं. ठाकरे की यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री शिंदे के उस दावे के मद्देनजर आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बदलापुर का विरोध राजनीति से प्रेरित था और ज्यादातर प्रदर्शनकारी बाहर से आए थे. उन्होंने कहा कि विपक्षी धड़े महा विकास आघाडी (एमवीए) द्वारा 24 अगस्त को बुलाए गए बंद के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं है.

रूस के सैन्य ठिकाने पर ड्रोन से हमला

एजेंसी। कीव

रूस के दक्षिणी हिस्से वोल्गोग्राद क्षेत्र में स्थित एक सैन्य ठिकाने पर बृहस्पतिवार को ड्रोन से हमला किया गया जिसके बाद वहां आग लग गई. रूस के रक्षा मंत्रालय और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी. वोल्गोग्राद के गवर्नर आंद्रेई बोचारोव ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर कहा कि मारिनोवका के इलाके में ड्रोन से हमला किए जाने के बाद एक सैन्य ठिकाने में आग लग गई, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है.

बोचारोव ने यह नहीं बताया कि इस ड्रोन हमले से क्या नुकसान हुआ, लेकिन रूस के कई टेलीग्राम चैनल ने बताया कि ओक्त्यबर्स्की गांव में मारिनोवका के पास स्थित सैन्य हवाई अड्डे पर ड्रोन से हमला करने का प्रयास किया गया. यूक्रेन ने रूस के दक्षिणी क्षेत्र में हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन रूस में यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन ने रूस में अपने हमले तेज कर दिए हैं. यूक्रेन ने हाल ही में रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हमला किया और बुधवार को मॉस्को को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी. मॉस्को के महापौर ने इन हमलों को यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े हमले करार दिया.

चीनी प्रधानमंत्री से मिले पुतिन

मॉस्को। कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग से बुधवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों की सराहना की. पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' में हुई बैठक के दौरान कहा, 'हमारे व्यापारिक संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं... दोनों देशों की सरकारें व्यापार और आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित रही हैं और उसके परिणाम सामने आ रहे हैं.' उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने आर्थिक और अन्य परियोजनाओं के लिए 'बड़े पैमाने पर योजनाएं' बनाई हैं.

न्यूज अपडेट

सेना के आलोचक यूट्यूबर गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तानी सेना के कट्टर आलोचक यूट्यूबर जाने-माने राजनीतिक टिप्पणीकार ओर्या मकबूल जान को पंजाब प्रांत में कथित तौर पर 'धार्मिक नफरत' फैलाने और सोशल मीडिया पर 'संस्थाओं विशेषकर सेना को बदनाम करने' के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. इसस पहले खुफिया एजेंसियों ने यूट्यूबर एवं हास्य कलाकार का शहबाज शरीफ का अपहरण कर लिया था.

लाल सागर में 29 नाविकों को बचाया

दुबई। लाल सागर में संदिग्ध हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमले में क्षतिग्रस्त तेल टैंकर पर सवार 29 नाविकों को यूरोपीय संघ मिशन के तहत एक फ्रांसीसी विध्वंसक पोत ने बचा लिया है. साथ ही इलाके में बम ले जाने वाली एक ड्रोन नौका को भी नष्ट कर दिया. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. यमन के हूती विद्रोहियों पर यूनान के इस टैंकर 'सोयूनियन' पर हमला करने का संदेह है.

श्रीलंका में चुनाव कराने का आदेश

कोलंबो। नागरिकों के मूल अधिकारों के हनन को लेकर श्रीलंका सरकार की आलोचना करते हुए, देश के उच्चतम न्यायालय ने उसे स्थानीय परिषद चुनाव जल्द से जल्द कराने का आदेश दिया है. न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने विपक्ष और नागरिक समाज समूहों द्वारा दायर चार याचिकाओं के जवाब में यह फैसला सुनाया. पिछले साल की शुरुआत से 340 से अधिक स्थानीय परिषदों के चुनाव टाले गए हैं.

ब्राजील नागरिकों का प्रवेश रोकेगा

साओ पाउलो। ब्राजील एशिया के ऐसे नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है जो अमेरिका और कनाडा में प्रवास करने के लिए इस दक्षिण अमेरिकी देश का उपयोग करते हैं. यहां के न्याय मंत्रालय के प्रेस कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी. एक आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, हवाईअड्डे पर शरण के लिए 70 प्रतिशत से अधिक अनुरोध भारतीय, नेपाली या वियतनामी राष्ट्रीयता वाले लोगों से आते हैं.

खदान से मिला 2,492 कैरेट का हीरा

गाबोरोने (बोत्सवाना)। बोत्सवाना ने दावा किया है कि अब तक का सबसे बड़ा हीरा उसकी एक खदान से प्राप्त हुआ है और बृहस्पतिवार को इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा. बोत्सवाना की सरकार का मानना है कि 2,492 कैरेट का यह विशाल रत्न देश में खोजा गया सबसे बड़ा प्राकृतिक हीरा और किसी खदान से निकाला गया दूसरा सबसे बड़ा रत्न है.

दुकान पर पलटा टैंकर, पांच की मौत

बरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में बृहस्पतिवार सुबह बस से आमने-सामने की टक्कर के बाद एक टैंकर सड़क किनारे बनी चाय की दुकान पर पलट गया जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और 12 व्यक्ति घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना हिंजिली के पास समरझोला में राष्ट्रीय राजमार्ग 59 पर हुई. चार व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

बस खाई में गिरने से छह की मौत

लेह। लद्दाख के लेह जिले में एक बस के सड़क से 200 फुट गहरी खाई में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए. लेह के उपायुक्त संतोष सुखदेव ने बताया कि बस में एक स्कूल के कर्मचारी थे जो एक विवाह समारोह में जा रहे थे. इस दौरान दुर्बुक इलाके में बस खाई में गिर गई. जिला प्रशासन और पुलिस कर्मियों ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया.

संजय सिंह मामले में आदेश सुरक्षित

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने वर्ष 2001 में सड़क पर विरोध प्रदर्शन के एक मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका पर अपना आदेश बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया. अदालत ने बुधवार को कहा था कि जमानत याचिका पर आदेश आने तक संजय सिंह को सुल्तानपुर अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने की जरूरत नहीं है.

रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करे

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़ी हेमा समिति की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करे. पीठ ने यह निर्देश जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया. याचिका में दावा किया गया है कि रिपोर्ट में गंभीर आरोप हैं. उच्च न्यायालय ने सरकार को जवाबी हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया.

जेल तोड़ने का साजिशकर्ता प्रत्यर्पित

चंडीगढ़। पंजाब में नाभा जेल तोड़ने के मुख्य साजिशकर्ता रमनजीत सिंह को हांगकांग के अधिकारियों ने प्रत्यर्पित कर दिया है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि रमनजीत सिंह उर्फ रोमी को पंजाब पुलिस की एक टीम द्वारा भारत लाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि रोमी नाभा जेल तोड़ने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता था.

सेहत की बात ऑस्ट्रेलिया के एक अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 5,40,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया

उच्च रक्त चाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाता है 'कब्ज'

लगातार न्यूज नेटवर्क

अगर आप गूगल पर "कब्ज" और "दिल का दौरा" जैसे शब्दों के बारे में जानकारी हासिल करना चाहेंगे तो एल्विस प्रेस्ली का नाम सामने आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा. एल्विस को लंबे समय से पुरानी कब्ज की शिकायत थी और ऐसा माना जाता है कि वह मलत्याग करने के लिए बहुत जोर लगा रहा था, जिसके बाद उसे घातक दिल का दौरा पड़ा. हम नहीं जानते कि 1977 में तथाकथित किंग ऑफ रॉक "एन" रोल के साथ वास्तव में क्या हुआ था. उनकी मृत्यु में संभवतः कई योगदान कारक थे, और यह सिद्धांत कई में से एक है, लेकिन इस प्रसिद्ध मामले के बाद शोधकर्ताओं ने कब्ज और दिल के दौरे के जोखिम के बीच संबंध में गहरी दिलचस्पी ली. इसमें ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक हालिया अध्ययन शामिल है जिसमें हजारों लोगों का डेटा लिया गया है.

क्या कब्ज और दिल का दौरा एक दूसरे से जुड़े हुए हैं? बड़ी आबादी के अध्ययन से पता चलता है कि कब्ज दिल के दौरे के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है. उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया के एक अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 540,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. इसमें पाया गया कि कब्ज वाले मरीजों में उसी उम्र के गैर-कब्ज वाले मरीजों की तुलना में उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा अधिक था. अस्पतालों और अस्पताल के आउट पेशेंट क्लीनिकों के 900,000 से अधिक लोगों पर किए गए एक डेनिश अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन लोगों को कब्ज था, उनमें दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया था. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि क्या कब्ज और दिल के दौरे और स्ट्रोक के बढ़ते जोखिम के बीच यह संबंध अस्पताल के बाहर स्वस्थ लोगों के लिए सही होगा. इन ऑस्ट्रेलियाई और डेनिश अध्ययनों में उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं के प्रभावों को भी शामिल नहीं किया गया, जिससे आपको कब्ज़ हो सकता है. **(द कन्वरसेशन)**

इस नये अध्ययन के बारे में क्या ख्याल है?

मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में हाल ही में किए गए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में कब्ज और सामान्य आबादी में दिल के दौरे, स्ट्रोक और हार्ट फेल होने के बढ़ते जोखिम के बीच संबंध पाया गया है. शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक के डेटा का विश्लेषण किया, जो यूनाइटेड किंगडम में लगभग पांच लाख लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का एक डेटाबेस है. शोधकर्ताओं ने कब्ज के 23,000 से अधिक मामलों की पहचान की और उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए दवाओं के प्रभाव का हिसाब लगाया, जिससे कब्ज हो सकता है. कब्ज से पीड़ित लोगों (मेडिकल रिकॉर्ड या प्रश्नावली के माध्यम से पहचाने गए) में बिना कब्ज वाले लोगों की तुलना में दिल का दौरा, स्ट्रोक या हार्ट फेल होने की संभावना दोगुनी थी. शोधकर्ताओं ने उच्च रक्तचाप और कब्ज के बीच एक मजबूत संबंध पाया. उच्च रक्तचाप से पीड़ित जिन व्यक्तियों को कब्ज की भी शिकायत थी, उनमें केवल उच्च रक्तचाप वाले लोगों की तुलना में हृदय संबंधी किसी बड़ी घटना का जोखिम 34 प्रतिशत अधिक था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)